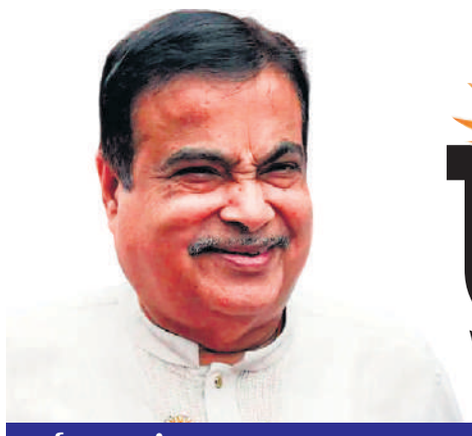


आपकी बात, निर्भीकता के साथ

# प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 02, अंक : 04 | रांची, शनिवार, 14 दिसंबर 2024 (मार्गशीर्ष शुक्ल 14, संवत 2081), पृष्ठ : 12, मूल्य : 3 रुपये | email: jharkhandwanitaudyog@gmail.com


## रांचीवासी सावधान! बिना मास्क ना निकलें बाहर

प्रातः नागपुरी संवाददाता

**खुले में सांस लेना हो सकता है बेहद ही खतरनाक**

**जमशेदपुर और धनबाद की हवा भी कम दूषित नहीं**

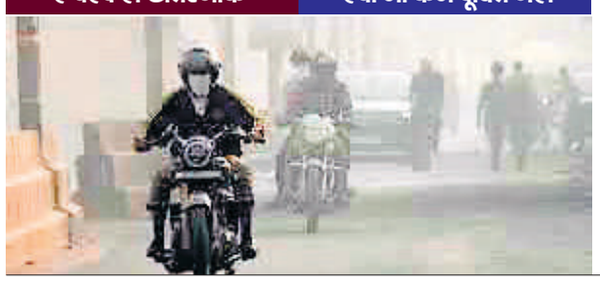

**AQI 100 तक ही ठीक**

बताते चलें कि, 0 से 50 के बीच में एयर क्वालिटी इंडेक्स अच्छा माना जाता है। वहीं, 51 से 100 के बीच मॉडरेट यानी सामान्य, 101 से 200 के बीच खराब, 201 से 300 के बीच अनहेल्दी, 301 से 400 के बीच सर्वर और 401 से 500 के बीच खतरा, यानी यह डेंजर जोन में आता है।

**रांची। दूषित हवा के मामले में जमशेदपुर कुछ दिनों पर टॉप पर था, लेकिन दो दिनों से इधर टॉप पोजीशन रांची ने ले लिया है। जी हां! पिछले दो दिनों से एयर क्वालिटी इंडेक्स रिपोर्ट में रांची का आंकड़ा 200 से पार दिख रहा है। वहीं, जमशेदपुर व धनबाद का आंकड़ा भी 150 के ऊपर रहने वाला है। ताजा आंकड़ा भी काफी निराशाजनक है। जिसे लेकर लोगों को सचेत रहने की जरूरत है। वहीं, घर से बाहर निकलें, तो मास्क का प्रयोग जरूर करें।**

**रांची में सबसे अधिक प्रदूषणः** एयर क्वालिटी इंडेक्स के अनुसार पिछले 24 घंटे में रांची में प्रदूषण का स्तर सबसे ऊपर रहा। यहां AQI का आंकड़ा 233, जमशेदपुर का 165 और धनबाद का 162 दर्ज किया गया। जो सामान्य से ऊपर है। वहीं, आज के एयर क्वालिटी इंडेक्स के आंकड़े की बात करें तो रांची का सबसे अधिक 225, धनबाद का 166 और जमशेदपुर का 165 रहने की संभावना है। इन शहरों में खुले में सांस लेना खतरनाक हो सकता है। ऐसे में लोगों को मास्क लगाने की सलाह दी गई है।

**घर से बाहर इन बातों का रखें ख्याल :** पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की ओर से ज्यादा प्रदूषण वाले शहर के लोगों से सावधान रहने की अपील की गई है। लोगों से घर के बाहर मास्क का इस्तेमाल करने को कहा गया है। वहीं, ट्रैफिक में भी सचेत करने की सलाह दी गई है। इतना ही नहीं, घर के दरवाजे-खिड़की को ज्यादातर बंद रखने की सलाह दी गई है। ताकि घर के अंदर धूलकण आने से रोका जा सके। संभव हो तो घर में एयर प्यूरीफायर लगा सकते हैं। बाहर धूल या गंदी जगहों पर बच्चों को खेलने ना भेजें।

## नए साल से स्मार्ट बंगले में रहेंगे हेमंत सरकार के मंत्री

प्रातः नागपुरी संवाददाता

**70 करोड़ रुपये की लागत से स्मार्ट सिटी में हो रहा है तैयार**

**सौगात के रूप में मंत्रियों को मिलेगा आवासः विनोद**

सरकार के केंद्रीय समन्वय समिति सदस्य विनोद पांडे कहते हैं कि मंत्रियों के कामकाज की सुविधा का ध्यान रखते हुए बंगला तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने 15 जनवरी तक बंगला तैयार कर विभाग को हैंडओवर करने को कहा है। स्वाभाविक रूप से तैयार हो जाने के बाद नए साल की सौगात के रूप में मंत्रियों को आवास मिलेगा।

**रांची।** झारखंड में हेमंत सरकार के मंत्री जल्द ही नए बंगले में रहेंगे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्मार्ट सिटी में तैयार हो रहे इन आलीशान बंगले को अंतिम रुप दिया जा रहा है। खरमास के बाद नए साल में मंत्रियों को यह बंगला मिलेगा। करीब 70 करोड़ की लागत से बन रहे माननीयों के इन 11 बंगले में सुरक्षा के साथ-साथ अत्याधुनिक सुविधाओं का खास ख्याल रखा गया है, जिससे यहां रहने पर कोई परेशानी ना हो।

धुर्वा स्मार्ट सिटी कैंपस में करीब 9 एकड़ में बन रहे मंत्री आवास परिसर में एक साथ सभी मंत्री रहेंगे। मंत्रियों के इस आवासीय परिसर में क्लब हाउस, बैडमिंटन कोर्ट तथा पुलिस बैरेक के साथ-साथ बच्चों के खेलने की समुचित व्यवस्था है। इधर नए आवासीय परिसर को लेकर मंत्रियों में कौतुहल बनी हुई है। पूरी तरह से तैयार होने के बाद उन्हें आवंटित किया जाएगा।

**मंत्रियों के नए आवासीय परिसर की कई हैं खासियत :** धुर्वा के स्मार्ट सिटी कैंपस में तैयार हो रहे मंत्रियों के नए आवासीय परिसर की कई खासियत है। जुडको द्वारा तैयार हो रहे इस आवासीय परिसर में सभी मंत्रियों के लिए एक समान बंगले हैं। एक डिजाइन और एक समान क्षेत्रफल में मंत्रियों के बंगले बनाए गए हैं।

शेष पेज 08 पर

### संक्षिप्त खबरें

**बोकारो-रामगढ़ नेशनल हाईवे पर बड़ा हादसाः पांच की मौत**

**रांची।** झारखंड के बोकारो-रामगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हो गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जरीडीह, बोकारो की चिकित्सा पदाधिकारी डॉ। स्वीटी भगत ने बताया कि इस रोड एक्सीडेंट में 5 लोगों को मृत लाया गया और 3 घायल हैं, एक की हालत गंभीर है बनी हुई है।

**केंद्र सरकार सोमवार को पेश सकती है 'वन नेशन वन इलेक्शन' बिल**

**नई दिल्ली।** देश में एक साथ चुनाव यानी 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के बिल को गुरुवार को केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। वहीं, अब सरकार इससे जुड़े दो बिल लोकसभा में पेश करने जा रही है। सरकार ने बिल का मसौदा लोकसभा सदस्यों को भेज दिया है। माना जा रहा है कि सरकार सोमवार को इन दोनों बिलों को लोकसभा में पेश कर सकती है। इस बिल के जरिए संविधान में दो मुख्य बदलाव किए जाने हैं। इससे 129वां संविधान संशोधन और केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के कानून में बदलाव होगा।

### अंदर पढ़ें


रांची : पीएलएफआई के विस्तार मामले में एनआईए ने दो पर दाखिल किया चार्जशीट पेज 08

मदरसे में दी जा रही ट्रेन पलटाने की ट्रेनिंग! पेज 08

बीपीएससी अभ्यर्थी को पटना के डीएम ने जड़ा थप्पड़ पेज 08


## महाकुंभ मेला एकता का महायज्ञ रचा जा रहा नया इतिहासः पीएम

एजेंसियां

- प्रधानमंत्री ने प्रयागराज में 5,500 करोड़ की लागत वाली 167 प्रमुख विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

**प्रयागराज।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि महाकुंभ 2025 एक 'एकता का महायज्ञ' होगा, जो देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। उन्होंने सामाजिक सामंजस्य के साथ-साथ समुदायों के आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देने में इस आयोजन की भूमिका पर जोर दिया। कुंभ मेले के दौरान शहर के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और तीर्थयात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस आयोजन में जाति और संप्रदाय के मतभेद मिट जाते हैं।

प्रधानमंत्री ने 5,500 करोड़ रुपये की लागत वाली 167 प्रमुख विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं में महाकुंभ में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं के लिए संचार को सुव्यवस्थित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित प्लेटफॉर्म - सह'ए'यक चैटबॉट भी शामिल है। मोदी ने कहा कि प्रयागराज शहर, जो हर 12 साल में महाकुंभ की मेजबानी करता है, सिर्फ एक भौगोलिक स्थान नहीं है, बल्कि आध्यात्मिक अनुभव का स्थान है, जहां गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों का पवित्र संगम सभी वर्गों के लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मोदी ने कहा, महाकुंभ एकता का महायज्ञ है। यह देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। पिछले कुंभ में मुझे संगम पर स्नान करने का सौभाग्य मिला था और आज एक बार फिर मुझे गंगा के चरणों में आशीर्वाद मिला। बता दें कि 2025 का महाकुंभ 13 जनवरी (पौष पूर्णिमा) से 26 फरवरी (महाशिवरात्रि) तक प्रयागराज में आयोजित किया जाएगा। यह दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक समागम होगा और 45 दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में 40 करोड़ से अधिक लोगों के आने की उम्मीद है। शेष पेज 08 पर

**पीएम ने अफसरों से समझीं स्वच्छ, डिजिटल और सुरक्षित महाकुम्भ की बारीकियां**

**प्रयागराज।** महाकुम्भ प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री को योगी सरकार के 8 अफसरों ने महाकुम्भ के दौरान श्रद्धालुओं को दी जाने वाली विशेष सुविधाओं की जानकारी दी। अधिकारियों ने सुरक्षा के इंतजाम, स्वच्छता और डिजिटल महाकुम्भ के विषय में विस्तार से बताया। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री को 45 दिन तक चलने वाले महाकुम्भ के विषय में पूरी जानकारी दी। उन्होंने महाकुम्भ के प्रमुख स्नान पर्व के साथ अन्य तैयारियों के सम्बंध में ब्रीफ किया। पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने पर्यटन से सम्बंधित विकास परियोजनाओं के विषय में विस्तृत जानकारी दी। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने तेजी से हो रहे विकास कार्यों के विषय में पीएम को अवगत कराया।

**अल्लू अर्जुन गिरफ्तार जेल में ही बिताएंगे रात आज आ सकते हैं बाहर**

**नई दिल्ली।** 'पुष्पा 2' की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ में हुई महिला की मौत के मामले में शुक्रवार दोपहर तेलंगाना पुलिस ने अल्लू अर्जुन को उनके घर से गिरफ्तार किया। इसके बाद पुलिस ने उन्हें निचले कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। देर शाम उन्हें इस मामले में हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। हालांकि, अभी तक उन्हें जेल से रिहा नहीं किया गया। अल्लू आज रात जेल में ही बिताएंगे।

**आज सुबह होगी रिहाईः** हैदराबाद के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्रीनिवास राव ने अल्लू अर्जुन की रिहाई को लेकर पत्रकारों के पूछे गए सवाल पर कहा कि उनकी रिहाई शनिवार सुबह ही होगी। उन्होंने कहा कि इसका कारण उन्हें नहीं मालूम है, लेकिन अल्लू अर्जुन को शनिवार सुबह ही रिहा किया जाएगा। शेष पेज 08 पर

## बंपर जीत के बाद पहली बार देवघर पहुंचे मुख्यमंत्री हेमंत

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

- कल्पना सोरेन के साथ भोलेनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी
- झारखंड की सुख-समृद्धि, उन्नति व खुशहाली की प्रार्थना की

**देवघर।** झारखंड विधानसभा चुनाव में मिली बंपर जीत के बाद पहली बार शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी विधायक कल्पना सोरेन देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर पहुंचे, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।तीर्थ पुरोहितों द्वारा पूरे विधि-विधान से बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर के गर्भ गृह में शिवलिंग की पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। मुख्यमंत्री एवं विधायक ने बाबा भोलेनाथ से झारखंड वासियों की सुख-समृद्धि, उन्नति और खुशहाली की प्रार्थना की।

**देवघर एयरपोर्ट पर सीएम और उनकी पत्नी का स्वागत :** इससे पूर्व देवघर एयरपोर्ट आगमन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन का सारठ विधायक, उदय शंकर सिंह, संथाल परगना कमिश्नर लालचंद दादेल, संथाल परगना आई.जी. श्री क्रांति कुमार, डी.आई.जी. संजीव कुमार, उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी विशाल सागर, पुलिस अधीक्षक अजीत पीटर डुंगडुंग द्वारा स्वागत एवं अभिवादन किया गया। शेष पेज 08 पर

## महाराष्ट्र में नई कैबिनेट पर सस्पेंस खत्म, विस्तार कल

एजेंसियां

- नागपुर में होगा फडणवीस मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह

**महाराष्ट्र।** महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस की नई कैबिनेट का विस्तार रविवार, 15 दिसंबर को होगा। मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह नागपुर में होगा। राज्य में महायुति को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद 5 दिसंबर को देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। अजित पवार और एकनाथ शिंदे ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, लेकिन कैबिनेट का विस्तार रुका हुआ था। सूत्रों का कहना है कि कैबिनेट विस्तार के पहले चरण में महागठबंधन के 33 से 35 मंत्री शपथ लेंगे। सूत्रों के मुताबिक, नई कैबिनेट में बीजेपी के 23 विधायकों को, शिवसेना शिंदे ग्रुप से 13 विधायकों को और एनसीपी शरद पवार ग्रुप से 9 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाए जाने की संभावना है।

महाराष्ट्र में मंत्रिपरिषद में सीएम समेत अधिकतम 43 मंत्री हो सकते हैं। शेष पेज 08 पर

## झारखंड में जल्द होगी 52 हजार शिक्षकों की बहाली, खुलेंगे 500 सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस

प्रातः नागपुरी संवाददाता

**जमशेदपुर।** झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन शुक्रवार को जमशेदपुर स्थित परिसदन पहुंचे, जहां उन्होंने कहा कि झारखंड में जल्द ही 52 हजार शिक्षकों की बहाली होगी। साथ ही, राज्य में 500 सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस खुलेंगे। राज्य में बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए सरकार ये कदम उठायेगी। शिक्षा मंत्री ने जमशेदपुर स्थित परिसदन में विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में यह घोषणा की। इस दौरान उन्होंने जिले के स्कूलों की शैक्षणिक स्थिति की समीक्षा की और सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी ली।

**शिक्षक भर्ती की अड़चनें होंगी दूर :** रामदास सोरेन ने कहा कि शिक्षक भर्ती में कुछ अड़चनें आयी हैं, उसे सुलझाया जा रहा है। वर्तमान में 26 हजार शिक्षकों की भर्ती का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। जैसे ही इस पर फैसला आएगा, राज्य सरकार पहले चरण में इन 26 हजार पदों पर नियुक्ति करेगी, जबकि दूसरे चरण में बाकी के 26 हजार शिक्षकों की बहाली होगी। उन्होंने कहा कि सरकार के इस कदम से राज्य में शिक्षा के स्तर को सुधारने में मजबूती आयेगी। इससे राज्य के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा। शेष पेज 08 पर

## मुख्य सचिवों के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में झारखंड के कई अधिकारी हुए शामिल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। दिल्ली में आयोजित होने वाले चौथे मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन का शुक्रवार से शुभारंभ हुआ। मुख्य सचिवों का यह सम्मेलन, सहकारी संवाद को मजबूत करने, विकास एवं प्रगति हासिल करने की दिशा में केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने की दृष्टि से अयोजित किया जाता है।

झारखंड सरकार की तरफ से इस सम्मेलन में मुख्य सचिव अलका तिवारी, प्रधान सचिव योजना मस्त राम मीना, सचिव ग्रामीण विकास के श्रीनिवासन एवं सचिव उद्योग विभाग जीतेंद्र कुमार सिंह आदि विशेष पदाधिकारियों ने शिरकत की। बता दें कि यह सम्मेलन केंद्र एवं राज्य सरकारों के साझा विकास एजेंडा के सुसंगत प्रारूप तैयार करने के लिए किया जाता है। इसका प्रमुख उद्देश्य उद्धामिता को बढ़ावा देना, कौशल परक रोजगार सृजन कराना और अधिक जन मानस को लाभांश का दोहन कराना है। शेष पेज 08 पर

## कुछ लोग संविधान की कॉपी जेब में रखकर घूमते हैं : राजनाथ

एजेंसियां

**केंद्रीय रक्षा मंत्री ने लोकसभा में संविधान पर रखी बात**

**भाजपा ने संविधान को माथे से लगाया है**

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी का नाम लिए बगैर कहा कि कांग्रेस के कुछ नेता संविधान की कॉपी जेब में रखकर घूमते हैं। उन्होंने बचपन से यही सीखा है। संविधान को जेब में रखकर घूमना ही सीखा है। लेकिन बीजेपी ने संविधान को माथे से लगाया है। हमने कभी भी किसी भी संस्था के साथ खिलवाड़ नहीं किया है। संविधान के मूल्य हमारे लिए कहने या दिखाने भर की बात नहीं है। संविधान के मूल्य संविधान के द्वारा दिखाया गया मार्ग, सिद्धांत हमारे मन, वचन और कर्म में दिखाए देंगे।

**नई दिल्ली।** संसद के शीतकालीन सत्र का शुक्रवार को 14वां दिन था। लोकसभा में संविधान पर चर्चा हुई और सत्ता पक्ष की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चर्चा की। उन्होंने कहा, कांग्रेस की तरह हमने कभी संविधान को राजनीतिक हित साधने का जरिया नहीं बनाया। हमने संविधान को जिया है। हमने संविधान की रक्षा के लिए कष्ट भी सहे। 2003 में जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे, तब हमने 91वें संशोधन से मंत्रिपरिषद के आकार को सीमित कर दिया था। कांग्रेस ने सिर्फ संविधान संशोधन ही नहीं किया है, बल्कि धीरे-धीरे बदलने का प्रयास किया है।

उन्होंने कहा कि जब जवाहर लाल नेहरू प्रधानमंत्री थे, तब 17 बार संशोधन किए गए। इंदिरा गांधी के समय पर 28 बार बदलाव किए गए। राजीव गांधी के समय 10 बार बदलाव किया गया। मनमोहन सिंह के समय 7 बार संशोधन किए गए। ये संशोधन गलत नीतियों को लागू करने के लिए किए गए। राजनाथ ने कहा कि आज संविधान की रक्षा की बात की जा रही है। लेकिन हमें ये समझने की जरूरत है कि किसने संविधान का अपमान किया है और किसने सम्मान किया है।

उन्होंने कहा कि 1976 में एक घटना घटी। जस्टिस एचआर खन्ना ने एक मामले में तब की कांग्रेस सरकार के खिलाफ डिसेंटिंग जजमेंट दिया था। जस्टिस खन्ना ये स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे कि किसी सरकार के द्वारा नागरिक से न्याय मांगने का हक छीन लिया गया। जस्टिस खन्ना को इसकी क्या कीमत चुकानी पड़ी, ये काले इतिहास में दर्ज है।

**ये संविधान पर हमला था...:** इसी तरह 1973 में भी सभी संवैधानिक मूल्यों को ताक पर रखकर तीन जजों को दरकिनार कर चौथे सीनियर जज को भारत का मुख्य न्यायाधीश बना दिया। इन तीनों का सिर्फ यही अपराध था कि वो सरकार के सामने नहीं झुके। उन्होंने कहा कि ये किसी व्यक्ति पर हमला नहीं था, बल्कि ये संविधान पर हमला था। मुझे हैरानी होती है कि आज वही पार्टी संविधान के संरक्षण की बात करती है। मैं कहना चाहता हूं कि कांग्रेस ने अनेक मौकों पर संविधान का अपमान किया है। उन्होंने हमेशा एक कमिटेड ज्यूडिशियरी, कमिटेड ब्यूरोक्रेसी और कमिटेड इंस्टीट्यूशन बनाने का काम किया है। कांग्रेस के मुंह से संविधान के संरक्षण की बात शोभा नहीं देती। शेष पेज 08 पर

## संसद में उन्नाव रेप और हत्या मामले की गूंज, कांग्रेस सांसद ने उठाया मुद्दा

**नई दिल्ली।** उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में एक जघन्य अपराध के 5 साल बाद भी न्याय की उम्मीद पूरी नहीं हो पाई हैं। यह मामला फिर से देश की संसद में गूंज उठा, जब कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने इस मुद्दे को उठाया और पीड़िता के परिजनों को न्याय दिलाने की अपील की। यह मामला 2019 का है, जब उन्नाव के बिहार थाना क्षेत्र के भाटनखेड़ा गांव में एक युवती के साथ रेप किया गया और फिर उसे जलाकर मार डाला गया। इस दर्दनाक घटना के बाद पुलिस ने पांच गांव वालों को आरोपी बनाया, लेकिन आज तक आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

शेष पेज 08 पर

**यह लड़ाई देश की हर बेटी की है: प्रियंका गांधी**

प्रियंका गांधी ने इस मुद्दे को उठाते हुए यह भी कहा कि यह केवल एक परिवार की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह हर उस लड़की और महिला की लड़ाई है जो असुरक्षित महसूस करती है। उन्होंने सरकार से तत्काल कार्रवाई करने की अपील की और कहा कि इसे एक उदाहरण बनाना चाहिए कि ऐसे अपराधों के खिलाफ हमारी सरकार सख्त है। प्रियंका ने यह भी कहा कि पीड़िता की बहन ने बार-बार पुलिस और अधिकारियों से न्याय की मांग की, लेकिन हर बार उन्हें निराशा हाथ लगी। इस स्थिति में, प्रियंका गांधी ने यह सुनिश्चित करने की बात की कि अपराधियों को सजा मिले और पीड़िता के परिवार को जल्द से जल्द न्याय मिले। उन्होंने कहा कि, 'जब एक बच्ची अकेले अपने मुकदमे के लिए एक से दूसरे जिले तक यात्रा करती है, तो यह हमारे समाज की मानसिकता को दर्शाता है। यह लड़ाई सिर्फ उस लड़की की नहीं, बल्कि देश की हर बेटी की है, और हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम उसे न्याय दिलाने के लिए कदम उठाएं।'

## संक्षिप्त

### पेड़ से टकराई कार डॉक्टर दंपती घायल

**खूंटी।** तोरपा थाना क्षेत्र के चुरगी गांव के पेट्रोल पम्प के पास शुक्रवार को लगभग तीन बजे हुई सड़क दुर्घटना में रेफरल अस्पताल तोरपा की चिकित्सक डॉ दीप्ति नूतन तोपनो(50 वर्ष) तथा उनके पति डॉ निरल सांगा(55 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गये। दोनों अपनी वैगन आर कार से रांची से रेफरल अस्पताल तोरपा जा रहे थे। कार निरल सांगा चला रहे थे। शुक्रवार को डॉ दीप्ति की अस्पताल में नाइट ड्यूटी थी। वे अपने पति के साथ ड्यूटी जा रहे थे। जानकारी के अनुसार अस्पताल आने के क्रम में चुरगी पेट्रोल पम्प के पास सामने से एक ट्रक अचानक सामने आ गया। उसे बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गयी, जिसमें दोनों घायल हो गये। सूचना पाकर रेफरल अस्पताल के कर्मी एम्बुलेंस से तुरंत घटनास्थल पहुंचे और डॉ दीप्ती को अस्पताल लाया गया, लेकिन उनके पति डॉ निरल सांगा कार में फंस गये। उनका पैर दब गया था।

### ओवरलोडिंग रोकने के उद्देश्य से चला अभियान

**रामगढ़।** रामगढ़ जिले में परिवहन व्यवस्था को सुगम बनाने और ओवरलोडिंग परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से डीसी चंदन कुमार के निर्देश पर डीटीओ मनीषा वत्स ने सघन छापेमारी अभियान चलाया। जांच के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी मनीषा वत्स के जरिये भारी मालवाहक वाहनों व अन्य वाहनों का आरसी बुक, फिटनेस, प्रदूषण एवं ड्राइविंग लाइसेंस, ओवरलोडिंग के साथ - साथ वाहनों पर लगाए जाने वाले रिफ्लेक्टिव टेप की भी जांच की । उन्होंने शुक्रवार को बताया गया कि दो दिनों के जांच के दौरान कुल 30 से 35 बड़े वाहनों की जांच की गई। इसमें 15 वाहनों के कागजात अधूरे पाए गए। उन सभी वाहनों के चालकों से नियम संगत जुमार्ना की वसूली की गई। इसमे लगभग कुल 422153 रुपया जुमार्ना वसूल किया गया। उन्होंने बताया की जांच के दौरान 15 बड़ी वाहनों का पेपर फेल, फिटनेस फेल, टैक्स फेल, ओवरलोड, ओवरहाइट एवं रिफ्लेक्टिव टेप नही लगा होने के कारण लगभग 422153 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

### डीएवी स्कूल में नेत्र जांच शिविर का आयोजन

**बेड़ो।** विनय बगीचा स्थित डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को रामकृष्ण मिशन मोराबादी के द्वारा स्वामी शुखमयानंद जी के नेतृत्व में नेत्र जांच शिविर और बच्चों के बीच वार्षिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नेत्र जांच में साठ बच्चों का टेक्नीशियन गोविंद कुमार के द्वारा आंख जांच किया गया जिसमें छः बच्चों का दृष्टि दोष पाया गया जिन्हें रामकृष्ण मिशन के द्वारा ही मुफ्त में चश्मा बनाकर दिया जाएगा। वही सभी बच्चों को विटामिन ए की गोली दी गई। स्वामी शुखमयानंद जी ने बच्चों को आंखो की स्वस्थ रखने के लिए गाजर और हरी शब्जी खाने की सलाह दी। रामकृष्ण मिशन द्वारा वार्षिक प्रतियोगिता का आयोजन भी कक्षा सात के विद्यार्थियों के बीच किया गया।

## 25 दिसंबर से शुरू होगी धान अधिप्राप्ति

# बिचौलियों से रहें सावधान : डीसी

**कहा**

**धान अधिप्राप्ति केंद्र पर ही किसान करें धान की बिक्री**

**प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि**

**रामगढ़।** रामगढ़ जिले में खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के तहत 25 दिसंबर से धान अधिप्राप्ति का कार्य शुरू होना है। शुक्रवार को डीसी चंदन कुमार ने बताया कि धान अधिप्राप्ति के दौरान बिचौलिए भी काफी सक्रिय हो जाते हैं।

लेकिन किसानों को सावधान रहने की आवश्यकता है। उन्होंने जिले के किसानों से अपील करते हुए कहा है कि वे किसी भी हालत में बिचौलियों से सावधान रहे एवं अपने नजदीकी धान अधिप्राप्ति केंद्र पर ही धान की बिक्री करें। साथ ही उन्होंने जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को विभिन्न माध्यमों का इस्तेमाल करते हुए सभी किसानों को इसके प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया है। इस वर्ष किसानों से क्रय किए जाने वाले धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपए प्रति क्विंटल के दर से निर्धारित है। बोनस के रूप में प्रति क्विंटल 100 रुपए भी दिए जाने हैं। इस तरह प्रति क्विंटल धान के लिए किसानों को 2400 रुपए का भुगतान किया जाएगा। वहीं धान की बिक्री करते ही 50 फीसदी राशि तत्काल रूप से पीएफएमएस के माध्यम से किसानों को भुगतान कर दी जाएगी। रामगढ़ जिले में धान अधिप्राप्ति कार्य के लिए अलग-अलग प्रखंडों में कुल 24 पैक्स केंद्र बनाए गए हैं। गोला प्रखंड में पांच, चितरपुर प्रखंड में तीन, रामगढ़ प्रखंड में दो, दुलमी प्रखंड में पांच, पतरातू प्रखंड में चार एवं मांडू पांच पैक्स के केंद्रों को चिन्हित किया गया है।

### खूंटी में खेलकूद प्रतियोगिता कल

**खूंटी।** एकल अभियान अंचल खूंटी, खेलेगा भारत खिलेगा भारत और अभ्युदय यूथ क्लब द्वारा 15 दिसंबर रविवार को अंचल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय महादेव मंडा मैदान में किया जाएगा। खेलकूद प्रतियोगिता में सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से चयनित वनवासी बच्चे प्रतिभागी होंगे। खेलकूद प्रतियोगिता सुबह दस से शुरू होगी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वीणा शर्मा और विशिष्ट अतिथि श्रीपाल चन्द्र जैन फेमिली प्लानिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष खूंटी होंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गठित टीम में वीणा शर्मा , भीम सिंह , रूकमिला सारू, मदन मोहन मिश्रा, बालमुकुंद कश्यप, ज्योतिष भगत, मनोज कुमार राजकुमार जयसवाल सहित अन्य को शामिल किया गया है।

## महिला ने फांसी लगाकर दी जान, पिता ने परिजनों पर हत्या का लगाया आरोप

**प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि**

**सिल्ली।** सिल्ली थाना अंतर्गत गोड़ाडीह के बांस टोला गांव में गुरुवार को एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सिल्ली पुलिस ने शव को कब्जे में ले कर शुक्रवार को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। बांस टोला निवासी मृतक के पति संतोष रजक ने बताया कि पत्नी रेखा देवी (27) नाश्ता करने के बाद आपने कमरे चली गई। काफी देर तक कमरे से नहीं निकलने पर जा कर देखा तो वह छप्पर के लकड़ी के सहारे फंदा लगाकर झूल गई थी। मृतका को एक 3 वर्ष का दूसरा 2 वर्ष की संतान है। दोनों बच्चे का रो रो कर बुरा हाल है। इधर मृतक रेखा के पिता बनता निवासी उमेश रजक ने सिल्ली थाना में एक लिखित आवेदन दे कर मृतका के पति संजय एवं उनके परिवार पर उनके बेटी को प्रताड़ित,मारपीट करने तथा हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया उनकी बेटी ने संजय के साथ प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद से ही परिजनों द्वारा उनकी बेटी को प्रताड़ित, मारपीट किया जाता था। बेटी को मायके भी जाने नहीं दिया जाता था। जिससे बेटी परेशान रहती थी। सिल्ली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## स्वास्थ्य सह रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन, लोगों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

**प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि**

**खूंटी।** भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी खूंटी और प्रखंड प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को अड़की प्रखंड में में स्वास्थ्य शिविर सह रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना और रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना था। कैंप का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी अड़की महेश कुमार महतो और रेड क्रॉस सोसाइटी खूंटी के अध्यक्ष किशोर कुमार गौंझू ने किया। शिविर में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान 10 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि ने रक्तदान को महान सेवा बताते हुए लोगों से नियमित रक्तदान करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्य कोषाध्यक्ष कैलाश कुमार नाग, राजेंद्र प्रजापति, निरंजन प्रसाद समेत अन्य उपस्थित थे।

## तोरपा के पांच केंद्रों में 18 दिसंबर से होगी धान की खरीदारी : बीडीओ

**प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि**

**खूंटी।** तोरपा के प्रखंड विकास पदाधिकारी नवीन कुमार झा ने कहा कि तोरपा प्रखंड के पांच चिह्नित स्थानों पर किसानों से धान की खरीदारी की जाएगी।

बीडीओ शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय के सभागार में आयुष्मान भारत कार्ड महाअभियान तथा धान अधिप्राप्ति की तैयारी की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में बीडीओ ने इसको लेकर अधिकारियों कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। धान अधिप्राप्ति के संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि यह कार्यक्रम 15 दिसंबर से प्रखंड के पांच चिह्नित स्थानों पर धान की अधिप्राप्ति की जायेगी। लैम्प्स या पैक्स के अध्यक्ष, सचिव के माध्यम से धान अधिप्राप्ति की जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि इस वर्ष राज्य सरकार के जरिये निर्गत संकल्प के आधार पर 2400 रुपये प्रति क्विंटल बोनस सहित क्रय मूल्य निर्धारित किया गया है। सभी चिह्नित केंद्रों में इसी मूल्य पर धान की खरीदारी की जायेगी। किसानों को किसी बिचौलिए का सहारा नही लेना है। बैठक में उन्होंने कहा कि सभी निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि राज्य सरकार की इस किसान हितकारी योजना से से सभी किसानों को अवगत कराएं और उन्हें उनके परिश्रम का सही मूल्य मिले , इसका प्रयास करें। किसान को बिचौलिए से बचायें। उन्होंने जानकारी दी कि तोरपा प्रखंड में तोरपा, अम्मा, सुन्दारी, तपकरा लैम्पस तथा तोरपा महिला कृषि बागवानी स्वावलम्बी सहकारी समिति लि के माध्यम से धान अधिप्राप्ति की जायेगी। इस वर्ष हमें अधिक से अधिक किसानों का इस योजना के अधीन निंबंधन करना है तथा पूर्व से निबंधित किसानों का सत्यापन भी करना है। बैठक में बीडीओ नवीन कुमार झा ने आयुष्मान भारत कार्ड बनाने को लेकर अवश्य दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत कार्ड निर्माण महाअभियान की शुरूआत 18 दिसम्बर से होनी है। इसके अंतर्गत प्रत्येक कार्डधारी को इस योजना से आच्छादित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सर्वप्रथम प्रत्येक राशन कार्डधारी के राशन कार्ड में त्रुटि सुधार की जाएगी। साथ ही आधार कार्ड में यदि कोई प्रविष्टि में सुधार आवश्यक है, तो वह भी किया जाएगा। इसके बाद राशन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक किया जाएगा, ताकि दोनों में लाभुकों के नाम आदि में कोई अंतर न हो। इसके बाद सभी योग्य लाभुकों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कार्य के लिए प्रखंड स्तर पर वन स्टॉप सेंटर बनाया जाएगा, जहां आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा।

# घास और झाड़ियों से घिरा इटकी यक्ष्मा आरोग्यशाला

- प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है आरोग्यशाला की हालत

**प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि**

**इटकी ।** इटकी यक्ष्माआरोग्यशाला में करोड़ों के दर्जणों वार्ड विभागीय उपेक्षा के कारण घांस और झाड़ियों बीच घिर आये है।

भवन निर्माण विभाग हमेशा एक दो सालों के अंतराल में करोड़ों खर्च कर वार्ड के भवनों का उन्नयन कर स्वास्थ्य विभाग को सौंपती देती है किन्तु आरोग्यशाला प्रशासन द्वारा भवनों को उपयोग में नही लाने और देखरेख के अभाव के कारण कुछ ही समय पर भवन जर्जर अवस्था में पुनः पहुंच जाते है। वर्ष 2021-22 में कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग प्रमंडल संख्या दो द्वारा 7,29,05600 करोड़ की लागत डीबी वार्ड ,डब्ल्यू -डब्ल्यू वार्ड,नर्स होस्टल , न्यू फेमल वार्ड ,अत्याधुनिक रसोई घर और प्रशासनिक भवन का उन्नयन किया गया था। मानव संसाधन के अभाव में आरोग्यशाला प्रशासन ने उक्त प्रमुख वार्डो को भी बंद कर दिया है। वही मरीजों को भर्ती लेने में भी भारी कटौती कर रखा है। मरीजों के भर्ती नही होने के कारण कई वार्डों को बंद पड़े है। इनमें आरोग्यशाला प्रशासन ने 100 बेड की क्षमता वाली महिला वार्ड, 52 बेड की डीबी वार्ड, 26 बेड का डब्ल्यू डब्ल्यू वार्ड, 34 बेड की लोवर सी वार्ड और ए वार्ड सहित कई वार्डों शामिल है। स्वच्छ वतावरण और चिकित्सा सेवा में विख्यात राज्य का एक मात्र इटकी यक्ष्मा आरोग्यशाला का इन दिनों सरकार की उपेक्षा और स्वास्थ्य विभाग के अनदेखी दंस झेल रहा है। दिन प्रति दिन आरोग्यशाला की हलात विगड़ती जा रही है। आरोग्यशाला प्रशासन द्वारा बार बार पत्राचार के बावजूद राज्य सरकार की स्वास्थ्य विभाग यहां बिगड़ते हालत के प्रति किसी प्रकार का संज्ञान अबतक नही लिया है।

## जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण

**खूंटी।** उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर शुक्रवार को जिले के अड़की प्रखंड के पिस्का हातु आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन सिंह ने किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में चल रही योजनाओं की प्रगति, सेवाओं की गुणवत्ता और बच्चों को दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। कल्याण पदाधिकारी ने उक्त आंगनबाड़ी केंद्र को मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र के रूप में भी विकसित करने के संबंध में चर्चा की। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को दिए जा रहे पोषण आहार, टीकाकरण, साफ-सफाई और शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने केंद्रों पर उपलब्ध पोषण आहार की गुणवत्ता और वितरण प्रक्रिया की जांच की और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी बच्चों को समय पर पोषक तत्वयुक्त भोजन मिले। उन्होंने गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को प्रदान की जा रही सेवाओं की भी जानकारी ली और उन्हें जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने कहा कि सरकार की योजनाओं का सही तरीके से क्रियान्वयन सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। प्रखंड स्तर में आंगनबाड़ी सेविकाओं को पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम पर दिए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी जायजा लिया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य तीन से छह वर्ष तक के बच्चों को पोषण के अतिरिक्त उन्हें रोचक तरीके से प्रशिक्षण देना था।

## चचगुरा विद्यालय की ग्रीन गाइड टीम नेशनल स्टूडेंट इनोवेशन चैलेंज प्रतियोगिता के फाईनल में

**प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि**

**इटकी।** प्रखण्ड के चचगुरा राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय के ग्रीन गाईड टीम के विद्यार्थियों ने नेशनल स्टूडेंट इन्नोवेशन चैलेंज 2024 - 25 के आठवें संस्करण के सेमीफाईनल में शानदार प्रदर्शन कर फाइनल में अपना जगह बना लिया है।

बेंगलुरु में आगामी फरवरी माह 2025 में ईविद्यालोका व एलटीआई माइंड ट्री के द्वारा आयोजित नेशनल स्टूडेंट इन्नोवेशन चैलेंज के फाईनल में भाग लेंगे। जिसका प्रतिनिधित्व चचगुरा विद्यालय के कक्षा आठ के सुशांत कुमार और कक्षा सात के सोनी कुमारी करेगी। छात्रों ने गांव को प्लास्टिक मुक्त कैसे बनाया जाए, इस प्रोजेक्ट पर ऑन लाईन कार्य किया था। नेशनल स्टूडेंट इन्नोवेशन चैलेंज 2024 - 25 के आठवें संस्करण में देश के लगभग 15 राज्यों के बच्चों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इस प्रोजेक्ट के लिए प्रतिनियुक्त मेंटर के रूप में कविता अवधानी के द्वारा बच्चों को प्रोजेक्ट के लिए विभिन्न सुझाव और जमीनी स्तर पर कैसे काम करना है ? यह समझाया गया था। कक्षा सहायक के रूप में महादेव सिंह ने बच्चों की मदद की थी। विदेशों में रह रहे भारतीय एनआरआई इस प्लेटफार्म पर जुड़कर ऑनलाइन बच्चों को क्लास देते हैं।पूरे भारत में 400 टीमों ने रजिष्ट्रेशन कराया जिसमें 250 टीमों ने प्रतियोगिता के लिए प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। जिनमें 34 टीम प्रतियोगिता के लिए चयन किये गये।

## खूंटी में शत प्रतिशत लोगों का आयुष्मान कार्ड निर्माण करना है: ज्योति कुमारी

**प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि**

**खूंटी।** जिले में शत प्रतिशत आयुष्मान भारत कार्ड निर्माण करने के लिए 18 से 25 दिसंबर तक विशेष महाअभियान चलाया जाएगा। अभियान को सफल बनाने के लिए उपायुक्त लोकेश मिश्रा के जरिये सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को खूंटी की प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी ने प्रखंड कार्यालय में बैठक कर अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने खूंटी प्रखंड में शत प्रतिशत आयुष्मान भारत कार्ड निर्माण सुनिश्चित कराने को लेकर एमओआइसी, बीएसओ, प्रखंड प्रमुख, मुखिया एवं सभी राशन डीलरों से लाभुकों को चिह्नित करने और उन्हें जागरूक करने को कहा। बीडीओ ने कहा कि इस अभियान के दौरान लोगों को आयुष्मान भारत योजना के लाभों की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों का कार्ड बनाना सुनिश्चित करें। अभियान का उद्देश्य सभी पात्र लोगों तक इस योजना का लाभ पहुंचाना है।

## झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के पदाधिकारियों ने घायल छात्रों से की मुलाकात

**रामगढ़।** जेएलकेएम के रामगढ़ जिला मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो ने शुक्रवार को कहा की जेएसएससी और सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर हजारीबाग जिला में छात्र शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे थे। कहा पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत छात्र मटवारी गाँधी मैदान से होते हुए आगे बढ़ रहे थे । कोर्रा पुलिस साथ साथ चल रही थी। शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे छात्रों पर लाठी चार्ज किया गया। रमेश ने कहा की जिला नियंत्रण कक्ष से शहर में लगे सीसीटीवी कैमरे से छात्रों के विरोध प्रदर्शन की मॉनिटरिंग की जा रही थी। इस आंदोलन में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा हजारीबाग के प्रत्याशी उदय मेहता, बरकट्ठा विधानसभा के प्रत्याशी महेंद्र मंडल , केंद्रीय सचिव संजय महतो तथा अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हुए। उन्होंने बताया की घायलों को देखने वस्तु स्थिति से अवगत होने के लिए रामगढ़ जिला से जिला मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो, पूर्व कोषाध्यक्ष गिरीशंकर महतो, श्याम सुंदर महतो, सक्रिय सदस्य राजू बेदिया, सहदेव महतो के अलावा दर्जनों लोगों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन में घायल लोगों से मुलाकात कर हाल-चाल जाना तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना किये ' बताया की झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो ने भी शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे घायल छात्रों पर अपना दुख प्रकट किया है। छात्रों के सपने टूट रहे हैं, सपने नेस्तनाबूत हो जा रहे हैं, जो उचित नही है।

# युवा महोत्सव में खिलाड़ियों का रहा जलवा

- डीसी-एसपी ने सिखाया अनुशासन का पाठ

**प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि**

**रामगढ़।** स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाएगा। इस मौके पर दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा महोत्सव की तैयारी भी शुरू हो गई है। शुक्रवार को रामगढ़ जिले में भी युवा महोत्सव में खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया।

यहां खिलाड़ियों ने कमाल का प्रदर्शन किया। जिला स्तर पर युवा महोत्सव की शुरूआत डीसी चंदन कुमार और एसपी अजय कुमार ने शहर के मैक्स बीएड कॉलेज में किया। इस दौरान उपस्थित सभी को संबोधित करते हुए डीसी चंदन कुमार ने सर्वप्रथम सभी को जिला स्तरीय युवा महोत्सव के आयोजन की शुभकामनाएं दी। उपायुक्त में सभी को देश के विकास में युवाओं के महत्वपूर्ण योगदान के प्रति जानकारी देते हुए सभी के साथ स्वयं के अनुभवों को साझा किया। उपायुक्त ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए यह सबसे जरूरी है कि आप निरंतर मेहनत करें। अगर आप सभी किसी भी क्षेत्र को चिन्हित कर लगातार उस दिशा में मेहनत करेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। मौके पर उपायुक्त ने सभी को अपने मित्र सोच समझ कर बनाने एवं अच्छी संगत में रहने पर जीवन में आने वाली सफलताओं के प्रति जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने सभी से नशे से सावधान रहने को कहा।

महोत्सव के समापन समारोह में पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने सभी को संबोधित करते हुए जीवन में सफल होने के लिए कठिन परिश्रम करने एवं अनुशासन के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का संदेश दिया। इस दौरान उप विकास आयुक्त रॉबिन टोप्पो ने सभी को जिला स्तरीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव के माध्यम से कुछ नया सीखने एवं हार या जीत से बिना प्रभावित हुए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान जिला खेल पदाधिकारी के द्वारा सभी को जिला स्तरीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव की जानकारी दी गई। साथ ही उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव के विजई प्रतिभागियों को प्रमंडल स्तरीय राज्य, राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में रामगढ़ जिला का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव के दौरान कहानी लेखन में रानी कुमारी ने प्रथम, संदीप कुमार ने द्वितीय एवं एलिस तिर्की ने तृतीय, कविता लेखन में आद्या उपाध्याय ने प्रथम रौनक कुमार ने द्वितीय एवं किशन आनंद ने तृतीय, भाषण प्रतियोगिता में रवि शंकर ने प्रथम खुशबू कुमारी ने द्वितीय रेशम सिंह ने तृतीय, मोबाइल फोटोग्राफी में नेहा कुमारी ने प्रथम, आकाश कुमार ने द्वितीय एवं नवीन कुमार ने तृतीय, पेंटिंग प्रतियोगिता में सतीश कुमार ने प्रथम, अमन कुमार ने द्वितीय एवं प्रियांशी कुमारी ने तृतीय, सामूहिक साइंस मेला प्रदर्शनी में स्वाति एवं ग्रुप ने प्रथम, सपोर्ट पब्लिक स्कूल ने द्वितीय, अपग्रेड उच्च विद्यालय ने तृतीय, साइंस मेला एकल प्रदर्शनी में आर्यन कुमार ने प्रथम, अरुण कुमार महतो ने द्वितीय, रविंद्र कुमार ने तृतीय, एकल लोक नृत्य में रूही कुमारी ने प्रथम, एंजेल गौरी ने द्वितीय एवं साक्षी कुमारी ने तृतीय, सामूहिक लोक नृत्य में श्री अग्रसेन डीएवी पब्लिक स्कूल ने प्रथम, मैक्स इंस्टीट्यूट आफ टीचर ट्रेनिंग कॉलेज ने द्वितीय एवं महर्षि परमहंस कॉलेज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सामूहिक लोकगीत में अंकित एवं ग्रुप ने प्रथम, प्रिया एवं ग्रुप में द्वितीय, मैक्स इंस्टीट्यूट आफ टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज ने तृतीय, एकल लोकगीत में अर्पिता ने प्रथम, जीनत परवीन ने द्वितीय एवं जुगल उरांव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिला स्तरीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव के दौरान कुल 11 प्रतियोगिताओं में 450 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

## सब जूनियर नेशनल कराटे चैंपियनशिप में अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे रामगढ़ के खिलाड़ी

**रामगढ़।** दिल्ली में आयोजित होने वाले सब जूनियर नेशनल कराटे चैंपियनशिप में रामगढ़ के खिलाड़ी भी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा केआईओ इंटर जोनल कराटे चैंपियनशिप में भी हिस्सा लेकर झारखंड और रामगढ़ जिले का नाम रोशन करेंगे। इस टीम के मैनेजर के रूप में चंद्र प्रकाश उपाध्याय, रवि कुमार, और कमल नायक को जिम्मेदारी सौंपी गई है। चंद्र प्रकाश उपाध्याय झारखंड की ओर से इसी प्रतियोगिता के इंटर-जोनल कराटे चैंपियनशिप में भी भाग लेंगे। जिला के कराटे खिलाड़ी, झारखंड कराटे टीम के प्रतिनिधित्व में, स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन ऑफ झारखंड के बैनर तले शुक्रवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इनमें दृशा प्रधान, त्रिशा, अविक कुमार, कनिष्का सिंह, राघव शाह, अंश कुमार सिंह, युक्ता राज, अंश कुमार, शिफाली चौधरी, आदित्य सिन्हा, तेजसदीप सिंह, प्रिंस कुमार, काशवी मेहता, विहान कश्यप, मंदाकिनी यादव, अर्पिता कुमारी मिश्रा और रितेश कुमार शामिल हैं। रामगढ़ जिला कराटे संघ के अध्यक्ष, है सिंहान नरेंद्र सिन्हा, महासचिव सिंहान शशि पांडे और रेफरी कमीशन चेयरमैन सेंसेई संजय सोनकर और सुमित कुमार ने खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सेंसेई शशि पांडे (कोच), सुमित कुमार, बिनय रंजन, राहुल पांडे, रूपेश कुमार, बिपिन तिवारी, चंदन साहनी और अन्य वरिष्ठ कराटे खिलाड़ियों ने भी टीम को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# उग्रवादियों का सेंदरा करने वाले ग्रामीणों को फंसा सकती है हेमंत सरकार : डॉ राय

**प्रातः नागपुरी संवाददाता**

**रांची।** भाजपा कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ रविंद्र कुमार राय ने हेमंत सरकार पर निशाना साधा। डॉ राय ने कहा कि बड़े परिश्रम से भाजपा सरकार ने राज्य में उग्रवाद पर नकेल कसा था। उग्रवादी संगठन पर कार्रवाई के कारण या तो उनलोगों ने आत्म समर्पण किया या केंद्रीय सुरक्षा बलों की गोलियों के शिकार हुए। उनके दुरूह कैंप ध्वस्त किए गए थे। पहाड़ों जंगलों को छोड़ वे राज्य से बाहर अन्यत्र जाने को मजबूर हुए थे। वे 13 दिसंबर को प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बात कर रहे थे।

**उग्रवादी फिर से उठाने लगे सिर, राज्य सरकार जनता को कर रही भयभीत**

डॉ राय ने कहा कि हाल के दिनों में राज्य के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, चतरा आदि में घटी घटनाओं ने यह अहसास करा दिया है कि राज्य फिर से जंगलराज की चपेट में आ रहा है। राज्य गठन के पूर्व बिहार के समय में उग्रवादी झारखंड क्षेत्र में अपनी शरण लेते थे। राज्य के सांसद, विधायक, पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे सहित आम आदमी की हत्या, खुलेआम लेवी वसूली, लगातार बंदी का आह्वान, उद्योग कर्मियों, व्यवसायियों से मोटी रकम की वसूली एक सामान्य बात हो गई थी।

कार्यकारी अध्य।क्ष ने कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार ने इसपर कड़ाई से निपटने के सार्थक प्रयास किए थे। उसके अच्छे परिणाम भी निकले। आज फिर वैसे दृश्य का ट्रेलर दिखाई पड़ने लगा है। राज्य की ग्रामीण जनता आत्म रक्षार्थ शस्त्र उठाने को मजबूर है। लोग ऐसे उग्रवादियों का सेंदरा करने को मजबूर हैं। लोग रात रात भर फिर से जाग कर अपने जानमाल की सुरक्षा कर रहे।

डॉ राय ने कहा कि ऐसे में यह आशंका प्रबल हो गई है कि यह सरकार अपना चेहरा छुपाने के लिए ग्रामीणों पर कार्रवाई करेगी। उन्हें मुकदमों में फंसाया जाएगा। राज्य की विधि व्यवस्था पर नई सरकार केवल छलावा लेकर आई है। जनता को सुरक्षा देने के बजाय डरा रही है।

कार्यकारी अध्य क्ष ने कहा कि हेमंत सरकार पहली ऐसी निकम्मी और भयग्रस्त सरकार है, जिसने राज्य में 24 असुरक्षित सड़कों की घोषणा की है। सरकार और पुलिस प्रशासन स्तर से ऐसी घोषणाएं ध्वस्त विधि व्यवस्था का जीता जगता उदाहरण है।

डॉ राय ने कहा कि उग्रवादी बालू घाट, छोटे छोटे माइंस, कोयला, पत्थर से वसूली के लिए फिर से जनता, व्यवसायों को भयभीत कर रहे। उन्होंने राज्य सरकार से विधि व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मांग की। प्रदेश में कानून का राज स्थापित हो। इसे प्राथमिकता सूची में राज्य सरकार रखे।

प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज उपस्थित थे।

## संक्षिप्त

### कोयला कामगारों को वीडीए मिलेगा 20.1 फीसदी

**रांची।** कोयला कामगारों को 20.1 फीसदी परिवर्तनशील महंगाई भत्ता मिलेगा। यह 1 दिसंबर, 2024 से प्रभावी होगा। इसका आदेश कोल इंडिया ने 12 दिसंबर, 2024 को जारी किया। इसका असर करीब ढाई लाख कामगारों पर पड़ेगा।

कोल इंडिया के महाप्रबंधक गौतम बनर्जी ने इसकी जानकारी सभी सहायक कंपनियों के सीएमडी को दी है। नया वीडीए कोल इंडिया और देश भर में स्थित उसकी सहायक कंपनियों में लागू किया जाएगा। इसका प्रभाव यहां कार्यरत करीब ढाई लाख से अधिक कामगारों पर पड़ेगा।

जानकारी के मुताबिक हर तीन महीने में कामगारों के वीडीए में बदलाव किया जाता है। कामगारों को वीडीए 20.1 प्रतिशत मिलेगा। नया वी?डीए 1 दिसंबर, 2024 से प्रभावी होगा। यह 28 फरवरी, 2025 तक के लिए प्रभावी रहेगा।

### राष्ट्रीय लोक अदालत आज, 300 बेंचों का गठन

**रांची।** राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 दिसंबर 2024 को होगा। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद पूरे राज्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम का ऑनलाईन उद्घाटन करेंगे। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में राज्य के सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकारों द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। पूरे राज्य में राष्ट्रीय लोक अदालत के 300 बेंचों का गठन किया गया है। उद्घाटन के दौरान न्यायमूर्ति के द्वारा राज्य स्तर पर अभासी रूप से 1030 नई विधिक सेवा केन्द्रों एवं 90 दिन का जागरुकता एवं आउटरीच कैम्पेन का भी प्रमोचन किया जायगा। झालसा के निर्देश पर सभी जिलों में डालसा के द्वारा 10 लाख से अधिक पक्षकारों को नोटिस भेजा गया है। वर्ष 2024 का यह अंतिम लोक अदालत है। इससे पूर्व मार्च, मई, सितंबर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया था। नालसा द्वारा जारी प्रपत्र के अनुसार झारखंड वर्ष, 2024 के तृतीय लोक अदालत में पूरे भारत वर्ष में दूसरे स्थान पर रहा है।

इस राष्ट्रीय लोक अदालत में अपराधिक सुलहनीय, सिविल, वैवाहिक, वन, उत्पादन, माप-तौल, रेवेन्यू, रेलवे, बैंक इत्यादि के मामलों का निस्तारण किया जाएगा।

### मध्यस्थता अभियान के चौथे दिन 13 मामलों में मिली सफलता

**रांची :** व्यवहार न्यायालय, रांची स्थित मध्यस्थता केंद्र में पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान के चौथे दिन परिवार न्यायालय एवं विभिन्न न्यायालयों से कुल 59 (उनसठ) मामले अग्रसारित होकर मध्यस्थता केन्द्र में प्राप्त हुए थे, जिन्हें भिन्न-भिन्न मध्यस्थों को सुपुर्द किया गया, जिनमें कुल 13 (तेरह) मामलों में सफलता मिली और दोनों पक्ष राजी-खुशी से अपने मामले को समाप्त करने के लिए तैयार हो गये। अन्य मामलों में अभी अंतिम स्तर की बात-चीत बाकी है, इसलिए वे मामले विशेष मध्यस्थ के पास अगले स्तर के सुनवाई के लिए लंबित है। मालूम हो कि पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान का आज चौथा दिन था और यह दिनांक 13.12.2024 तक चलेगा, उक्त तिथि तक वादकारी अपने वादों को मध्यस्थता के माध्यम से निबटा सकते हैं।

### सीसीएल ने लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

**रांची :** रांची के कांके नगड़ी बस्ती में जन आरोग्य केंद्र, सीसीएल द्वारा एक नि:शुल्क लेप्रोसी (चर्म रोग) सहित अन्य बिमारियों को लेकर जाँच शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 175 मरीजों की जाँच की गयी और उन्हें नि:शुल्क चिकित्सीय सलाह दी गई। शिविर में विशेषकर चर्म रोग, हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, हाइपरटेंशन इत्यादि का नि:शुल्क जाँच किया गया। ज्ञात हो कि सीसीएल देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कोयला उत्पादन के साथ-साथ अपने कर्मियों एवं हितधारकों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए इस तरह का नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन समय-समय पर करते रहती है।

# राजधानी रांची का किया जाएगा सुंदरीकरण एवं विकास : सचिव

**प्रातः नागपुरी संवाददात**

**रांची।** नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने राजधानी रांची को उसके नाम एवं गरिमा के अनुरूप विकसित करने का निर्देश जुडको को दिया है।

प्रधान सचिव ने शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन स्थित कार्यालय कक्ष में इस संबंध बैठक की। जुडको की ओर से पहले चरण में कचहरी चौक और उपायुक्त कार्यालय के आसपास के इलाकों की सुदंरीकरण एवं विकास के लिए तैयार किये गये खाका का प्रस्तुतिकरण प्रधान सचिव के समक्ष किया गया। प्रधान सचिव ने प्रस्तुतिकरण देखने के बाद कहा कि कचहरी चौक की ही तरह शहर के अन्य प्रमुख क्षेत्रों के विकास एवं सौंदर्यीकरण से संबंधित प्रस्ताव जल्द तैयार किया जाये।

शहर के प्रमुख केंद्र कचहरी क्षेत्र में विभिन्न सरकारी कार्यालय है, जिससे यातायात का भारी दबाव रहता है। इसे सुगम बनाने के लिए समेकित विकास के प्रस्तावों का

- पहले चरण में कचहरी चौक इलाके का किया जाएगा पुनर्विकास
- क्षेत्रवार विकास और सुंदरीकरण के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

प्रस्तुतिकरण किया गया। वर्तमान में मौजूद सड़कों का चौड़ीकरण, सुंदरीकरण, फुटपाथ का निर्माण और ड्रेनेज प्रणाली और लाइटिंग का प्रावधान कर इस परिक्षेत्र को आकर्षक बनाया जायेगा। इसके तहत उपायुक्त कार्यालय, आयुक्त कार्यालय के आगे पीछे, आयुक्त कार्यालय से लाइन टैंक तालाब, शारदा बाबू लेन सहित अन्य संपर्क पथों को समेकित विकास की योजना तैयार की गयी है।

प्रधान सचिव ने निर्देश दिया कि जो भी सरकारी खाली जमीन और पुराने सरकारी भवन हैं, उनकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उनके समक्ष प्रस्तुत किया जाये। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में 24 घंटे आमलोगों को उपलब्ध होने वाली जनसुविधाओं का उल्लेख किया जाये। वाकिंग मार्केट, पार्क, पौधरोपण और लाइटिंग का प्रावधान किया जाये, जिससे शहर की हृदयस्थली में बसे इस कचहरी क्षेत्र का दृश्य खूबसूरत दिखे।

प्रधान सचिव ने शहर में बेतरतीब ढंग से फैले विद्युत तारों को उर्जा विभाग के साथ तालमेल कर सुव्यवस्थित कराने का निर्देश दिया। एलपीएन शाहदेव चौक से कांके मार्ग के सुंदरीकरण पर रिपोर्ट बनाने के लिए कहा।

जुडको द्वारा तैयार किये गये कचहरी परिक्षेत्र के प्रस्तुतिकरण को देखकर प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए राजधानी के अन्य इलाकों अलबर्ट एक्का चौक, लालपुर चौक, डंगराटोली चौक, बरियातु और रिम्स चौक, सुजाता चौक, शहीद चौक, करमटोली, मोरहाबादी और अन्य सभी प्रमुख चौक चौराहों के सुंदरीकरण का काम जोन में बांट कर प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया।

प्रस्तुतिकरण के दौरान जुडको के परियोजना निदेशक (तकनीकी) गोपाल जी, महाप्रबंधक विनय कुमार, परियोजना प्रबंधक शितांशु वैभव, उप परियोजना प्रबंधक प्रत्युष आनंद और सुशांत सिन्हा उपस्थित थे।

## उपायुक्त ने किया शहर अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण

- बायोमेट्रिक पंजी से कर्मियों के आगमन-प्रस्थान का देखा समय
- दाखिल-खारिज के लंबित मामलों का ससमय निष्पादन का निर्देश

**प्रातः नागपुरी संवाददात**

**रांची।** सभी कर्मचारी कार्यालय समय से आएं। बायोमेट्रिक हाजिरी बनाना सुनिश्चित करें। आवेदन स्वीकृति के बाद ही अवकाश पर जाएं। कार्यालय को साफ रखें। दाखिल- खारिज मामलों के निष्पादन में तेजी लाएं। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने उक्त निर्देश शहर अंचल कार्यालय में सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों को दिए।

उपायुक्त ने 13 दिसंबर, 2024 को संध्या समय शहर अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। सर्वप्रथम उपायुक्त ने कार्यालय में उपस्थित कर्मियों की उपस्थिति पंजी और बायोमेट्रिक उपस्थिति की जांच की। कार्यालय में अनुपस्थित पाए गए एक लिपिक एवं राजस्व कर्मचारी को शो-कॉज करने का निर्देश उपायुक्त ने दिया।

उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री ने अंचल अधिकारी मुंशी राम से दाखिल-खारिज के लंबित मामलों की जानकारी ली और पंजी- 2 के परिशोधन पोर्टल के कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने अंचल कार्यालय परिसर का भ्रमण किया। उन्होंने अंचल अधिकारी को कार्यालय के आधारभूत संरचना को अधिक सुदृढ़ बनाने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने सभी अंचल कर्मियों को दक्षता-पूर्वक और पूरी पारदर्शिता के साथ जन कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि सभी कर्मचारी समय से कार्यालय आएं। अपने कार्यालय को साफ-सुथरा रखें। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारियों के कार्यालय आगमन-प्रस्थान के समय की जांच बायोमेट्रिक हाजिरी से होगी।

## बरियातू क्षेत्र की जन वितरण प्रणाली दुकानों का निरीक्षण

प्रातः नागपुर संवाददाताब

**रांची।** उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निदेश पर विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी श्रीमती मोनी कुमारी ने रांची के बरियातू क्षेत्र की जन वितरण प्रणाली दुकानों का निरीक्षण 13 दिसंबर को किया।

वार्ड संख्या 1 और 9 के विभिन्न जन वितरण प्रणाली दुकानों का निरीक्षण करते हुए उन्होंने उपस्थित राशन कार्डधारियों से भी बातचीत की। कार्डधारियों द्वारा बताया गया कि प्रत्येक माह खाद्यान्न का वितरण ससमय हो रहा है। कुछ कार्ड धारी द्वारा चना दाल वितरण नहीं होने की बात कही गई।

इस पर विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी द्वारा संबंधित पीडीएस डीलर को चना दाल वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। श्रीमती मोनी कुमारी ने सभी पीडीएस डीलर को वर्तमान माह का खाद्यान्न वितरण जल्द से जल्द सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

## वन नेशन-वन इलेक्शन, संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ : झामुमो

**प्रातः नागपुरी संवाददात**

**रांची :** झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने केंद्र सरकार के जरिये प्रस्तावित 'वन नेशन, वन इलेक्शन' (एक देश, एक चुनाव) योजना की कड़ी आलोचना की है। झामुमो के महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने इसे संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ बताया। भट्टाचार्य शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का निर्णय भारत के संघीय ढांचे और संविधान की बुनियादी संरचना पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि इस योजना से भारत गणराज्य की लोकतांत्रिक परिकल्पना खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 368 का हवाला देते हुए कहा कि कोई भी संशोधन संविधान की मूलभूत संरचना को प्रभावित नहीं कर सकता।

इस योजना के लागू होने से संविधान के अनुच्छेद 333, जो न्यूनतम विधानसभा और कैबिनेट की संरचना तय करता है का उल्लंघन होगा।

सुप्रियो ने कहा कि राज्यों की स्वायत्तता और संघीय ढांचे पर 'वन नेशन, वन इलेक्शन' से आघात पहुंचेगा। यह योजना क्षेत्रीय दलों को खत्म करने और केंद्र सरकार की सत्ता को मजबूत करने की साजिश है।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने बताया कि 'मंईयां सम्मान योजना' की अगली किश्त, जो 2500 रुपये की है, 18 दिसंबर तक लाभार्थियों के खातों में स्थानांतरित की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि फॉर्म में कमियां पाए जाने पर उन्हें खारिज कर दिया जाएगा।

## हैकथॉन-2024 में विनर रही सरला बिरला विश्वविद्यालय की टीम

**प्रातः नागपुरी संवाददात**

**रांची।** सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) की टीम स्मार्ट इंडिया हैकथॉन-2024 के ग्रैंड फिनाले की विनर रही। प्रतियोगिता का आयोजन भारत सरकार ने 11 और 12 दिसंबर, 2024 को देश के विभिन्न नोडल केंद्रों पर किया था। एसबीयू ने आईआईटी जम्मू में जीत हासिल की।

विवि की हैकथॉन-2024 के डॉ. मनोज पांडे और आदित्य विक्रम वर्मा ने बताया कि सहायक शिक्षक रवींद्र नाथ के मार्गदर्शन में विजेता टीम में शशांक पांडेय, पलक पाठक, गौरव पात्रा, काजल लकड़ा, रानी श्री एवं सिद्धार्थ महतो शामिल थे। टीम को पुरस्कार स्वरूप एक लाख रुपए की राशि और खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये।

एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा, महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, कुलपति (प्रभार) श्रीधर बी. डांडीन, कुलसचिव प्रो. विजय कुमार सिंह एवं डीन इंजीनियरिंग डॉ. पंकज गोस्वामी ने एसबीयू की टीम की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों को बधाई दी।

# बीआईटी मेसरा : इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में स्थायी समाधानों पर हुई चर्चा

**प्रातः नागपुरी संवाददात**

**रांची।** बीआईटी, मेसरा के रासायनिक अभियंत्रण विभाग ने 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इमर्जिंग ट्रेंड्स इन केमिकल इंजीनियरिंग एंड एडवांस्ड मैटेरियल्स' का आयोजन किया है। यह 13 से 15 दिसंबर, 2024 तक चलेगा। इस आयोजन ने शोधकर्ता, शिक्षाविद, उद्योग विशेषज्ञ और छात्रों को एक मंच पर लाकर नवीनतम शोध प्रस्तुत करने, ज्ञान साझा करने और रासायनिक इंजीनियरिंग एवं उन्नत सामग्रियों में स्थायी समाधानों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान किया।

कॉन्फ्रें स का उद्घाटन 13 दिसंबर को हुआ। सम्मेलन के संयोजक प्रो. अखिल के. सेन ने विशिष्ट अतिथि और प्रतिभागियों का स्वागत किया। बीआईटी के कुलपति प्रो. इंद्रनील मन्ना ने संस्थान की शोध उत्कृष्टता

को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

मुख्य वक्ता सत्र में उद्योग और अकादमिक जगत के प्रमुख विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। आरडीसीआईएस, सेल के कार्यकारी निदेशक संदीप कुमार कर ने भारतीय लोहा और इस्पात उद्योग पर बहुमूल्य जानकारी दी। आईआईटी बॉम्बे के एमेरिटस फेलो प्रो. विनय ए. जुवेकर ने रासायनिक इंजीनियरिंग और सामग्रियों के क्षेत्र में नवीनतम प्रवृत्तियों पर अकादमिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

**कॉन्फ्रेंस में इन विषयों पर चर्चा**

- नवीकरणीय ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोगीकरण
- द्रव प्रवाह और माइक्रोफ्लुइडिक्स
- द्रव्यमान स्थानांतरण और नवीन पृथक्करण प्रक्रियाएं
- उन्नत उत्प्रेरक और प्रतिक्रिया अभियंत्रण
- उन्नत नैनो सामग्रियां
- पॉलिमर और कंपोजिट्स
- जैव प्रौद्योगिकी

सम्मेलन में पोस्टर प्रेजेंटेशन सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभाशाली शोधकताओं ने अपने नवाचार प्रस्तुत किए। विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श और उपयोगी प्रतिक्रिया का आदान-प्रदान हुआ। प्रमुख वक्ताओं के व्याख्यान और तकनीकी सत्रों में प्रसिद्ध शिक्षाविदों एवं उद्योग विशेषज्ञों ने अपने नवीनतम शोध साझा किए और स्थायी समाधानों की संभावनाएं तलाशीं।

यह आयोजन शोधकताओं, शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों को एक साथ लाने में पूरी तरह सफल रहा। कॉन्फ्रें स ने न केवल रासायनिक इंजीनियरिंग और उन्नत सामग्रियों में नई प्रवृत्तियों और स्थायी समाधानों पर चर्चा की, बल्कि सहयोग को बढ़ावा दिया। स्थायी प्रथाओं को प्रोत्साहित किया और युवा शोधकताओं को उद्योग के विशेषज्ञों से जुड़ने का मंच प्रदान किया। समारोह के सह-संयोजक डॉ. जी.टी. मोहनराज ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

## संक्षिप्त

### विधायक ने विष्णुगढ़ प्रखंड को अनुमंडल बनाने की मांग को विस में उठाया

**विष्णुगढ़** : झारखंड के नये विधानसभा सत्र के अंतिम दिन मांडू विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो ने विष्णुगढ़ प्रखंड को अनुमंडल बनाने की मांग की। बता दें कि विष्णुगढ़ प्रखंड हजारीबाग जिले के 24 पंचायतों वाला दूसरा सबसे बड़ा प्रखंड है। अनुमंडल कार्यालय हजारीबाग सदर में होने की वजह से अनुमंडल स्तर के प्रशासनिक एवं अन्य सरकारी कार्यों के लिए प्रखंड के सुदूरवर्ती गांवों के ग्रामीण 70 से 80 किमी की दूरी तय कर हजारीबाग आवागमन करने के लिए विवश हैं, इसलिए बीते कई वर्षों से विभिन्न राजनैतिक और गैर राजनैतिक संगठनों द्वारा विष्णुगढ़ को अनुमंडल बनाने की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक इसके लिए कोई पहल नहीं की गई। विष्णुगढ़ को पूर्व में पुलिस अनुमंडल का दर्जा प्राप्त है, लेकिन दुखद है कि मुख्यालय प्रखंड से 30 किमी दूर दूसरे विधानसभा क्षेत्र के सिलवार में स्थित है। सत्र के अंतिम दिन विधायक तिवारी महतो द्वारा विधानसभा में प्रमुखता से बात रखते हुए कहा गया कि सरकार विष्णुगढ़ को अनुमंडल बनाने का प्रस्ताव कैबिनेट से पारित करे, ताकि इतने बड़े प्रखंड क्षेत्र के लोगों को रियायत मिल सके। प्रस्ताव पारित के पश्चात विष्णुगढ़ अनुमंडल में एसडीओ, डीएसपी एवं अन्य प्रशासनिक पदों का सृजन कर अधिकारियों की नियुक्ति की जाए।

### नि:शुल्क दंत चिकित्सा शिविर 15 दिसम्बर को

**हजारीबाग** : कृष्णापुरी चौक मटवारी स्थित परफेक्ट स्माइल डेंट क्लिनिक में 15 दिसंबर रविवार को सुबह 9 से संध्या 4 बजे तक नि:शुल्क दंत चिकित्सा शिविर का भायोजन किया जा रहा है। इस शिविर लोगों को दाँतों के प्रति जागरूक होने के उद्देश्य से लगाया जा रहा है। शिविर में दांत निकालना, दांतों की सफाई, दांतों को भरना, एक्सरे, पायरि का इलाज एवं दाँत संबंधी सभी रोगों का इलाज और दवा- वितरण नि:शुल्क की जाएगी। क्लिनिक के संस्थापक डॉ आशीष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इस नि:शुल्क शिविन का मुख्य उद्देश्य हजारीबाग शहर और उसके निकट ग्रामीण लोगों को दाँतों की बीमारी से संबंधित सभी इलाज से अवगत कराया जाए। उन्होंने आगे बताया कि ग्रामीण इलाकों लोग दांत संबंधित रोगों के इलाज से वंचित रह जाते हैं।

### डुमरी के प्रवासी मजदूर के पुत्र ने की आत्महत्या

**गुमला** : डुमरी थाना क्षेत्र के खेतली गांव के प्रवासी मजदूर जय मुकुट तिग्गा का 19 वर्षीय पुत्र प्रेम रोहित तिग्गा ने 10 दिसंबर 2024 को दिल्ली में आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। दिल्ली पुलिस ने मृतक का शव कुम्हार मोहल्ला, जसोला विलेज, जामिया नगर, दक्षिणी दिल्ली से कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया, और फिर इसे परिजनों को सौंप दिया। गुमला जिला के भरनो प्रखंड के कांग्रेस उपाध्यक्ष अजहर अली के प्रयासों से मृतक के अंतिम संस्कार का प्रबंध किया गया। धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार अंतिम संस्कार करने के लिए शीत गृह में शव रखने की व्यवस्था में कठिनाई का सामना करना पड़ा।

### सुशासन सप्ताह का आयोजन 19 से

**लातेहार** : जिले के आमलोगों को सुविधा मुहैया कराने को लेकर आगामी 11 से लेकर 24 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह के तहत प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसे दो चरणों के तहत पहला चरण 11 से 18 तक है जिसमें कार्यक्रम के आयोजन से संबंधित तैयारी की जानी है और दूसरे चरण के का आयोजन 19 से लेकर 24 दिसंबर तक निर्धारित है । जिसके तहत विभिन्न पंचायत/ गांव में विशेष शिविर आयोजित कर सुशासन सप्ताह मनाया जाएगा।आयोजित विशेष शिविर में मुख्य रूप से जन शिकायतों का निवारण एवं पर फोकस किया जाना है। अभियान की दैनिक प्रगति पोर्टल पर अपलोड होगी।

# कोयल नदी से बरामद महिला के शव की गुत्थी सुलझी, चार गिरफ्तार

**प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि**

**गढ़वा।** बेलचंपा कोयल नदी से बरामद महिला के शव के मामले का खुलासा पुलिस ने कर दिया। उसकी हत्या की गुत्थी भी सुलझा ली है। गढ़वा पुलिस ने छत्तीसगढ़ के बलरामपुर थाना क्षेत्र के जवाहर नगर से एक महिला सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में जवाहर नगर निवासी रमेश मंडल, लतिका मंडल, संतोषी नगर निवासी शांति मंडल और पीरुडीह गांव के वीरा लकड़ा का नाम शामिल है।

**पूरी साजिश का खुलासा**

अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) नीरज कुमार ने बताया कि 30 सितंबर को बेलचंपा कोयल नदी पुल के पाया संख्या 11 से एक महिला का शव बरामद हुआ था। मृतका की पहचान बलरामपुर थाना क्षेत्र के गुरूचंद मंडल की पत्नी रीना गिरी के रूप में हुई थी। रीना गिरी के भाई बदला गिरी ने गढ़वा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि रीना के ससुराल में लगातार विवाद होते रहते थे। ससुराल वाले रीना को रास्ते से हटाना चाहते थे। इस षड्यंत्र में ससुराल पक्ष ने रमेश मंडल के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई।

**हत्या के दिन की घटना**

रीना गिरी का 29 सितंबर को अपहरण किया गया। उसे गढ़वा लाया गया। यहां वीरा लकड़ा और रमेश मंडल ने अपनी चार पहिया वाहन से रीना को लाया। गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को कोयल नदी पुल से नीचे फेंक दिया।

**आरोपियों की गिरफ्तारी**

एसडीपीओ ने बताया कि घटना में रीना के पति को बलरामपुर पुलिस ने हिरासत में लिया था, लेकिन उसने हिरासत के दौरान आत्महत्या कर ली। पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों समेत कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने अपना गुनाह स्वीकार कर लिया है।

**मौके पर ये अधिकारी मौजूद**

मौके पर पुलिस अवर निरीक्षक मुकेश यादव, प्रदीप यादव, आरक्षी राहुल कुमार, धर्मेंद्र कुमार और सहायक पुलिस प्रियंका मिंज उपस्थित थे।

## लोहरदगा में 15 दिसंबर से प्रारंभ होगा धान अधिप्राप्ति का कार्य : उपायुक्त

**प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि**

**लोहरदगा** : उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने शुक्रवार को लोहरदगा जिला के सभी किसानों से अपील करते हुए कहा है कि झारखंड सरकार के निदेर्शानुसार खरीफ विपणन के तहत धान अधिप्राप्ति का कार्य 15 दिसंबर 2024 से प्रारंभ हो रहा है। इसके तहत इस वर्ष किसानों से क्रय किये जाने वाले धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपए प्रति क्विंटल की दर से और बोनस के रूप में 100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाएगा। धान अधिप्राप्ति की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि धान अधिप्राप्ति केंद्रों का चयन, राईस मिलों का चयन, अधिप्राप्ति केंद्रों पर आवश्यक उपकरणों का अधिष्ठापन, अधिप्राप्ति केंद्रों पर मानव बलों की प्रतिनियुक्ति का कार्य किया जा चुका है। जो भी किसान अपना धान विक्रय करना चाहते हैं वे खुले बाजार या बिचौलिये को ना देकर अपना धान सिर्फ अपने क्षेत्र के नजदीकी धान अधिप्राप्ति केंद्र या एफपीओ पर ही विक्रय करें।

उन्होंने कहा कि सभी किसान धान अधिप्राप्ति योजना का भरपूर लाभ उठाएं। धान अधिप्राप्ति केंद्रों पर 15 दिसंबर 2024 से साधारण किस्म का धान न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपए प्रति क्विंटल एवं बोनस की राशि 100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से राज्य सरकार क्रय करेगी।

वहीं ग्रेड ए किस्म की धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2320 रुपए प्रति क्विंटल एवं बोनस की राशि 100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किसानों को राज्य सरकार भुगतान करेगी। जिला में धान क्रय के लिए दो किसान उत्पादक समूह (एफपीओ) एवं 21 धान अधिप्राप्ति केंद्र (लैम्पस) का चयन किया गया है। इनमें लोहरदगा सदर प्रखण्ड में हेसल लैम्पस लिमिटेड, निंगनी लैम्पस, मन्हो लैम्पस , कुडू प्रखण्ड में कोलसिमरी लैम्पस , ककरगढ़ लैम्पस, कुडू लैम्पस, लावागाई लैम्पस, चंदलासो लैम्पस, किस्को प्रखण्ड में किस्को लैम्पस , अरैया लैम्पस , हेसापीड़ी लैम्पस , खरकी लैम्पस, जोड़ा सखुआ एफपीओ, सेन्हा प्रखण्ड में सेन्हा लैम्पस , बुटी लैम्पस , अलौदी लैम्पस , सुखसंपदा एफपीओ, बदला लैम्पस, कैरो प्रखण्ड में सढ़ाबे लैम्पस , हनहट लैम्पस और भण्डरा प्रखण्ड में भौरो लैम्पस लिमिटेड शामिल हैं। सभी धान अधिप्राप्ति केंद्रों में पर्यवेक्षकों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है।

## विभावि में फिट इंडिया वीक-2024 के तीसरे दिन हुआ विभिन्न खेलों का आयोजन

**प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि**

**हजारीबाग** : विनोबा भावे विश्वविद्यालय में फि ट इंडिया वीक-2024 के तहत स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक भव्य और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं और गतिविधियों का आयोजन हुआ, जिसमें छात्रों, संकाय सदस्यों और शोधार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

**मुख्य आकर्षण**

**कार्यक्रम** के दौरान 'विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में फिटनेस की भूमिका' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने अपने विचारों और प्रेरक प्रस्तुतियों से दर्शकों और निर्णायकों को प्रभावित किया। निर्णायक मंडल में विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित सदस्य डॉ. इफ्शा खुर्शीद, डॉ. अविनाश कुमार और डॉ. नीरज डांग शामिल थे। खेल प्रतियोगिताओं में, छात्रों के लिए स्लो साइक्लिंग और संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों के लिए गुब्बारा फुलाने का खेल आयोजित किया गया। शोधार्थियों की सहभागिता मुख्य रूप से अर्थशास्त्र, हिंदी, मानवविज्ञान, इत्याद विभागों से रही। इन खेलों ने सभी में जोश और उत्साह का संचार किया।

**गुब्बारा फुलाने की प्रतियोगिता के विजेता**

डॉ. उमेंद्र सिंह
डॉ. विनीता
डॉ. विनोद रंजन

कार्यक्रम का संचालन पुष्कर कुमार पुष्प ने किया। उनके कुशल संचालन से पूरा आयोजन बेहद सफल और प्रभावशाली रहा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. मृत्युंजय प्रसाद, डॉ. अविनाश कुमार, शोधार्थी और 300 से अधिक छात्रों की उपस्थिति रही।

**फिटनेस और विकसित भारत 2047**

इस आयोजन के दौरान सभी ने फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर चर्चा की। छात्रों और संकाय सदस्यों ने यह संदेश दिया कि फिटनेस न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, बल्कि यह एक सशक्त और विकसित भारत के निर्माण में भी योगदान देती है।

## डीटीओ ने चलाया सघन वाहन जांच अभियान, मचा हड़कंप

**लातेहार** : लातेहार जिला मुख्यालय के स्टेशन रोड के स्थित हाउन हॉल के समीप जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार को वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। वाहन जांच अभियान के दौरान तीन पहिया वाहनों और दो पहिया वाहनों का सघन जांच किया गया। इस दौरान स्वयं जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार सड़क पर उतर वाहनों की जांच की। साथ ही कागजातों की जांच की गई और कमी पाने पर उनका चालन काटा गया। दो पहिया वाहन चालकों को बिना हेलमेट वाहन चलाने पर डीटीओ ने सख्त हिदायत दी और इनका भी चालन काटा गया। मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी श्री कुमार ने बताया कि इस तरह के अभियान का उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सके।

उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। आज के अभियान में कुल 65 हजार पांच सौ रुपए का चालन काटा गया।

## अवैध गतिविधियों पर लगाम की रणनीति तैयार

**प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि**

**गुमला** : जिले में बढ़ते अपराध और सामाजिक कुरीतियों पर रोकथाम के लिए एसपी शंभु कुमार सिंह ने गुमला जिला पुलिस अधिकारियों के साथ विशेष बैठक आयोजित की। इस बैठक में पुलिस उपाधीक्षक, इंस्पेक्टर और सभी थाना प्रभारियों ने भाग लिया। बैठक में अपराध नियंत्रण को लेकर नए कदम उठाने और योजनाओं पर चर्चा हुई। एसपी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपराधियों पर सख्ती बरतें और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें।

**डायन-बिसाही पर रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान**

बैठक में एसपी ने डायन-बिसाही जैसे कुप्रथाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या न केवल सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि अपराध को भी बढ़ावा दे रही है। इसके समाधान के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। पुलिस को ग्रामीणों के साथ संवाद कर उन्हें शिक्षित करने और इस अंधविश्वास के खिलाफ माहौल तैयार करने का आदेश दिया गया।

**अवैध नशापान और शराब के कारोबार पर कार्रवाई**

गुमला जिले में अवैध नशापान और शराब बिक्री को लेकर पुलिस ने सख्त रुख अपनाने की घोषणा की है। बैठक में गुमला बस स्टैंड के आसपास अवैध रूप से शराब बेचने वाले होटल संचालकों पर विशेष चर्चा हुई। एसपी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से छापेमारी और कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

**पुलिस की नयी रणनीतियां और गश्त बढ़ाने के निर्देश**

अपराधों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस ने कई नई रणनीतियों पर काम करने की योजना बनाई। सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त बढ़ाएं और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। एसपी ने अपराधियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए स्थानीय मुखबिर तंत्र को मजबूत करने का भी सुझाव दिया।

**सामाजिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर जोर**

एसपी ने कहा कि गुमला पुलिस की प्राथमिकता जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। पुलिस विभाग न केवल अपराधियों पर कार्रवाई करेगा, बल्कि जनता के बीच विश्वास बहाली के लिए भी काम करेगा।

## 42 वर्षों से भक्ति व सेवा का प्रतीक है हनुमान संकीर्तन मंडल

**प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि**

**झुमरी तिलैया** : जहां भक्ति के सुर जीवन को आनंदमय बनाते हैं, वहीं सेवा और समर्पण समाज को एकजुट करते हैं। हनुमान संकीर्तन मंडल ने 42 वर्षों से इसी संदेश को जीते हुए हर शनिवार को भजन-कीर्तन का अद्वितीय आयोजन किया है। यह केवल एक मंडल नहीं, बल्कि आस्था का ऐसा दीप है, जो न केवल धार्मिक चेतना जगाता है, बल्कि सामाजिक समरसता का प्रतीक भी है।

ढोलक और हारमोनियम की मधुर ध्वनि, मिश्री-बेदाम प्रसाद की मिठास, और गायक-म्यूजिशियन की निस्वार्थ सेवा, सब मिलकर हर कीर्तन को एक दिव्य अनुभव बना देते हैं। चाहे गर्मी हो या सर्दी, यह मंडल हर परिस्थिति में अपने कार्यक्रमों को उसी ऊर्जा और उत्साह से आयोजित करता है। शहर के इस प्रेरणादायक संगठन ने भक्ति को जीवन का आधार बनाते हुए हर दिल में भगवान का नाम स्थापित कर दिया है।

ढोलक और हारमोनियम के सुरों पर होता है कीर्तन मंडल हर शनिवार को संध्या 7 बजे से 10:30 बजे तक विभिन्न स्थानों पर संकीर्तन का आयोजन करता है। कार्यक्रम में ढोलक और नए हारमोनियम के सुरों के साथ भजन गाए जाते हैं। मिश्री और बेदाम प्रसाद का वितरण भक्तों को किया जाता है।

## उप डाकपाल नंदन कुमार प्रथम पुरस्कार से सम्मानित

**प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि**

**हजारीबाग** : भारतीय डाक विभाग द्वारा देशभर में स्वच्छ भारत अभियान 2024 चलाया जा रहा है इसमें स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने, डाकघर परिसर व कार्यालय को स्वच्छ रखने वाले कार्यालय प्रमुख को सम्मानित व पुरस्कृत भी करने का प्रावधान है ताकि डाककर्मी को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा सके। हजारीबाग प्रमंडल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए डाक अधीक्षक आशुतोष कुमार सिन्हा ने कॉलेज मोड़ उप डाकघर के उप डाकपाल नंदन कुमार को स्वच्छ भारत अभियान 2024 के प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया। इन्हें प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित

किया। डाक अधीक्षक ने कहा कि नंदन कुमार स्वच्छता प्रिय व्यक्ति है कॉलेज मोड उप डाकघर सोहराई कला से सुसज्जित, स्वच्छ व बेहतर रख रखाव युक्त डाकघर है अभियान के दौरान इनका योगदान उत्कृष्ट रहा। कार्यालय के विजीटर बुक में देश विदेश के सैलानियों ने भी इनकी प्रसंशा की है। मौके पर सहायक डाक अधीक्षक विश्वजीत रॉय, सहायक डाक अधीक्षक (सेंट्रल) ब्रजेश कुमार पासवान, शिकायत निरीक्षक विकास रंजन, डाक निरीक्षक अशोक कुमार मंडल, राजीव कश्यप, संजय मंडल, रविशंकर सहित काफी संख्या में विभाग के लोग उपस्थित थे।

## गारू ब्लॉक में जनता दरबार का आयोजन

**गारू/लातेहार** : उपायुक्त के निदेर्शानुसार गारू प्रखंड में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी अभय कुमार, अंचलाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा, प्रखंडकर्मी, अंचल कर्मी, आईसीडीएस कर्मी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया और संबंधित विभाग को अग्रसारित किया गया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अभय कुमार ने बताया कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को आसानी से समस्याओं का समाधान करना है।

# आज चतरा में गरजेंगे चिराग, हजारों समर्थक थामेंगे लोजपा का दामन

**प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि**

**चतरा** : केन्द्रीय मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान 14 दिसंबर को एक दिवसीय दौरे पर चतरा पहुंचेंगे। इस दौरान वे चतरा कॉलेज के समीप स्थित मैदान में आयोजित पार्टी के पहले नव संकल्प महासभा, अभिनंदन सह मिलन समारोह में बतौर मुख्य अथिति शिरकत करेंगे। कार्यक्रम के दौरान वे विगत विधानसभा चुनाव में एनडीए घटक दलों के सहयोग से चुनाव लड़ रहे लोजपा रामविलास के इकलौते प्रत्याशी जनार्दन पासवान की प्रचंड जीत पर जनता का आभार जताते हुए नवनिर्वाचित विधायक का अभिनंदन करेंगे। साथ ही विभिन्न दलों को छोड़कर हजारों समर्थकों के साथ लोजपा(रा) का दामन थामने जा रहे चतरा के चर्चित समाजसेवी प्रेमचंद सिंह उर्फ प्रेम सिंह का कार्यकर्ताओं संग पार्टी में स्वागत करेंगे। इस बाबत लोजपा रामविलास के झारखंड विधानसभा चुनाव के बाद चतरा में आयोजित होने वाले पहले संगठनात्मक कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी में कार्यकर्ता जोर-जोर से जुटे हैं।

**11 बजे चतरा पहुंचेंगे चिराग, औरंगाबाद व सीतामढ़ी में भी करेंगे जनसभा**

**चिराग पासवान** के चतरा आगमन से पूर्व पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता सह झारखंड के सह प्रभारी कुमार सौरभ सिंह और

झारखंड में पार्टी के इकलौते विधायक जनार्दन पासवान ने संयुक्त प्रेस वार्ता की। इस दौरान केंद्रीय प्रवक्ता सह प्रदेश सह प्रभारी ने कहा कि लोजपा(रा) गठन के बाद हम एनडीए के साथियों के साथ 100% स्ट्राइक रेट के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की ओर से बिहार में हमें पांच सीटें मिली थी। उन सभी पांच सीटों पर हमारे प्रत्याशियों ने प्रचंड जीत दर्ज की थी। इसी प्रकार झारखंड विधानसभा चुनाव में हमें गठबंधन धर्म के अंतर्गत चतरा की सीट मिली थी। यहां भी हमारे प्रत्याशी जनार्दन पासवान ने मंत्री के पुत्रवधू को हराकर पार्टी के शत-प्रतिशत स्ट्राइक रेट की प्रथा को कायम रखा है। पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान अब व्यक्ति नहीं बल्कि देश के सबसे तेजी से उभरते विश्वासी नेता बन चुके हैं। इसी का नतीजा है कि अब लोग उन्हें अपना आईडियल मानने लगे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री सह लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष 11 बजे हवाई मार्ग से चतरा पहुंचेंगे। शहर के बाबा घाट मैदान में पार्टी के सांसद, विधायक व पदाधिकारियों के अलावे कार्यकर्ताओं के द्वारा उनका स्वागत करने के बाद उन्हें कार्यक्रम स्थल चतरा कॉलेज मैदान लाया जायेगा।

जहां वे विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। पार्टी प्रवक्ता ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष नवनिर्वाचित विधायक का अभिनंदन के साथ-साथ प्रचंड जनाधार के लिए चतरा की जनता का आभार भी जताएंगे। केंद्रीय प्रवक्ता ने कहा कि हम बिहार और झारखंड में होने वाले आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव की तैयारियों में अभी से ही जोर शोर से जुट गए हैं। जिसका आगाज चतरा से होने जा रहा है। हम बिहार ही नहीं बल्कि झारखंड में भी पार्टी को शक्ति प्रदान करेंगे और पूरी मजबूती के साथ संगठन बनाएंगे। चतरा में जनसभा को संबोधित करने के बाद चिराग बिहार के औरंगाबाद और सीतामढ़ी में भी सभा को संबोधित करने जाएंगे।

## संक्षिप्त

### डीवीसी सीएसआर केंद्र में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

**बोकारो थर्मल।** बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी सीएसआर कार्यालय परिसर स्थित प्रशिक्षण केंद्र में शुक्रवार को डीवीसी हॉस्पिटल एवं सीएसआर के सौजन्य से केंद्र में प्रशिक्षण ले रही युवतियों एवं महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को हॉस्पिटल की डीजीएम हेल्थ सह स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ संगीता रानी द्वारा बाल और त्वचा रोग से संबंधित रोगों एवं समस्याओं की रोकथाम एवं उपचार के बारे में विस्तृत जानकारियां दीं। साथ ही सभी को शारीरिक,मानसिक एवं व्यक्तिगत स्वच्छता की भी जानकारी शामिल थी। कार्यक्रम में हॉस्पिटल से हेल्थ निरीक्षक कृष्णा कुमार, सीएसआर के भैरव महतो, रमेश यादव, ट्रेनर सुष्मिता बर्णवाल सहित अन्य सहकर्मी मौजूद थे।

### धूमधाम के साथ नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ आयोजित

**जमशेदपुर।** बहरागोड़ा प्रखंड अंतर्गत खंडामौदा गांव में शुक्रवार को नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ सह दीप यज्ञ का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार से मास्टर इन यौगिक साइंस एंड ऑल्टरनेटिव थेरेपी की तीन छात्राएं सामाजिक परिवीक्षा पर आईं हुईं हैं। इन्हीं छात्राओं वरुणि कंसाना, खुशी कुंटल और नैन्सी चैतीबार ने खण्डामौदा +2 उच्च विद्यालय और ग्राम पंचायत मैदान में नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ सह दीप यज्ञ का कार्यक्रम का आयोजन किया। यज्ञ के अलावा प्लस टू स्कूल खांडामौदा में जागरूकता अभियान भी चलाया गया। इस अभियान के तहत बच्चों को योग और विभिन्न थेरेपी, नैतिक शिक्षा, समय प्रबंधन, तनाव प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिया गया। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बच्चों को छोटे-छोटे प्रयासों जैसे पौधे लगाना और प्लास्टिक का उपयोग कम करना सिखाया गया। इसके अलावा, नशा मुक्ति पर विशेष ध्यान देते हुए नशे के दुष्प्रभावों और उससे बचने के उपायों पर चर्चा की गई।

### शिक्षक प्रणव बेरा का आकस्मिक निधन

**जमशेदपुर।** बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के खंडामौदा गांव निवासी शिक्षक प्रणव बेरा ( उम्र 59 ) की बुधवार रात अचानक तबीयत बिगड़ने से मृत्यु हो गई। उनके निधन के सूचना से गांव तथा खंडामौदा पीएमश्री हाई स्कूल में मातम छा गया है। स्कूल में आज गुरुवार को शोकसभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। परिजनों ने बताया कि पिछले दो वर्षों से उनके स्वास्थ्य में गड़बड़ी चल रही थी। बीच-बीच में वह स्वास्थ्य जांच के लिए भुवनेश्वर स्थित अपोलो अस्पताल जाते थे। 14 दिसंबर को फिर से स्वास्थ्य जांच कराने के लिए अपोलो अस्पताल जाने वाले थे। बुधवार की रात को खाना खा कर घर में सोये हुए थे। उसी दरम्यान अचानक से तबीयत खराब होने के कारण तत्काल परिवार के लोग आनन फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा उपचार के लाये. जहां डॉक्टरों की टीम ने प्राथमिक चिकित्सा के दौरान जांच कर मृत घोषित कर दिया।

### फिर सामने आई सदर अस्पताल की लापरवाही

# समय पर नहीं शुरू किया इलाज, पूर्व सैनिक की मौत, परिजनों का हंगामा

- एक प्रसूता के इलाज में कथित लापरवाही के कारण शिशु की भी हुई थी मौत

**प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि**

**बोकारो ।** एक प्रसूता के इलाज में कथित लापरवाही के कारण शिशु की मौत का मामला शांत भी नहीं हुआ कि बोकारो सदर अस्पताल में चिकित्साकर्मियों की मनमानी और शिथिलता का एक और उदाहरण सामने आ गया।

गुरुवार रात सदर अस्पताल में पूर्व सैनिक 74 वर्षीय लाल मोहन महतो की मौत हो गई। इस घटना के बाद उनके परिजनों सहित अन्य लोगों ने जमकर बवाल काटा। लोगों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। बताया जाता है कि हृदयाघात होने पर पूर्व सैनिक को सदर अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गई। मरीज की मौत के बाद उसके पोते मनीष प्रजापति ने बताया कि अस्पताल में हुई लापरवाही के कारण ही मौत हुई है। मरीज के पोते ने अस्पताल लाने के बाद एक नर्स को तुरंत अपने दादा का इलाज करने को कहा। संबंधित डाक्टर नहीं थे। इस पर नर्स ने इननकार कर दिया। इसके लगभग 15 मिनट के बाद वहां चिकित्सक डॉ. रविंदर कुमार पहुंचे। उन्होंने मरीज की स्थिति को नाजुक देख उसे ऑक्सीजन लगाई। ऑक्सीजन बगैर मास्क के होने के कारण उसके पोते ने तुरंत मास्क युक्त ऑक्सीजन लगाने के लिए कहा, पर मास्क नहीं लगाया गया।

इधर, चिकित्सक उसकी रक्त जांच करने लगे तो पता चला कि मरीज के शरीर में खून ही नहीं था। मरीज पूरी तरह से एनीमिक थे। उनकी हालत दयनीय होते देख चिकित्सक ने उन्हें रिम्स रेफर कर दिया। इसी दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मरीज की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए चिकित्सक के साथ नोकझोंक तक कर ली और डाक्टर के टॉर्च को लेकर फेंक दिया गया। बाद में वहीं के कुछ लोगों ने मामले को शांत कराया। दूसरी तरफ, मरीज का इलाज करने वाले डॉ रविंद्र का कहना है कि इलाज में लापरवाही नहीं हुई है। मरीज को एक तो हार्ट अटैक हुआ और ऊपर से वह पहले से ही एनीमिक मरीज थे। ऑक्सीजन देने के क्रम में ही उनकी मौत हो गई।

## तेज रफ्तार हाइवा की टक्कर से ट्रैक्टर चालक की मौत, सड़क जाम

**प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि**

**बोकारो।** जिले के कसमार थाना क्षेत्र अंतर्गत दांतू के चटनिया मोड़ के समीप एक हाइवा (जेएच02बीएस-7563) ने आगे जा रहे ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी। इसमें ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान उत्तासारा निवासी 50 वर्षीय डेला उर्फ जितेंद्र नायक के रूप में की गई है।

दुर्घटना के बाद सड़क के बीच में ट्रैक्टर व हाइवा के आ जाने के कारण करीब एक घंटा जाम की स्थिति बन गई। लगभग 7:00 बजे की घटना है। देर रात 8:00 बजे तक जाम की स्थिति बनी हुई थी। आश्चर्यजनक बात यह है कि जब गोबर से लड़ा हाइवे को सड़क से हटाए जाने लगा तो गोबर और ट्रैक्टर के बीच दबा हुआ चालक बेसुध मिला तब तक वह दम तोड़ चुका था। ट्रैक्टर चालक की मौत की सूचना आग की तरह फैल गई। आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दी। हाइवा चालक को की गिरफ्तारी करने और मृतक के आश्रितो को मुआवजा देने की मांग करते हुए सड़क पर उतर गए। बताया जाता है कि गोबर से लदा एक ट्रैक्टर बहादुरपुर से पेटरवार की ओर जा रहा था। दांतू चटनिया मोड़ के समीप ट्रैक्टर ज्योंही टर्निंग लेकर सोनपुर की ओर घूमा कि पीछे से आ रहे बेकाबू हाइवा ने ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी।

### बाइक ने दो छात्राओं को मारी टक्कर, एक गंभीर

**बोकारो ।** तेनुघाट-पेटरवार मुख्य मार्ग में चिड़िया गढ़ा मोड़ के समीप बाइक सवार एक युवक ने साइकिल से स्कूल जा रही दो छात्राओं को टक्कर मार दी। इस सड़क दुर्घटना में साइकिल से विद्यालय जा रही दोनों बच्चियां घायल हो गई। घटना शुक्रवार सुबह लगभग 9 बजे की थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चिड़िया गढ़ा निवासी वासुदेव करमाली की पुत्री गुंजन कुमारी (10 वर्ष) एवं संतोष मरांडी की पुत्री सुमन कुमारी(14 वर्ष) अपने-अपने साइकिल से चिड़ियाघर मोड़ के समीप उत्क्रमित उच्च विद्यालय पतकी जा रही थे। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक जेएच 09 बीजी 6888 ने दोनों साइकिल सवार छात्राओं को चपेट में ले लिया।

## तुपकाडीह में हाई मास्क लाइट लगाने का काम हुआ शुरू

**प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि**

**बोकारो ।** तुपकाडीह मेनरोड स्व. साधु महतो चौक में हाई मास्क लाइट लगाने का काम शुक्रवार को शुरू हो गया।

50 फीट ऊंचे इस लाइट से पूरा बाजार रौशन होगा। डीएमएफटी फंड से लगने वाले इस लाइट की अनुशंसा बेरमो विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने की है। लाइट लगने की जानकारी से व्यवसायियों व आमजन को खुशी हुई है। बाजार समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार महतो ने बताया कि रौशनी मिलने पर बाजार गुलजार होगा।

## हाथियों ने खलिहान में रखी फसल की नष्ट

**बोकारो।** पेटरवार वन क्षेत्र अंतर्गत पतकी पंचायत स्थित बगजोबरा में गुरुवार देर रात तीन हाथियों के झुंड ने खलिहान में रखी धान की फसल को खा गया। इससे स्थानीय किसानों को भारी क्षति का सामना करना पड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाथियों ने बगजोबरा निवासी सुरेश मांझी के दो खलिहानों में रखे धान को पूरी तरह खा गया और बड़ी मात्रा में फसल को बर्बाद कर दिया। इस घटना से किसानों को आर्थिक नुकसान हुआ है। हाथियों की सूचना मिलने पर पेटरवार वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और हाथियों को तेनुघाट डैम के तलहटी पर स्थित जंगल की ओर खदेड़ दिया। हालांकि, इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है।

## राज्यस्तरीय पुलिस शूटिंग प्रतियोगिता में बोकारो बना ओवरऑल चैंपियन

**प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि**

**बोकारो ।** झारखंड सशस्त्र पुलिस (जैप)- 4, बोकारो की मेजबानी में चल रही तीन दिवसीय राज्य स्तरीय पुलिस शूटिंग प्रतियोगिता शुक्रवार को उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गई।

राज्य के विभिन्न जिलों के प्रतिभागी पुलिसकर्मियों ने जमकर निशानेबाजी में अपने जौहर और दमखम दिखाए। प्रतियोगिता के तहत आयोजित शूटिंग की विभिन्न स्पद्धाओं में बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर जैप- 4 बोकारो ने ओवरआल चैंपियनशिप का खिताब अपनी झोली में करने में सफलता पाई। जैप- 4 परिसर में आयोजित प्रतियोगिता के समापन समारोह के दौरान बतौर मुख्य अतिथि जैप के आईजी राजकुमार लकड़ा और विशिष्ट अतिथि कोयला क्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक सुरेन्द्र कुमार झा ने ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में जैप-4 को राइफल में 547, 300 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में 234, एआईडीपीएम पिस्टल, रिवाल्वर में 505 और सेंटर फाइव कार्बाइन में 364 अंक प्राप्त हुआ। कुल 1650 अंक मिले। इसके बाद झारखंड जगुआर 1121 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कोयला क्षेत्र बोकारो को 805 अंक मिले। पलामू क्षेत्र को 730 अंक, कोल्हान क्षेत्र चाईबासा को 704, उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र हजारीबाग को 667, दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र रांची को 518, संथाल परगना क्षेत्र दुमका को 502 अंक प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में 23 प्रतिभागियों का चयन किया गया, जिनमें जैप रांची के 14, झारखंड जगुआर रांची को 5, कोयला प्रक्षेत्र बोकारो को 2, कोल्हान प्रक्षेत्र चाईबासा में एक, उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र हजारीबाग में एक प्रतिभागी का चयन किया गया। सभी प्रतिभागियों जैप आईजी राजकुमार लकड़ा ने विजेता और उप विजेता टीमों को पुरस्ककृत कर सम्मानित किया। मौके पर कोयलांचल डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा सभी जिलों के डीएसपी आदि मौजूद थे।

## डीवीसी जमा दो विद्यालय की शिक्षिकाओं ने प्राचार्य पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

**प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि**

**बोकारो थर्मल।** बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के जमा दो विद्यालय की चार शिक्षिकाओं ने स्कूल के प्राचार्य धनंजय कुमार पर उनके साथ मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और दुर्भावना का आरोप लगाते हुए लिखित पत्र डीवीसी के डीजीएम प्रशासन बीजी होलकर को दिया है।

प्राचार्य के खिलाफ लिखे गए आरोप पत्र पर हस्ताक्षर करने वाली शिक्षिकाओं में विभा सिन्हा, आशा कुमारी, ईशा कुमारी और शोभा पांडेय शामिल हैं। शिक्षिकाओं ने अपने आरोप में लिखा है कि धनंजय कुमार बिना किसी कारण के महिला शिक्षिकाओं को अपने कार्यालय कक्ष में बुलाकर अभद्र भाषा से बात करते हैं और उन्हें बुरी नजरों से घूरते हैं। छात्रों की मौजूदगी में महिला शिक्षिकाओं पर प्राचार्य दबाव बनाने का काम करते हैं, पुरुष शिक्षक खाली बैठे रहते हैं और महिला शिक्षिकाओं को छह पीरियड क्लास लेने का आदेश देते हैं और वे पुरुष शिक्षकों से सामान्य रूप से तथा महिला शिक्षिकाओं से अशिष्टता से पेश आते हैं। उन्होंने लिखा कि वे स्कूल में सुरक्षित महसूस करने की बजाय असुरक्षित महसूस करती हैं, जिसके कारण उन्हें स्कूल में पठन-पाठन के कार्य में कठिनाई महसूस होती है।

डीजीएम ने जांच कमेटी बनाई - स्कूल की महिला शिक्षिकाओं के लिखित आवेदन पर डीवीसी के डीजीएम प्रशासन बीजी होलकर ने पत्रांक-918 के तहत डीवीसी की ही तीन महिला अधिकारियों की एक जांच कमेटी गठित कर दी है। डीजीएम द्वारा गठित जांच कमेटी में डीवीसी हॉस्पिटल की वरीय प्रबंधक डॉ. रजनी नोरिन एक्का, एचआर की प्रबंधक अंजू बोईपाई और प्रबंधक सी एंड एम चंचला कुमारी शामिल हैं। जांच कमेटी ने शुक्रवार को स्कूल जाकर शिक्षकों से मामले को लेकर पूछताछ की। इसके पूर्व गुरुवार को चारों महिला शिक्षिकाओं से भी पूछताछ की गई और सभी को अपना-अपना आवेदन देने को कहा गया। प्राचार्य का पक्ष - मामले को लेकर शुक्रवार को जब स्कूल के प्राचार्य धनंजय कुमार से पूछा गया तो उनका कहना था कि उन्हें किसी प्रकार के मामले और गठित जांच कमेटी के बारे में जानकारी नहीं है। डीजीएम का पक्ष - मामले को लेकर डीवीसी के डीजीएम बीजी होलकर ने पूछे जाने पर कहा कि महिला शिक्षिकाओं ने उन्हें आवेदन दिया है, जिस पर जांच कमेटी का गठन कर दिया गया है।

## महिला समिति ने किया कंबल साबुन व सैनिटरी पैड का वितरण

**प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि**

**बोकारो ।** महिला समिति बोकारो की कार्यकारिणी दल ने शुक्रवार को बोकारो स्टील प्लांट के सीएसआर विभाग के सहयोग से बोकारो के समीप स्थित ग्राम गोड़ाबाली में कंबल का वितरण किया।

समिति की अध्यक्ष श्रीमती अनिता तिवारी ने ग्रामवासियों को स्वच्छता का महत्व बताया तथा दैनिक जीवन में इसका पालन कैसे हो, यह समझाते हुए समिति द्वारा उत्पादित साबुन के अलावा युवतियों में सैनिटरी नैपकिन्स का भी वितरण किया। यह कार्यक्रम गांव के मुखिया तथा बीएसएल सीएसआर के वरीय प्रबंधक नीरज त्रिपाठी की मदद से संपन्न हुआ। ग्रामवासियों ने समिति की सभी सदस्याओं का गीत-संगीत तथा फूलों से स्वागत किया। इस अवसर पर समिति की उपाध्यक्ष श्रीमती प्रीति शरण, सचिव श्रीमती ऋचा प्रियदर्शिनी, सांस्कृतिक सचिव श्रीमती श्वेता कुमार, कोषाध्यक्ष श्रीमती अभिरुचि प्रिया, उप-कोषाध्यक्ष अंजली, सुरभि प्रभारी अनीशा झा, सदस्यीय समिति मोहंती तथा आशा राज मिश्रा उपस्थित रहीं।

### बोकारो टाउनशिप के लिए रासायनिक अर्थिंग परियोजना का उद्घाटन

**बोकारो।** बोकारो स्टील प्लांट के पूरे टाउनशिप के लिए रासायनिक अर्थिंग परियोजना का उद्घाटन शुक्रवार को अधिशासी निदेशक-प्रभारी (मानव संसाधन) राजन प्रसाद द्वारा किया गया। इस मौके पर मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवा) कुंदन कुमार, नगर सेवा विभाग के महाप्रबंधक-प्रभारी (विद्युत) राजुल हरकरनी, महाप्रबंधक (विद्युत) ए एन सिंह, उप महाप्रबंधक डी के सिंह, वरीय प्रबंधक आशुतोष कुमार, परियोजना डिवीजन के उप महाप्रबंधक आर एल मीणा, वरीय प्रबंधक अभिषेक आदित्य तथा अन्य अधिशासी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

बोकारो स्टील सिटी में लगभग 250 से अधिक विद्युत सब-स्टेशन हैं, जहां पर 2000 रासायनिक अर्थिंग स्थापित की जाएगी। बीएसएल में पहली बार उन्नत प्रकार की रासायनिक अर्थिंग का प्रतिष्ठापन किया जा रहा है। रासायनिक अर्थिंग प्रणाली, विद्युत लाइन और उपकरण के अर्थिंग का बहुत ही प्रभावी तरीका है, क्योंकि यह चालकता को बढ़ाता है और विद्युत प्रणालियों के लिए लंबे समय तक चलने वाली सुरक्षा प्रदान करता है। रासायनिक अर्थिंग प्रणाली कम रख-रखाव में स्थिर और लंबे समय तक काम करने वाली, अत्यधिक टिकाऊ, जंग-रोधी प्रकृति, के साथ पर्यावरण के लिए भी अनुकूल होती है।

### तीन सप्ताह से 10 पंचायतों में जलापूर्ति बंद

**बोकारो।** जैनामोड़ ग्रामीण जलापूर्ति योजना की खुटरी पानी टंकी से रोजाना सुबह दस पंचायत के घर-घर मिलने वाला शुद्ध सप्लाई पानी विगत तीन सप्ताह से बंद हो गया है। जलापूर्ति बंद होने का कारण तुपकाडीह तेनु-बोकारो नहर के पम्प हाउस में वीटी मशीन का खराब हो जाना बताया जाता है। मशीन कब बनेगी, जलापूर्ति कब शुरू होगी, इसका जवाब पेयजल आपूर्ति विभाग, सिस्टम को चला रहे संवेदक या पंचायत समिति से आमजन को नहीं मिल रहा है। संवेदक के प्रतिनिधि अमर मिश्रा ने बताया कि विभाग मशीन को बनाने का काम करे और लागत राशि दे तो पानी शुरू करने पर विचार किया जा सकता है। जलकर राशि वसूलने वाली जल सहिया बहू पंचायत के जिम्मे है, जब चाहें सिस्टम को चालू कर सकते हैं। इधर पेयजल आपूर्ति विभाग के वरीय अभियंता राम प्रवेश राम से फोन पर बात करने की कोशिश फोन नहीं उठाने पर बेकार साबित हो रही है। बताते चलें कि लगभग दस हजार पानी के ग्राहक पानी की किल्लत को झेल रहे हैं।

### अवसादग्रस्त युवक ने फांसी लगाकर दी जान

**बोकारो ।** जिले के चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत अलोकडीह गांव में शुक्रवार दोपहर ढाई बजे एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह घर पर पंखे की हुक पर प्लास्टिक के रस्सी के सहारे झूल गया। जानकारी के अनुसार फलारी महतो के इकलौते पुत्र महेश्वर महतो (25) तमिलनाडु में मजदूरी करता था। चार दिन पहले ही वह घर वापस आया था। मृतक के साथियों के अनुसार तमिलनाडु से लौटने के बाद वह डिप्रेशन था। गुरुवार को किसी भी साथी से मिला नहीं। शुक्रवार को जैसे ही मृतक के पिता उनके नया घर गए, तो देखा कि उनका पुत्र पंखा पर रस्सी के सहारे फांसी लगाकर झूल रहा था। उन्होंने इसकी सूचना ग्रामीण समेत पंचायत प्रतिनिधियों को दी। ग्रामीणों के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदनकियारी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज में मृत घोषित कर दिया। इधर, चंदनकियारी पुलिस को सूचना मिलने पर सीएचसी चंदनकियारी पहुंचकर पंचनामा बनाकर शव को कब्जे में ले लिया। फांसी लगाने के कारण का स्पष्ट पता नहीं पा रहा है। वह किस कारण से डिप्रेशन में था, इसकी किसी को जानकारी नहीं है। मृतक के पिता फलारी महतो के बयान पर यूडी केस दर्ज किया गया है। अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

## बोकारो के चिन्मय विद्यालय में मना 48वां वार्षिक खेल महोत्सव

- 296 अंकों के साथ अव्वल रहा वायु हाउस

**प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि**

**बोकारो।** चिन्मय विद्यालय, बोकारो के क्रीडांगण में शुक्रवार को 48वां वार्षिक खेल महोत्सव पूरे उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। इसमें सभी हाउस के खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और इन सभी का उत्साह बढ़ाने के लिए अभिभावकों की भारी भीड़ जमा थी।

छात्रों में खेल-भावना व खेलकूद के प्रति प्रतिबद्धता के उद्देश्य से कुल 118 विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। विद्यार्थी शिक्षक एवं अभिभावकों ने विभिन्न खेलों- 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, सैक रेस, टॉफी रेस, बैग रेस, थ्री लेग रेस, स्पून एंड मार्वल रेस, जैवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, शॉट पुट व टग ऑफ वॉर आदि में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुंदन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक, नगर प्रशासन, सेल, बोकारो आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद, अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आर.एन मल्लिक, पूर्व कोषाध्यक्ष अनूप शर्मा, प्राचार्य सूरज शर्मा, बिपुल कुमार सिंह, प्राचार्य रेनबो पब्लिक स्कूल, रंजीत कुमार, प्राचार्य, आदर्श पब्लिक स्कूल उपप्राचार्य नरमेंद्र कुमार आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम का आरंभ गीता पाठ से हुआ। मुख्य अतिथि कुंदन कुमार ने मशाल जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने बच्चों का उत्साह बढाते हुए कहा कि खेलकूद एवं शारीरिक गतिविधियां व्यक्तित्व निर्माण में अत्यंत आवश्यक भूमिका निभाते हैं और हमें भारत के विश्व गुरु बनने के लिए खेलकूद को निरंतर बढ़ावा देना चाहिए। खेल हमें लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने के लिए एकाग्रचित और अभिप्रेरित करता रहता है। हमेशा जीतने की जिज्ञासा बनाए रखता है।

बाल-खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए एवं सभी उपस्थित अतिथियो का स्वागत करते हुए विद्यालय प्राचार्य सूरज शर्मा ने खेलकूद का महत्व बताया एवं अभिभावकों को समझाया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल कूद अत्यंत महत्वपूर्ण है। खेलकूद द्वारा हम अनुशासन, टीमवर्क एवं समर्पण जैसे गुणों को आत्मसात करते हैं, जिससे हमारी एकाग्रचित्तता बढ़ती है और पढाई में भी मन लगा रहता है। चिन्मय विजन प्रोग्राम के अंतर्गत शारीरिक विकास, कक्षागत एवं कक्षेतर गतिविधियों का एक प्रमुख स्तंभ है। प्राचार्य ने विश्व प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय धावक उसेन बोल्ट की प्रशंसा करते हुए उनके जीवन से संबंधित कई रोचक बातें बताकर बच्चों का हौसला बढाया। खेल प्रतियोगिता में ओवरऑल चैंपियन वायु हाउस 296 अंकों के साथ अव्वल रहा। समस्त गतिविधियां विद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष हरिहर पांडेय एवं संजीव कुमार, रणविजय ओझा, प्रांजल साइका, नितेश कुमार पांडेय, प्रवीण कुमार, ललिता उरांव, विशाल मौर्य व आदर्श आचार्य के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित की गईं।

### डीवीसी के अवकाश प्राप्त इंजीनियर का निधन शोकसभा का आयोजन

**बोकारो थर्मल।** बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी पावर प्लांट विद्युत विभाग के अवकाश प्राप्त इंजीनियर राजेंद्र राम का निधन गुरुवार की रात कोलकाता के बीएम बिरला हॉस्पिटल में हो गया। वे अपने पीछे पत्नी सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। शुक्रवार को स्थानीय डीवीसी पेंशनर्स फोरम के कार्यालय में अवकाश प्राप्त इंजीनियर के निधन पर एक शोकसभा का आयोजन फोरम के सचिव कमलाकांत तिवारी की अध्यक्षता में किया गया। शोकसभा में फोरम के सभी सदस्यों ने अवकाश प्राप्त इंजीनियर सह फोरम के सदस्य के निधन पर दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर केशो प्रसाद सिंह, अनिल कुमार देव, सुंदर शर्मा, सुनील कुमार कर्ण, भोला प्रसाद सहित अन्य पेंशनर्स मौजूद थे।

# शह और मात का नया शहंशाह : डी गुकेश

डॉ. आर.के. सिन्हा

**आज सारे भारत का बच्चा - बच्चा डी. गुकेश के विश्व शतरंज चैंपियन बनने से गौरवान्वित महसूस कर रहा है। गुकेश ने एक गौरवशाली इतिहास रच दिया है। वे सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए हैं। उन्होंने अपने अद्भुत प्रदर्शन से पूरे भारत का मान बढ़ाया है। गुकेश कैसे बन गए विश्व शतरंज चैंपियन? इसी विषय पर यह आलेख।**

सारा भारत आज के दिन डी. गुकेश के विश्व शतरंज चैंपियन बनने से गौरवान्वित महसूस कर रहा है। गुकेश ने एक नया इतिहास रच दिया है। वे सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए हैं। उन्होंने अपने अद्भुत प्रदर्शन से पूरे भारत का मान बढ़ाया है। उनकी इतनी शानदार सफलता में उनकी असाधारण प्रतिभा, समर्पण और रणनीतिक दृष्टिकोण अहम रहे। गुकेश ने बहुत कम उम्र में शतरंज खेलना शुरू कर दिया था, जिससे उन्हें खेल की बारीकियों को समझने और अपनी प्रतिभा को विकसित करने का पर्याप्त समय मिला। उनमें जन्मजात प्रतिभा है और उनकी ग्रहण करने की क्षमता बहुत तेज है, जिससे वे जटिल शतरंज रणनीतियों को आसानी से समझ पाते हैं। उन्होंने शतरंज के प्रति पूर्ण समर्पण दिखाया है और लगातार अभ्यास करके अपनी क्षमताओं को निखारा है।

गुकेश को अनुभवी और कुशल प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन मिला, जिन्होंने उनकी खेल तकनीकों को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण और संसाधनों तक पहुंच मिली, जिससे उन्हें विश्व स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिली। गुकेश के प्रशिक्षण में आधुनिक तकनीकी उपकरणों का उपयोग शामिल था, जिससे उनकी खेल रणनीति का विश्लेषण करना और सुधार करना आसान हो गया।

रणनीतिक गहराईः

गुकेश के पास शतरंज में गहरी रणनीतिक सोच है, जो उन्हें खेल के दौरान तत्काल सही निर्णय लेने में मदद करती है। वे दबाव की स्थितियों में भी शांत और संयमित रहते हैं, जिससे वे महत्वपूर्ण मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं। उनमें मानसिक रूप से मजबूत होने की क्षमता है, जिससे वे हार से निराश नहीं होते और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित रहते हैं।

गुकेश नियमित रूप से शतरंज का अभ्यास करते हैं और अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वे अपने पिछले मैचों का विश्लेषण करते हैं और अपनी गलतियों से सीखते हैं, जिससे उनकी खेल रणनीति में लगातार सुधार होता रहता है। वे शतरंज के महान खिलाड़ियों के खेलों का लगातार गम्भीरतापूर्वक अध्ययन करते रहते हैं और उनसे नई तकनीकों को सीखते हैं। गुकेश ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिससे उन्हें उच्च स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा

करने का अनुभव मिला है।

उन्होंने अलग-अलग शैली के खिलाड़ियों का सामना किया है, जिससे उनकी खेल में विविधता आई है और उन्हें विभिन्न स्थितियों के लिए तैयार किया गया है। गुकेश को अपने परिवार से भरपूर समर्थन और प्रेरणा मिली है, जो उनकी सफलता में एक महत्वपूर्ण कारक है।

उनके परिवार ने उनके संघर्षों के दौरान उनका भावनात्मक रूप से समर्थन किया और उन्हें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इन सभी कारणों के संयोजन ने गुकेश को विश्व शतरंज चैंपियन बनने में मदद की है। उनकी सफलता न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह भारत में शतरंज के विकास और प्रोत्साहन का भी प्रतीक है।

इस बीच, कुछ जानकार गुकेश और पूर्व विश्व शतरंज चैंपियन विश्वनाथन आनंद की तुलना भी रहे कर रहे हैं। गुकेश और विश्वनाथन आनंद, दोनों ही भारतीय शतरंज के महान खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी शैलियों, दृष्टिकोण और खेल में कुछ समानताएं और कुछ मौलिक अंतर भी हैं।

दोनों ही खिलाड़ियों में शतरंज की असाधारण प्रतिभा है। वे जटिल स्थितियों को समझने और सटीक चाल चलने में माहिर हैं।

दोनों ही खिलाड़ी अपनी रणनीतिक गहराई के लिए जाने जाते हैं। वे न केवल तात्कालिक लाभ पर ध्यान देते हैं, बल्कि लंबी अवधि की योजनाओं को भी ध्यान में रखते हैं। दोनों ही खिलाड़ियों में दृढ़ संकल्प है और वे कभी भी हार नहीं मानते हैं। उन्होंने कई बार मुश्किल परिस्थितियों से वापसी की है और जीत हासिल की है।

दोनों ही खिलाड़ी अपनी शालीनता और खेल भावना के लिए जाने जाते हैं। वे हारने पर भी सम्मान बनाए रखते हैं। विश्वनाथन आनंद एक अनुभवी खिलाड़ी हैं जो 90 के दशक से खेल रहे हैं, जबकि गुकेश एक युवा और उभरते हुए खिलाड़ी हैं। आनंद ने कंप्यूटर युग से पहले शतरंज खेला, जबकि गुकेश का विकास कंप्यूटर के युग में हुआ है।

आनंद अपनी तेज और आक्रामक शैली के लिए जाने जाते हैं, जबकि गुकेश एक अधिक रणनीतिक और रक्षात्मक खिलाड़ी हैं। आनंद त्वरित चालों और जटिलताओं में माहिर हैं, जबकि गुकेश स्थिति को नियंत्रित करने और धैर्यपूर्वक आगे बढ़ने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

जाहिर है, आनंद के पास खेल का अधिक अनुभव है और उन्होंने कई विश्व चैंपियनशिप जीती हैं, जबकि गुकेश अभी भी अपने करियर के शुरूआती चरण में हैं। आनंद ने दशकों तक शीर्ष स्तर पर खेला है, जबकि गुकेश अभी भी वैश्विक शतरंज समुदाय में अपनी जगह बना रहे हैं।

आनंद एक अधिक सहज और रचनात्मक खिलाड़ी हैं, जबकि गुकेश अधिक व्यवस्थित और वैज्ञानिक खिलाड़ी हैं। आनंद स्वाभाविक रूप से प्रेरित होकर खेलते हैं, जबकि गुकेश अपनी तैयारी पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं।

भारत में शतरंज पहले से ही काफी लोकप्रिय है, लेकिन गुकेश जैसे युवा खिलाड़ियों के उदय से यह और भी लोकप्रिय हो सकता है।गुकेश जैसे युवा खिलाड़ियों की सफलता से युवा पीढ़ी को शतरंज में रुचि लेने की प्रेरणा मिलेगी। युवाओं के लिए एक आदर्श मॉडल होने से अधिक युवा शतरंज खेलने के लिए आकर्षित होंगे।

ऑनलाइन शतरंज प्लेटफॉर्म और कंप्यूटर विश्लेषण उपकरणों की उपलब्धता से खेल अधिक सुलभ हो गया है। इंटरनेट के माध्यम से सीखने और खेलने के विकल्पों ने शतरंज को अधिक सुविधाजनक बना दिया है। शतरंज को अब पहले से अधिक मीडिया कवरेज मिल रहा है, जिससे खेल के बारे में जागरूकता बढ़ रही है। प्रमुख समाचार चैनलों और खेल वेबसाइटों पर शतरंज की घटनाओं को कवर किया जा रहा है।

शतरंज को अब स्कूलों में एक शैक्षणिक उपकरण के रूप में मान्यता दी जा रही है, जिससे बच्चों को खेल के लाभों का अनुभव करने का अवसर मिल रहा है। स्कूलों में शतरंज को बढ़ावा देने से आने वाली पीढ़ी के लिए इसे और लोकप्रिय बनाया जा सकता है।

शतरंज में प्रायोजन में वृद्धि से खेल को और अधिक लोकप्रिय बनाने में मदद मिलेगी। प्रायोजकों द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान करने से खिलाड़ियों को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और प्रदर्शन में सुधार करने में मदद मिलेगी। गुकेश का विश्व चैंपियन बनना भारत में शतरंज को और लोकप्रिय बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया जाएगा और शतरंज में करियर बनाने के लिए एक नया रास्ता खुलेगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

## संपादकीय

# संसद में दलदल

संसद बुरी तरह निराश कर रही है। लोगों की अपेक्षाएं ध्वस्त हो रही हैं। लोक सभा में इस समय जो हो रहा है, वैसे तो वह लंबे समय से सिलसिला बना हुआ है, लेकिन अब लगता है कि संसद को, संसद की गरिमा को और संसद के प्रति जन आस्था को जिस दल-दल में फंसा दिया गया है, वहां से इसका उबरना या अपने धवल रूप में बाहर आना संभव नहीं रह गया है। संसद के इस तरह निरर्थक बना देने के लिएन कोई एक व्यक्ति जिम्मेदार है, न कोई एक दल और न कोई एक मुद्दा। हर मुद्दा विवादित, हर व्यक्ति उत्तेजित और हर दल आक्रामक है। सरकार संसद न चलने देने के लिए विपक्ष पर आरोप लगाती रहती है, और विपक्ष इसके लिए सरकार को कठघरे में खड़ा करता रहता है। सभापति या अध्यक्ष जैसे जिन पदों पर तटस्थ, निष्पक्ष और निर्णायक भूमिका में बने रहने की अपेक्षा होती है, वे ड़गमगाहट के शिकार होने लगे हैं। ऐसा पहली बार है कि राज्य सभा के सभापति के विरुद्ध विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। यह घटना अब तक के संसदीय इतिहास की अपनी तरह की पहली घटना है, और इसे काले धब्बे की तरह याद किया जाएगा। विपक्ष का आरोप है कि उपराष्ट्रपति एवं राज्य साभा के सभापति जगदीप धनखड़.विपक्ष के नेताओं को बोलने नहीं देते। नेता विपक्ष के प्रति अवांछित भाषा एवं व्यवहार को बढ़ावा देते हैं। भाजपा के प्रवक्ता के बतौर काम करते हैं। सरकार के झूठ का खंड़न नहीं करने देते। ऐसे सभापति को पद पर नहीं रहना चाहिए। सरकार इसे विपक्ष की अतिवादिता बताती है, और विपक्ष का निम्न आचरण करार देती है। सरकार और विपक्ष के बीच यह ऐसा गतिरोध है जिसका कोई समाधान नहीं है। विपक्ष को पता है कि राज्य सभा में उसके पास संख्याबल नहीं है, और अविश्वास प्रस्ताव को गिर जाना है, लेकिन शायद विपक्ष इस प्रस्ताव की भावी दुष्परिणति की कल्पना नहीं कर पा रहा है। इसने सरकार को और अधिक थेथर बना दिया है। हो सकता है कि वह अपने सभापति के किसी आचरण या विशेष कृत्य को उचित न मानती हो, लेकिन कमर कस के सभापति के पक्ष में खड़ी रहेगी और संसद चले या नहीं चले, विपक्ष की मंशा पूरी नहीं होने देगी। विपक्ष को यह प्रस्ताव लाने से बचना चाहिए था। इससे उसने न अपना भला किया है, और न संसद का, न लोकतंत्र का और न देश की जनता का।

## चिंतन-मनन

# दुख भी सहें

आज स्थिति यह है कि महात्मा बनना तो सब चाहते हैं, पर उनके अनुरूप कार्यो से जी चुराते हैं। बलिदान करने के समय हिचकिचाते हैं, वे महान कैसे बन सकते हैं। बादशाह ने सुना, मेरे राज्य में स्थान-स्थान पर रामायण का पारायण हो रहा है। उसे झुंझलाहट हुई। वह कहने लगा- मेरे शासन में राम के गीत गाए जाएं ऐसा क्यों? उत्तर मिला-यहां हिन्दुओं की संख्या अधिक है। कुछ सोचकर बादशाह बोला, समुद्र में रहते हैं मगरमच्छ से वैर। मेरे राज्य में मेरी रामायण चलेगी। बादशाह ने वाकई में अनेक पण्डितों को बुलाकर अपनी रामायण बनाने का आदेश दे दिया, पंडित असमंजस में पड़ गए। करते भी क्या? आखिर उन्हें एक उपाय सूझा। कई दिन बीतने के बाद वे बादशाह के पास गए।

बादशाह- क्या मेरी रामायण तैयार हो गई?

पंडित- जहांपनाह! रामायण करीब-करीब पूरी होने वाली है पर एक बात अधूरी है उसके बिना रामायण पूरी नहीं होगी।

बादशाह- वह क्या है?

पंडित- रामायण में राम की पत्नी सीता को रावण चुरा कर ले गया था। आपकी कौन-सी बेगम को कौन चुरा कर ले गया!

बादशाह- (प्रोध में आकर) मेरी बेगम को क्यों ले जाए? टुकड़े-टुकड़े कर दो, ऐसी रामायण मुझे नहीं चाहिए। उसने नई रामायण बनवाने का विचार त्याग दिया।

कहने का आशय यह है कि आज भी प्रायः व्यक्ति अपनी रामायण (प्रशस्ति) चाहते हैं, पर कष्ट देखना, सहना कोई नहीं चाहता। महात्मा गांधी बनने को सब तैयार हैं, लेकिन गोली खाने के लिए कौन तैयार है?

# राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस : ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता जरूरी

योगेश कुमार गोयल

ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' का आयोजन एक विशेष थीम के साथ किया जाता है। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस की इस वर्ष की थीम है 'स्थायित्व को बढ़ावा देनाः हर वाट मायने रखता है'। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। दरअसल दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है।

विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान' एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन 'ऊर्जा दक्षता ब्यूरो' स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाईट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से उल्लेख किया है कि किस प्रकार छोटे-छोटे स्तर पर ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाकर भी प्रत्येक नागरिक देश के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान में बहुत बड़ी मदद दे सकता है और इस प्रकार बड़ी मात्रा में ऊर्जा संरक्षण किया जा सकता है। अगर ऐसे ही कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई.एस.आई. चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, ए.सी., हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचण्ड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है, वहीं तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव, सिरदर्द, रक्तचाप, थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं और उनकी कार्यकुशलता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है। प्रतिवर्ष देश में हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण की बात करते समय जल की बबार्दी को रोकने पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना भी बेहद जरूरी है। न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा। देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि ऊर्जा चाहे किसी भी रूप में हो, वह उसे व्यर्थ में नष्ट न करे। अपने और आने वाली पीढ़ियों के सुखद भविष्य के लिए हमें अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण की आदतों को शामिल करना ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार तथा पर्यावरण पर चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं)

# संसद : कैसे खत्म हो गतिरोध

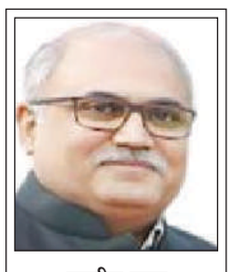

रजनीश कपूर

संसद का शीतकालीन सत्र पहले दिन से हंगामेदार बना हुआ है। विपक्ष ने सरकार को अदानी मुद्दे पर घेर रखा है। उसकी मांग है कि सरकार अदानी मुद्दे पर बयान दे कर अपना रुोख साफ करे। परंतु जैसे ही विपक्ष इस मुद्दे को उठाता है तो हल्ला मच जाने के कारण संसद के सत्र को स्थगित करना पड़ता है। राज्य सभा में भी सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है।

पिछले कुछ वर्षों से देखने में आ रहा है कि जब भी विपक्ष सरकार को भ्रष्टाचार या अन्य किसी मुद्दे पर घेरने की कोशिश करता है तो संसद का वह सत्र शोर-शराबे के बीच बर्बाद हो जाता है। विपक्षी दलों का आरोप है कि जब भी सरकार के पास उनके सवालों का कोई संतोषजनक उत्तर नहीं होता तो संसद को ठप कर देती है पर इसके लिए विपक्ष को ही जिम्मेदार ठहराती है। भ्रष्टाचार की बात करें तो दुनिया के देशों में भ्रष्टाचार के सूचकांक को जारी करने वाली संस्था 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का 28 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का धन अवैध रूप से विदेशों में जमा है। रिपोर्ट के बाद किसी भी सरकार को हरकत में आना चाहिए था और इस एजेंसी व ऐसी अन्य एजेंसियों की मदद से इस रिपोर्ट के आधार बिन्दुओं की जांच करनी चाहिए थी जिससे भ्रष्टाचार की जड़ पर कुठाराघात किया जा सकता। पर सरकार किसी भी दल की क्यों न रही हो जब-जब उससे इस बाबत पूछा गया कि उसने इस रिपोर्ट को लेकर तथ्य जानने की क्या कोशिश की तो सरकार का उत्तर था, चूंकि 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' भारत सरकार का अंग नहीं है, इसलिए उसकी रिपोर्ट पर ध्यान नहीं दिया जा सकता। यहां 2011 की एक घटना को याद करना उचित होगा। जब सत्ता पक्ष को भ्रष्टाचार के मामले में जोड़-शोर से घेरने वाली भाजपा को ही मीडिया ने घेर लिया था। मीडिया का सवाल था कि सत्ता पक्ष के खिलाफ भ्रष्टाचार की मांग करने वाली भाजपा अपनी कर्नाटक सरकार के तत्कालीन मुख्यमंत्री येदुरूप्पा के घोटालों के विषय में चुप क्यों है?

भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष नितिन गडकरी ने बड़ा ही हास्यास्पद बयान दिया था। उन्होंने कहा, 'येदुरूप्पा ने जो कुछ किया, वह अनैतिक है पर अवैध नहीं।' अब इस बयान को पढ़कर कौन ऐसा होगा जो अपना सिर न धुने यानी क्या भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व सार्वजनिक जीवन में अनैतिक आचरण को स्वीकार्य मान रहा था? यही वजह है कि उस समय की भाजपा की कथनी-करनी में भ्रष्टाचार से लड़ने और उसे समाप्त करने की कोई मंशा दिखाई नहीं दी। सारा शोर राजनैतिक लाभ उठाने को मचाया गया। जनता को संदेश दिया गया कि विपक्ष भ्रष्टाचार के विरूद्ध है, जबकि हकीकत यह है कि भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा भाजपा नेतृत्व भ्रष्टाचार से लड़ना ही नहीं चाहता था। इसलिए उस समय का विपक्ष जेपीसी की मांग पर अड़ा हुआ था जिसका कोई हल निकलने वाला नहीं था और उस समय का गतिरोध यूं ही चलता रहा। न सिर्फ भ्रष्टाचार व अन्य मामलों को लेकर सरकार पर, बल्कि चुनाव आयोग पर भी चुनावों की प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप लग रहे हैं। चुनाव बाद सरकार चाहे किसी भी दल की क्यों न बने। चुनाव कराने वाली सर्वोच्च संविधानिक संस्था भारत निर्वाचन आयोग हर चुनाव को पारदर्शिता से कराना चाहिए। यह बात बीते महीनों से विपक्षी दल और अन्य जागरूक नागरिक कर रहे हैं। चुनाव आयोग की प्राथमिकता होनी चाहिए कि हर दल को पूरा मौका दिया जाए और निर्णय देश की जनता के हाथों में छोड़ दिया जाए।

बीते कुछ समय से चुनाव आयोग पर पहले ईवीएम को लेकर और फिर वीवीपैट को लेकर और चुनावी आंकड़ों को लेकर काफी विवाद चल रहा है। हर विपक्षी दल ने एक सुर में आवाज लगाई कि ईवीएम को हटा कर बैलट पेपर पर ही चुनाव कराया जाए परंतु देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश देते हुए अधिक सावधानी बरतने को कहा और ईवीएम को जारी रखा। 'इंडिया' गठबंधन अगर सोचता है कि वो देश में अदानी मुद्दे और ईवीएम के

मुद्दे पर 'बोफोर्स' जैसा माहौल बना लेगा तो संभव नहीं लगता। कारण, बोफोर्स के समय नेतृत्व देने के लिए विश्वनाथ प्रताप सिंह जैसी साफ छवि वाला नेता मौजूद था और आज के राजनेताओं में ऐसा एक भी चेहरा नहीं जिसे जनता बेदाग मानती हो। जब नेतृत्व में ही जनता का विश्वास नहीं तो ऐसे मुद्दों पर जन आंदोलन कैसे बनेगा?

हां अगर विपक्ष एकजुट होकर किसी साफ छवि वाले नेता को अपना नेतृत्व सौंपता है, तब संभावना अवश्य है कि जनता का कुछ विश्वास हासिल किया जा सके पर इसमें भी पेच है। ऐसे नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकारने में सभी विपक्षी दल मानसिक रूप से तैयार हों। परंतु देश की संसद में गतिरोध पैदा करके सिवाय करदाता के पैसे की बबार्दी के अलावा कुछ नहीं हो रहा। इसलिए सत्ता पक्ष और विपक्ष को इस गतिरोध को जल्द से जल्द खत्म कर देना चाहिए।

## नुकसान भी पहुंचा सकता है
# हल्दी वाला दूध

हल्दी वाला दूध पीकर ज्यादातर लोग अपनी ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक इम्प्रूव कर सकते हैं। लेकिन कुछ लोगों के लिए हल्दी वाला दूध नुकसानदायक साबित हो सकता है। लोग दादी-नानी के जमाने से हल्दी वाले दूध को सेहत के लिए वरदान मानते हैं। हालांकि, ज्यादा हल्दी वाला दूध पीने से आपकी सेहत पर पॉजिटिव असर की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है। आइए जानते हैं कि किन लोगों को हल्दी वाला दूध पीने से बचना चाहिए।

### गैस से जुड़ी समस्या पर पड़ सकता है बुरा असर

जिन लोगों को गैस या फिर ब्लोटिंग जैसी पेट से जुड़ी समस्या रहती है, उन्हें हल्दी वाले दूध को अपनी डाइट का हिस्सा नहीं बनाना चाहिए। हल्दी वाले दूध में पाए जाने वाले तत्व आपकी इस समस्या को बढ़ाने का काम कर सकते हैं। इसके अलावा डायबिटीज जैसी साइलेंट किलर बीमारी के मरीजों को भी डॉक्टर की सलाह लिए बिना हल्दी वाला दूध नहीं पीना चाहिए।

### ब्लड प्रेशर के पेशेंट्स

अगर आपको अक्सर लो ब्लड प्रेशर रहता है, तो आपके लिए हल्दी वाला दूध काफी ज्यादा हानिकारक साबित हो सकता है। हल्दी वाला दूध ब्लड प्रेशर को और ज्यादा लो कर सकता है। इसके अलावा अगर आपको दूध से एलर्जी है, तो भी आपको हल्दी वाले दूध को अपने डाइट प्लान में शामिल करने से बचना चाहिए वरना आपकी सेहत को लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

### गौर करने वाली बात

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बरसाती मौसम में भी हल्दी वाला दूध पीने से बचना चाहिए। आयुर्वेद के मुताबिक हल्दी वाला दूध आपके लिए तभी फायदेमंद साबित हो सकता है, जब आप इसका सेवन लिमिट में रहकर करें। दरअसल, किसी भी चीज को जरूरत से ज्यादा मात्रा में कंज्यूम करने से आपकी सेहत बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

### काफी ज्यादा दर्दनाक हो सकती है
# विटामिन डी की कमी

शरीर में पोषक तत्वों की कमी सेहत को बुरी तरह से डैमेज कर सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन डी का नाम भी पोषक तत्वों की इस लिस्ट में शामिल किया जाता है। अगर आपके शरीर में विटामिन डी की कमी पैदा हो जाए, तो आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं। विटामिन डी की डेफिशिएंसी आपकी बॉडी को अंदर से खोखला कर सकती है। हालांकि, आप हेल्दी लाइफस्टाइल और खानपान को फॉलो कर इस विटामिन की कमी को पैदा होने से रोक सकते हैं।

अगर आप अपने शरीर में इस विटामिन की कमी को पैदा होने से रोकना चाहते हैं तो आपको अपने डाइट प्लान में खाने की कुछ चीजों को जरूर शामिल कर लेना चाहिए। फिश, अंडा और मशरूम खाने से आप विटामिन डी की डेफिशिएंसी के पैदा होने के खतरे को कम कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि सोया में भी विटामिन डी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है इसलिए इसे भी डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है।

**स्वाद में कड़वा जहर जैसा लगने वाला करेला सेहत के लिए वरदान से कम नहीं है। कुछ लोगों को करेला खाना बिल्कुल पसंद नहीं होता है। क्योंकि इसका स्वाद कड़वा होता है। आपको बता दें जितना कड़वा करेला स्वाद में होता है शरीर के लिए उतना ही ज्यादेमंद है। दरअसल करेला में ऐसे पोषक तत्त्व पाए जाते हैं जो डायबिटीज और कई दूसरी बीमारियों में असरदार काम करते हैं। भले ही सब्जी के रूप में करेला आपको पसंद न हो लेकिन इसे दवा समझकर ही अपनी डाइट में शामिल कर लें। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो करेले का उपयोग सिर्फ खाने में ही नहीं बल्कि लगाने में भी किया जाता है। आइये जानते हैं करेला कौन सी बीमारियों में फायदा करता है और इसका सेवन कैसे करें?**

# स्वाद में कड़वा लेकिन गुणों की खान है करेला

### डैंड्रफ दूर

झकुछ लोगों को डैंड्रफ यानि रूसी की समस्या रहती है। उनके लिए करेला का रस फायदेमंद हो सकता है। डैंड्रफ हटाने के लिए आप करेले के जूस का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए करेले के पत्तों का रस निकालकर बालों पर लगा लें। आप इस जूस में थोड़ी हल्की मिलाकर उपयोग करें डैंड्रफ से छुटकारा मिल जाएगा।

### सिरदर्द में आराम

झअगर आपको हमेशा सिरदर्द की परेशानी होती है तो आप करेले की पत्तियों को पीस कर इसका रल सिर में लगाएं। इस रस को अपने माथे पर लगा लें और सिर पर मालिश जैसी कर लें। काफी राहत मिलेगी।

### मुंह के छाले दूर करे

अक्सर गर्मियों में मुंह में छाले हो जाते हैं। जिससे खाने पीने में परेशानी होती है। ऐसे में आप कई तरह के नुस्खों का उपयोग करते है, लेकिन उनका कोई खास आराम नहीं मिलता है। आप एक बार करेले का रस छालों पर लगा लें। इससे काफी फायदा मिलेगा। रस लगाने के बाद लार को बाहर निकलने दें और कुछ देर मुंह खोलकर लटकाए रखें। छाले 1 दिन में ही ठीक हो जाएंगे।

### पथरी दूर करे

झ करेले का जूस पीने से पथरी के मरीज को आराम मिलता है। जिन लोगों को पथरी की परेशानी है, उन्हें करेले का रस जरूर पीना चाहिए। इससे पथरी को नेचुरली निकालने में मदद मिलती है।

### घुटनों के दर्द में फायदेमंद

जिन लोगों को अक्सर घुटनों में दर्द होता रहता है। ऐसे लोग भी करेला का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए कच्चे करेले को आग में भून लें। अब करेला को मसल लें और रुई में लपेट कर घुटने में बांध लें। इससे जोड़ों और घुटने के दर्द में काफी आराम मिलेगा।

# लटकती तोंद
## हो जाएगी अंदर, बस रात को पिएं ये 5 ड्रिंक्स

हमारी लाइफस्टाइल के कारण बेली फैट बढ़ना एक आम समस्या बन चुकी है। कई लोग पेट की चर्बी बढ़ने की समस्या से परेशान रहते हैं। इसके लिए वे कई तरह की डाइट भी ट्राई करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ ऐसी ड्रिंक्स हैं, जिन्हें रात के समय पीने से बेली फैट कम करने में काफी मदद मिल सकती है। यहां हम उन्हीं ड्रिंक्स के बारे में जानेंगे, जो आपके पेट पर जमा जिद्दी चर्बी को पिघलाने में आपकी मदद कर सकते हैं। आइए जानें क्या हैं वे ड्रिंक्स।

ये ड्रिंक्स नेचुरल चीजों से बनती हैं, जो मेटाबॉलिज्म को तेज बनाने में मदद करते हैं। इसलिए इन्हें पीने से फैट बर्न करने में सहायता मिलती है और पाचन भी दुरुस्त रहता है। इन कारणों से ये ड्रिंक्स बेली फैट घटाने में काफी फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

### सोने से पहले कौन-से ड्रिंक्स पेट कम करने में मदद कर सकते हैं?

ग्रीन टी- ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट्स और कैटेचिन होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ाते हैं और फैट बर्निंग को बढ़ावा देते हैं। सोने से पहले एक कप ग्रीन टी पीने से आपको रात भर कैलोरी बर्न करने में मदद मिल सकती है।

अदरक की चाय- अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। यह पाचन को बेहतर बनाता है और पेट की चर्बी कम करने में मदद करता है। सोने से पहले एक कप अदरक की चाय पीने से आपको रात भर आरामदायक नींद आएगी।

दालचीनी पानी- दालचीनी में मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने वाले गुण होते हैं। यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी मदद करता है। सोने से पहले एक गिलास गर्म पानी में थोड़ी-सी दालचीनी पाउडर मिलाकर पीने से आपको वजन कम करने में मदद मिल सकती है।

नींबू पानी- नींबू में विटामिन-सी होता है, जो इम्युनिटी को बढ़ाता है और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है। सोने से पहले एक गिलास गर्म पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने से आपको डिटॉक्सिफिकेशन में मदद मिल सकती है।

पुदीने की चाय- पुदीना पाचन को बेहतर बनाता है और पेट की गैस को कम करता है। सोने से पहले एक कप पुदीने की चाय पीने से आपको आरामदायक नींद आएगी।

बेली फैट कम करने के लिए कौन-सी ड्रिंक्स पीने से बचना चाहिए?

शराब- शराब पीने से कैलोरी की मात्रा बढ़ जाती है और वजन बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है।

कॉफी और चाय- कॉफी और चाय में कैफीन होता है, जो नींद आने में बाधा बन सकती हैं, जिस वजह से वजन बढ़ सकता है।

कार्बोनेटेड ड्रिंक्स- कार्बोनेटेड ड्रिंक्स में शुगर और कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे वजन बढ़ सकता है।

पैकेट वाले जूस- जूस में फ्रक्टोज होता है, जो वजन बढ़ने का कारण बन सकता है।

## सर्दी में नुकसानदायक साबित हो सकती हैं खाने की ये चीजें

सर्दियों में लोगों को अक्सर सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। खांसी के साथ-साथ कफ और बलगम भी लोगों की उलझन का कारण बन जाता है। क्या आप जानते हैं कि खाने की कुछ चीजों का सेवन करने की वजह से बलगम की समस्या बढ़ सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक हिस्टामाइन से भरपूर फूड आइटम्स बलगम के प्रोडक्शन को बढ़ा सकते हैं। यही वजह है कि बलगम की समस्या से जूझ रहे लोगों को इन चीजों को खाने से बचना चाहिए।

**मेयोनीज-** अगर आप बलगम की समस्या को बढ़ने नहीं देना चाहते, तो आपको मेयोनीज का सेवन नहीं करना चाहिए। मेयोनीज आपकी बॉडी में हिस्टामाइन रिलीज करने का कारण बन सकती है जिसकी वजह से बलगम की समस्या बढ़ सकती है।

**खट्टे फल-** हेल्थ एक्सपर्ट्स सर्दी, खांसी और जुकाम से जूझ रहे मरीजों को खट्टे फल न खाने की सलाह देते हैं। खट्टे फलों को खाकर गले से जुड़ी समस्याएं काफी हद तक बढ़ सकती हैं।

**चॉकलेट/कॉफी-** क्या आप जानते हैं कि चॉकलेट या फिर कॉफी जैसी चीजें बलगम के प्रोडक्शन बढ़ाने का काम कर सकती हैं। इसके अलावा आपको प्रोसेस्ड मीट्स का सेवन करने से भी बचना चाहिए वरना आपकी बलगम की समस्या काफी ज्यादा बढ़ सकती है।

**तला हुआ खाना-** आपकी जानकारी के लिए बता दें कि तला हुआ खाना भी बलगम की समस्या को बढ़ाने का काम कर सकता है। इसलिए सर्दी, खांसी या फिर जुकाम जैसी समस्याओं को ठीक करने के लिए तला हुआ खाना न खाएं।

**दही-** अगर आप बलगम की समस्या से जूझ रहे हैं, तो आपको दही को अपनी डेली डाइट में शामिल करने से बचना चाहिए। दही बलगम के प्रोडक्शन को बढ़ाने का काम करता है जिसकी वजह से आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

## यूरिक एसिड कंट्रोल करने में ये जड़ी-बूटी है फायदेमंद

भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग हल्के-फुल्के दर्द को गंभीरता से न लेते हुए नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसा ही एक दर्द है, पैरों की एड़ी में अचानक शुरू हुआ दर्द और उससे जुड़ी हुई सूजन, जिसकी मुख्य वजह है बढ़ा हुआ यूरिक एसिड। अगर समय रहते इसे कंट्रोल न किया जाए तो कई स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं, जैसे, गठिया, शुगर, जोड़ों से दर्द, सूजन आदि शामिल हैं। यहां तक की किडनी में स्टोन और किडनी के फेल होने का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए यूरिक एसिड को कंट्रोल करना बेहद ही जरूरी होता है। ऐसे में दवाइयों के अलावा कुछ आयुर्वेद अपनाने के साथ ही खान-पान में थोड़े बदलाव कर आप यूरिक एसिड के लेवल को कम कर सकते हैं। इसी आयुर्वेद में से एक गिलोय है। आइए जानते हैं गिलोय किस तरह से यूरिक एसिड के लेवल को कम करने में असरदार है।

### यूरिक एसिड कंट्रोल करेगा गिलोय-

गिलोय एक आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है। ये कई बीमारियों में असरदार है। अगर आप यूरिक एसिड की समस्या से जूझ रहे हैं तो गिलोय इस समस्या को भी कंट्रोल करने में कारगर है। इसमें गिलोय में अधिक मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्व पाएं जाते हैं जो यूरिक एसिड के लक्षणों को कम करता है। इसके लिए बस आपको इसके इस्तेमाल के सही तरीके की जानकारी होनी चाहिए।

### यूरिक एसिड से पीड़ित मरीज इस तरह करें गिलोय का इस्तेमाल

रोजाना गिलोय का इस्तेमाल करना लाभकारी होगा। इसके लिए सबसे पहले गिलोय की ताजी पत्तियों और तने को तोड़ लें। उसके बाद इसे रात भर भिगोकर रख दें। अगले सुबह इसे पीस लें। उसके बाद 1 गिलास पानी और इस पाउडर को पैन में डालें और गैस पर चढ़ा दें। अब इसे आधा होने तक उबालें। उसके बाद इसे छानकर पी लें।

# सर्दी में रोज दूध के साथ खाएं एक गोंद का लड्डू

सर्दियों का मौसम आ चुका है। ठंड के मौसम में शरीर को गर्म और तंदुरुस्त रखना जरूरी होता है, ताकि सर्दियों में होने वाली बीमारियों से बचा जा सके। इसलिए इस मौसम में गोंद के लड्डू खाना काफी फायदेमंद होता है।

गोंद में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिसके कारण ये सेहत के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं।

साथ ही, इससे बने लड्डुओं में घी और सूखे मेवे यानी ड्राई फ्रूट्स भी डाले जाते हैं, जो शरीर को गर्म रखते हैं और पोषण देते हैं। इसलिए सर्दी के मौसम में रोज एक गोंद के लड्डू खाना आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। यहां हम गोंद के लड्डू बनाने की रेसिपी बताने वाले हैं, जिसे फॉलो करके आप आसानी से घर पर इन्हें बना सकते हैं।

### गोंद के लड्डू बनाने की विधि

सामग्री - गोंद - 100 ग्राम
सूखा मेवा (बादाम, काजू, किशमिश) - 100 ग्राम
घी - 100 ग्राम, गेहूं का आटा - 250 ग्राम
चीनी - 200 ग्राम, इलायची पाउडर - 1/2 चम्मच
सूखी अदरक पाउडर - 1/4 चम्मच
एक पैन में घी गर्म करें और उसमें गोंद डालकर सुनहरा होने तक भून लें।
एक अलग पैन में सूखे मेवे को हल्का-सा भून लें।
एक कड़ाही में गेहूं का आटा हल्का सुनहरा होने तक भून लें।
भूने हुए गोंद, सूखे मेवे, आटा, चीनी, इलायची पाउडर और सूखी अदरक पाउडर को एक बर्तन में मिला लें।
इस मिश्रण में थोड़ा-थोड़ा घी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और फिर छोटे-छोटे लड्डू बना लें।
लड्डू को ठंडा करके एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें।

### गोंद के लड्डू खाने के फायदे

हड्डियों को मजबूत बनाते हैं- गोंद में कैल्शियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

जोड़ों के दर्द में आराम- गोंद में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

पाचन तंत्र को दुरुस्त करते हैं- गोंद पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है और कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है।

इम्युनिटी बढ़ाते हैं- गोंद में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो इम्युनिटी को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

सर्दी-खांसी में लाभकारी- गोंद गले की खराश और खांसी में आराम दिलाता है।

एनर्जी देते हैं- गोंद में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जो शरीर को एनर्जी देते हैं।

किन लोगों को गोंद के लड्डू नहीं खाने चाहिए?

डायबिटीज के मरीज- चीनी की मात्रा ज्यादा होने के कारण डायबिटीज के मरीजों को गोंद के लड्डू सीमित मात्रा में या नहीं ही खाने चाहिए।

मोटापे से पीड़ित लोग- कैलोरी की मात्रा ज्यादा होने के कारण मोटापे से पीड़ित लोगों को गोंद के लड्डू कम मात्रा में ही खाने चाहिए।

## लो इम्यूनिटी को तेजी से बूस्ट करता है गुड़

खांसी जुकाम में गुड़ खाने के फायदे- मौसमी इंफेक्शन और खांसी जुकाम में अक्सर कहा जाता है गुड़ खा लो। आज से नहीं दादी-नानी के जमाने से गुड़ को इम्यूनिटी बूस्टर फूड्स के रूप में देखा जाता है। लोग इसे अजवाइन के साथ लेते हैं। गुड़ का शरबत पीते हैं, गुड़ की चाय लेते हैं और फिर आप गुड़ को गर्म पानी के साथ कई प्रकार से ले सकते हैं। पर समझने वाली बात ये है कि गुड़ इम्यूनिटी बूस्ट क्यों और कैसे, जानते हैं इसके तमाम उन खास गुणों के बारे में जो हमें बीमारियों से बचा सकते हैं। गर्मी पैदा करता है गुड़- गुड़ की खास बात ये है कि इसे खाने से शरीर में गर्मी बढ़ती है। ये आपके शरीर के तमाम अंगों को एनर्जी देता है और मौसमी बदलाव के साथ शरीर को बीमारियों से बचाने में मदद करता है। इसके अलावा ये शरीर के बाहरी और अंदरूनी तापमान के बीच एक संतुलन बनाने में मदद करता है जिससे आप अचानक मौसम में आए बदलाव के कारण बीमार नहीं पड़ते। गुड़ है एंटी इंफ्लेमेटरी है- गुड़ एंटी बैतक्टीरियल गुणों से भरपूर है और शरीर में सूजन को रोकने मे मदद करता है। इस वजह से सर्दी-जुकाम में इसे खाना फायदेमंद हो जाता है। इससे गले की खराश समेत कई समस्याओं में कमी आती है। इसके अलावा सिर दर्द और कमजोरी में भी ये मददगार है क्योंकि गुड़ में आयरन है और ये आयरन रेड ब्लड सेल्स को बढ़ावा देता है।

गुड़ इम्यूनिटी बूस्टर है- गुड़ एंटीबैक्टीरियल है। ये टी सेल्स को बढ़ावा देता है और शरीर को मौसमी इंफेक्शन से बचाता है। इससे होता ये है कि आप कई मौसमी बीमारियों से बचे रहते हैं। जैसे अचानक से फ्लू होना। सूखी खांसी और कफ की समस्या में भी गुड़ का सेवन करना कई प्रकार से फायदेमंद है। तो, सर्दियां आ रही हैं तो अपनी डाइट में गुड़ को शामिल कर लें।

## संक्षिप्त खबरें

### जॉलीवुड इंडस्ट्रीज के सीएमडी को भेजा गया जेल

**मुंगेर।** करोड़ों रुपये लोगों से ठगने वाला जॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के सीएमडी जितेंद्र कुमार राजीव का रिमांड अवधि शुक्रवार को खत्म हो गया। क्योंकि न्यायालय से रिमांड की अवधि विस्तार नहीं मिल सका। जिसके कारण ठग सीएमडी को पुलिस ने वापस जेल भेज दिया। बताया जाता है कि गुरुवार को न्यायालय के आदेश पर मुंगेर पुलिस ने जॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के सीएमडी जितेंद्र कुमार राजीव को 24 घंटे के रिमांड पर लिया। इस दौरान जहां एसपी इमरान मसूद ने उससे अपने कार्यालय कक्ष में घंटों पूछताछ की।

### पुलिस की टीम पर हमला, एक गिरफ्तार

**खैरा (जमुई)।** थाना क्षेत्र के नवडीहा महादलित टोला में बीते गुरुवार देर शाम शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची एंटी लिकर टास्क फोर्स (एएलटीएफ) की टीम पर शराब तस्करों और उनके समर्थकों ने पथराव कर दिया। इस दौरान शराब तस्करों ने पुलिस को घेरने का भी प्रयास किया, लेकिन अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंची और उसे वहां से खदेड़ दिया गया। इस दौरान पुलिस ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार भी किया है।

### सीमेंट फैक्ट्री में मजदूर की मौत के बाद तोड़फोड़

**ताजपुर (समस्तीपुर)।** बंगरा थाने की गौसपुर सरसौना पंचायत स्थित ड्यूराटन सीमेंट फैक्ट्री में गुरुवार को देर रात ट्रक से ऑटोमेटिक मशीन से सामान उतारने के क्रम में दबने से मजदूर की मौत हो गयी। उसकी पहचान झारखंड के पलामू जिले के चेचरिया निवासी भोला चंद्रवंशी के पुत्र सूर्यकांत कुमार (22) के रूप में की गयी है। घटना के बाद ग्रामीणों ने शव के साथ फैक्ट्री परिसर में जमकर हंगामा किया। तोड़फोड़ शुरू कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भीड़ पर काबू पाने के लिए लाठियां भांजी। इस दौरान उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव भी किया। बताया गया है कि सूर्यकांत के परिजनों को 10 लाख रुपये व एक सदस्य को नौकरी देने पर सहमति के बाद प्राथमिकी दर्ज कर शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया।

### ट्रेन की चपेट में आने से इंजीनियर की मौत

**मोहनिया (कैमूर)।** गया-डीडीयू मंडल के मुठानी स्टेशन के समीप गुरुवार की रात रेलवे ट्रैक की मरम्मत के दौरान राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से भभुआ रोड स्टेशन के सीनियर सेक्शन इंजीनियर की मौत हो गयी। यह घटना मुठानी स्टेशन के समीप गुरुवार की रात करीब 12 बजे हुई। डाउन में रेललाइन क्रैक होने से मालगाड़ी खड़ी होने की सूचना पर सीनियर सेक्शन इंजीनियर नारायण शर्मा अपने कर्मी के साथ मरम्मत करने गये थे। पटरी की मरम्मत के बाद रिवर्सेबल लाइन के पास, तभी राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गये, जिससे मौके पर ही मौत हो गयी।

# बीपीएससी अभ्यर्थी को पटना के डीएम ने जड़ दिया थप्पड़

- अभ्यर्थी धांधली और पेपर लीक का कर रहे थे विरोध

प्रातः नागपुरी संवाददाता



**पटना।** बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं संयुक्त प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा खत्म होने के बाद से अभ्यर्थियों का हंगामा जारी है। पटना के बापू धाम एग्जाम सेंटर पर परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों ने परीक्षा में धांधली और पेपर लीक का गंभीर आरोप लगाया है। हंगामे की जानकारी मिलते ही पटना के डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह एग्जाम सेंटर पहुंचे, जहां उन्होंने एक अभ्यर्थी को थप्पड़ जड़ दिया।

दरअसल, पटना के बापू धाम एग्जाम सेंटर पर 11 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी बीपीएससी 70वीं प्रीलिम्स एग्जाम देने पहुंचे। परीक्षा खत्म होने के बाद अभ्यर्थियों ने हंगामा कर दिया। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि पेपर की सील पहले से खुली हुई थी, पेपर आधे घंटे की देरी से मिला। वहीं कुछ अभ्यर्थियों ने पेपर लीक का भी आरोप लगाया। हंगामे के बाद पटना के डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह एग्जाम सेंटर पर पहुंचे थे।

पुलिस बल बापू धाम एग्जाम सेंटर के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को हटाने में जुटी थी। इसी दौरान डीएम चंद्रशेखर सिंह एक अभ्यर्थी की ओर बढ़े और अचानक थप्पड़ जड़ दिया। वहां मौजूद कुछ लोगों ने इस घटना की वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

**परीक्षा में देर क्यों हुई? डीएम ने दी जानकारी :** पटना के डीएम के मुताबिक, परीक्षा केंद्र में एक हॉल के अंदर बैठने वाले अभ्यर्थियों की संख्या और एक बॉक्स में आने वाले प्रश्न पत्र की संख्या के कारण थोड़ी भ्रम की स्थिति बनी। कुछ अभ्यर्थियों ने इस पर आपत्ति जताई कि एक हॉल से दूसरे हॉल में प्रश्न पत्र क्यों भेजा जा रहा है। इस वजह से प्रश्न पत्र बांटने में भी देरी हुई। जिन छात्रों को देरी से प्रश्न पत्र दिया गया उन्हें अतिरिक्त समय भी उपलब्ध कराया गया।

### डीएम ने बताया क्यों कनफ्यूज हुए अभ्यर्थी

पटना के डीएम ने कहा कि एक एग्जाम रूम में 273 अभ्यर्थियों का सीटिंग प्लान था, इस लिहाज से 288 प्रश्न पत्र आने चाहिए थे (12-12 के सेट में एनवलप होता है), लेकिन एक बॉक्स में केवल 192 प्रश्न पत्र ही आए। इसलिए एक हॉल में पेपर खोलने के बाद दूसरे हॉल से भी लेना पड़ा और दूसरे हॉल में खोलने के बाद तीसरे से भी लेना पड़ा। इस दौरान जब प्रश्न पत्र का पैकेट एक हॉल से दूसरे हॉल जा रहा था उस पर कुछ अभ्यर्थियों ने सवाल उठाए। इस दौरान एग्जामिनर ने अभ्यर्थियों को समझाने की कोशिश की, जिसमें 10 से 15 मिनट का समय लगा। हालांकि अभ्यर्थियों से कहा गया कि जितनी देरी हो रही उतना ही अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा।

# पटना में शंकर नेत्रालय खोलने का हुआ करार



- 75 प्रतिशत का मुफ्त इलाज

**पटना।** राजधानी पटना में शंकर नेत्रालय खुलने का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने शुक्रवार को सीएम सचिवालय स्थित "संवाद" में स्वास्थ्य विभाग और शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया, कोयम्बटूर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। इसका मकसद पटना में अतिविशिष्ट नेत्र अस्पताल का निर्माण और संचालन करना है। अस्पताल बनाने के लिए पटना के कंकड़बाग में 1.60 एकड़ जमीन एक रुपये की टोकन राशि पर सशर्त लीज पर देने की मंजूरी कैबिनेट ने तीन दिसंबर 2024 को ही दे दी है। अस्पताल में 75% मरीजों का इलाज मुफ्त और 25% का शुल्क सहित होगा। ढाई लाख रुपये प्रति वर्ष से कम आयवाले परिवार निःशुल्क चिकित्सा पा सकेंगे। इसमें आंख के सामान्य इलाज के साथ-साथ कॉर्नियोप्लास्टी, रेटिना डिटैचमेंट और आंख के कैंसर जैसी जटिल बीमारियों का भी इलाज हो सकेगा। इस अस्पताल के तैयार हो जाने के बाद बिहार के लोगों को आंख के इलाज के लिए बाहर के राज्यों जैसे चेन्नई आदि जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

## मां-बेटे को समझाने गये युवक की गोली मार हत्या

**फुलपरास (मधुबनी)।** नरहिया थाने के भपटियाही में मां-बेटे के विवाद में बीच बचाव करने गये पड़ोसी युवक की गोली मार हत्या कर दी। उसकी पहचान उसी गांव के गणेश कुमार राय के पुत्र रोहन कुमार राय (20) के रूप में की गयी है। घटना गुरुवार को देर शाम की है।

जानकारी के मुताबिक भपटियाही निवासी रामू राय का पुत्र वरूण कुमार उर्फ कारी गुरुवार की शाम अपनी मां के साथ लड़ाई-झगड़ा व मारपीट कर रहा था। विवाद काफी अधिक होने लगा, तो पड़ोसी रोहन कुमार राय बीच बचाव करने गया। इस बीच अचानक वरुण कुमार ने रोहन कुमार को गोली मार दी। जानकारी होते ही परिजन उसे अनुमंडलीय अस्पताल लेकर गये।

## महिला का हाथ चबा गया भालू, दूसरे हाथ को तोड़ा

**गौनाहा (पचं)।** सहोदरा थाने के देवाड गांव की एक महिला पर भालू ने हमला कर बुरी तरह जख्मी कर दिया। उसके परिजनों ने रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने बेतिया रेफर कर दिया है।

बताया जा रहा है कि शुक्रवार को सुबह में चंदन दहित की पत्नी निराशा देवी (32) गांव के बगल में सैनिक रोड पर टहल रही थी। इसी दौरान गन्ने के खेत से निकलकर भालू ने अचानक हमला कर दिया। भालू ने महिला के एक हाथ को तोड़ दिया है। दूसरे हाथ को पूरी तरह से चबा कर खा गया है। महिला के चीखने चिल्लाने पर आसपास के ग्रामीण बचाव के लिए पहुंचे।

## पेज एक का शेष

### नए साल से...

प्रत्येक बंगले का क्षेत्रफल 16321 वर्गफीट है, जिसमें करीब 8000 वर्गफीट में निर्माण हुआ है। हर बंगले को दो हिस्सा में बनाया गया है। सुरक्षा जांच के बाद ही आगंतुकों को प्रवेश की अनुमति : अत्याधुनिक सुविधा से लैस इस परिसर में 11 दो तल के डुप्लेक्स बनाए गए हैं, जिसमें आवासीय कार्यालय, प्रतीक्षालय के अलावे शौचालय, पैंट्री कक्ष, डाइनिंग हॉल आदि शामिल हैं। वास्तु को ध्यान में रखकर तैयार किए जा रहे इस बंगले में आने वाले हर आगंतुक पर नजर रखी जाएगी। मुख्य द्वार पर सुरक्षा जांच के बाद ही प्रवेश की अनुमति बाहरी व्यक्तियों की होगी। बहरहाल काम तेजी से चल रहा है, फिनिशिंग का काम इस महीने के अंत तक पूरा कर लेने का लक्ष्य रखा है।

### अल्लू अर्जुन गिरफ्तार...

**जेल में ही कटेगी रात :** डीसीपी टास्क फोर्स ने बयान दिया है कि अल्लू अर्जुन आज रात जेल में ही बिताएंगे। शनिवार सुबह रिहाई की उम्मीद है। हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत मिली है, लेकिन कागजात जेल पहुंचने पर भी आज रिहाई नहीं होगी। देर शाम अल्लू अर्जुन को हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई। बावजूद इसके अब तक अभिनेता की रिहाई नहीं हो सकी है। वहीं, अल्लू के पिता भी अब घर लौट चुके हैं। इससे यह कयास लगाया जा रहा है कि अभिनेता आज रात जेल में ही बिताएंगे। खबर है कि जेल प्रशासन उनके लिए बैरक तैयार करा रहा है। इसी बीच अभिनेता के कोर्ट रूम से एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

### झारखंड में जल्द...

राज्य स्तर पर शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिए काम किया जा रहा है, क्योंकि केवल मजबूत नींव से ही शैक्षणिक गुणवत्ता बेहतर हो सकती है।

शिक्षा की गुणवत्ता से समझौता नहीं : रामदास सोरेन ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे शिक्षा की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करें। उन्होंने स्कूलों में शिक्षकों की लेटलतीफी को लेकर कड़ी चेतावनी दी और कहा कि कोई बहाना नहीं चलेगा, शिक्षकों को समय पर स्कूल आना होगा। बैठक में कई खामियां सामने आयीं, जिसमें सुधार के लिए 15 दिनों में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक होगी, जिसमें अधिकारियों से जवाब-तलब होगा। स्थानीय परिसदन में मंत्री ने निबंधन विभाग के अधिकारी व टाटा मोटर्स कंपनी के अधिकारियों से भी विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की।

स्कूलों में क्षेत्रीय भाषाओं में होगी पढ़ाई : मंत्री ने कहा कि जल्द ही स्कूलों में क्षेत्रीय भाषाओं में पठन-पाठन की शुरुआत होगी। इसके लिए क्षेत्रीय भाषाओं के शिक्षकों की नियुक्ति जल्द ही होगी। इस दिशा में पहल शुरू कर दी गयी है। उन्होंने कहा कि सरकारी और निजी स्कूलों के बीच की दूरियों को कम किया जाएगा, ताकि शिक्षा में समानता सुनिश्चित हो। सरकारी स्कूलों में आधुनिक शिक्षा पद्धति को अपनाया जाएगा, जिससे बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। इससे छात्रों को भविष्य में किसी भी प्रकार की बाधा का सामना करने में मदद मिलेगी।

बंद 400 स्कूलों को खोलेगी सरकार : उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकार ने जिले में लगभग 400 स्कूलों को बंद करवा दिया था। हमारी सरकार उन स्कूलों को फिर से खोलने की दिशा में पहल कर रही है। इन स्कूलों के खुलने से शिक्षा के स्तर को सुधारने में मदद मिलेगी और बच्चों को नजदीकी स्कूलों में पढ़ाई का अवसर मिलेगा। यह पहल शिक्षा को सुलभ और प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम है। इससे बच्चों को बेहतर भविष्य मिलेगा।

प्राचार्य को शोकॉज करने का निर्देश : मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि वे सुबह में टेल्को के घोड़ाबांधा स्थित निर्मल महतो उच्च विद्यालय में निरीक्षण के लिए गये थे। उसमें 500 बच्चे हैं। लेकिन नियमित रूप से 300 बच्चे ही आते हैं। बाकी के 200 बच्चे किन कारणों से स्कूल नहीं आ रहे हैं, इसे स्कूल प्रबंधन को गंभीरता से लेना चाहिए था और बच्चों के परिवार से संपर्क कर कारणों का पता लगाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि विभाग के माध्यम से स्कूल के प्राचार्य को शोकॉज करने को कहा है। साथ ही रिपोर्ट देने को कहा है।

ड्रॉप बच्चों की बढ़ रही संख्या चिंतनीय : उन्होंने कहा कि स्कूल में ड्रॉप बच्चों की संख्या बढ़ रही है। इसको हर हाल में कम करना होगा। स्कूल प्रबंधन को भी अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करना होगा। इस तरह की कार्यशैली से शिक्षा में सुधार संभव नहीं है। मंत्री दोपहर में साकची स्थित सीएम स्कूल ऑफ एक्सेलेंस भी निरीक्षण के लिए गये। स्कूल की शैक्षणिक स्थिति के संबंध में प्रिंसिपल से जानकारी ली। उन्होंने स्कूल प्रबंधन से कई बिंदुओं पर चर्चा भी की। साथ ही कहा कि शैक्षणिक गुणवत्ता को बनाये रखें। ताकि बच्चों का भविष्य बेहतर बने।

### बंपर जीत...

मौके पर जिला प्रशासन देवघर द्वारा एयरपोर्ट परिसर में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

बासुकीनाथ धाम भी पहुंचे सीएम हेमंत और कल्पना सोरेन : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन ने शुक्रवार को ही दुमका जिला स्थित बासुकीनाथ धाम मंदिर पहुंचकर बाबा भोलेनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना की। तीर्थ पुरोहितों ने पूरे विधान के साथ पूजन कार्य संपन्न कराया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बाबा भोलेनाथ से राज्यवासियों की सुख, समृद्धि, उन्नति एवं खुशहाली की मंगलकामना की। इससे पूर्व दुमका जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत एवं अभिवादन करते हुए उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

### महाकुंभ मेला एकता...

**विपक्ष पर साधा निशाना :** प्रधानमंत्री ने इस आयोजन के ऐतिहासिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि सदियों से संत और ऋषि इसे राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करने और बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए एक मंच के रूप में उपयोग करते रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्राचीन काल में भी कुंभ ने सामाजिक परिवर्तन की नींव रखी थी। मोदी ने कुंभ से संबंधित बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए वर्तमान सरकार के प्रयासों के बारे में भी बात की, जिसे उन्होंने कहा कि अतीत में नजरअंदाज किया गया था।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'पिछली सरकारों के दौरान कुंभ के महत्व को मान्यता नहीं दी गई। ऐसे आयोजनों में श्रद्धालुओं को समस्याओं का सामना करना पड़ता था, लेकिन तत्कालीन सरकारों ने इसकी परवाह नहीं की। इसका कारण भारतीय संस्कृति से उनका विमुख होना था। लेकिन आज केंद्र और राज्य दोनों में ऐसी सरकार है जो आस्था और भारतीय संस्कृति का सम्मान करती है।'

प्रधानमंत्री ने रामायण, कृष्ण और बौद्ध सर्किट जैसे विभिन्न सांस्कृतिक सर्किटों के विकास पर प्रकाश डाला और कहा कि पहले इनकी सराहना नहीं की जाती थी। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने सफाई कर्मचारियों के योगदान को स्वीकार करते हुए कहा कि वे इस तरह के बड़े पैमाने के आयोजनों में सफाई सुनिश्चित करके उनके सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, '2025 के कुंभ के दौरान 15,000 से अधिक सफाई कर्मचारी सफाई सुनिश्चित करेंगे।'

इससे पहले, प्रधानमंत्री दोपहर करीब 12.30 बजे शहर पहुंचे और पवित्र संगम नोज - गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम स्थल पर औपचारिक पूजा और दर्शन के साथ यात्रा की शुरुआत की। पूजा से पहले उन्होंने नदी की सैर की।

### महाराष्ट्र में नई...

सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास गृह और वित्त जैसे दो अहम खाते रहने वाले हैं। इस बीच, मंत्रिमंडल गठन पर बने सस्पेंस के बीच एकनाथ शिंदे सागर बंगले पर सीएम देवेंद्र फडणवीस से मिलने पहुंचे।

दिन भर चलता रहा बैठकों को सिलसिला : इससे पहले भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने मंत्रिमंडल गठन को अंतिम रूप देने के लिए कई नेताओं के साथ बैठक की। उन्होंने उपमुख्यमंत्री शिंदे और अजित पवार से अलग-अलग मुलाकात की और इस बारे में विचार-विमर्श किया। उन्होंने पार्टी के दूसरे नेताओं के साथ भी बैठक की।

दूसरी ओर, महाराष्ट्र विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से आरंभ होगा। यह शीतकालीन सत्र एक सप्ताह तक चलने वाला है। इस शीतकालीन सत्र के दौरान नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलायी जाएगी। इसके साथ ही स्पीकर से लेकर डिप्टी स्पीकर के पद का भी चुनाव होगा।

कैबिनेट विस्तार पर सस्पेंस खत्म : बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम 23 नवंबर को घोषित किये गये थे। उस चुनाव में महायुति की सत्ता में वापसी हुई थी। महायुति ने राज्य की 288 सीटों में से 230 सीटों पर जीत हासिल की थी। इसमें भाजपा को 132 शिवसेना को 57 और पवार की राकांपा को 41 सीटों पर जीत मिली थी। उसके बाद से ही पहले सीएम पद को लेकर एकनाथ शिंदे और भाजपा के बीच खींचतान चली। लेकिन बाद में देवेंद्र फडणवीस को सीएम बनाने पर सहमति हो गई, लेकिन अभी भी मंत्रियों को लेकर सस्पेंस बना हुआ है और मंत्रिमंडल के विस्तार की तारीख अब तय हो गयी है। यह विस्तार 15 दिसंबर को होगा।

### मुख्य सचिवों के...

इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य देश के प्रधानमंत्री, नीति आयोग, केंद्रीय मंत्रालय के साथ-साथ, राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश के प्रमुख प्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों के मध्य विचार विमर्श के आधार पर श्रेष्ठ कार्य प्रणाली को स्थापित करना है।

इस वर्ष इस सम्मेलन में व्यापक विषय विनिर्माण, सेवा, ग्रामीण गैर-कृषि, शहरी विकास, नवीनिकरण ऊर्जा, मिशन कर्मयोगी पर विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा कृषि में आत्म निर्भरता, खाद तेल एवं दालें, वृद्धि आबादी की देख भाल, अक्षय ऊर्जा और भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर भी विचार विमर्श किया जायेगा।

### कुछ लोग संविधान...

लोगों का जीवन आसान किया है : उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने जो भी संवैधानिक संशोधन किए हैं, उन सभी का उद्देश्य सामाजिक कल्याण था। हमने अनुच्छेद 370 को निरस्त किया, ताकि भारत की अखंडता सुनिश्चित हो। हमने जीएसटी कानून बनाया। जीएसटी काउंसिल में राज्यों की सहमत से टैक्स दरें निर्धारित की जाती हैं। लोगों का जीवन आसान हुआ है।

संविधान ने भारतीयता से परिचित कराया : उन्होंने कहा कि हमारे संविधान ने भारतीयता से परिचित कराया है। हमारे संविधान की मूल प्रति के भाग 3 में भगवान श्रीराम, मां सीताजी और लक्ष्मणजी की तस्वीर भी अंकित है। मूल प्रति के मुखपृष्ण पर अजंता गुफाओं की पेंटिंग की छाप दिखती है। साथ ही कमल का फूल भी है। ये दिखाता है कि सदियों की गुलामी से निकल कर आजाद राष्ट्र का उदय हो चुका है। उकेरी गई आकृतियां समृद्ध इतिहास और महान परंपरा को दिखाती हैं।

जहां संविधान लागू नहीं था, वहां भी हमने कर दिखाया : राजनाथ सिंह ने कहा कि महिला सशक्तीकरण में हमारी सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। हमने नारी शक्ति वंदन अधिनियम भी पास किया है। इससे राजनीतिक क्षेत्र की महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। इसी सोच के तहत हमारी सरकार ने 2018 में राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया है। आजाद भारत में ये पहली बार हुआ। हमने 2019 में संवैधानिक संशोधन किया, ताकि आर्थिक आधार पर आरक्षण मिले। समग्र और समावेशी विकास के सभी काम हमारे संवैधानिक मूल्यों और आदर्शों के जीवंत रूप हैं। हमने न सिर्फ संविधान के मूल्यों को केंद्र में रखकर काम किया है, बल्कि लागू भी किया है। इस देश में एक ऐसा राज्य भी था, जहां संविधान लागू नहीं होता था। संसद के कानून भी लागू नहीं होते थे। हमने वहां भी लागू करके दिखाया है। आज पूरा देश उस निर्णय का सकारात्मक परिणाम देख रहा है। हाल में चुनाव संपन्न हुए हैं। हिंसा की एक भी घटना नहीं हुई है।

हमारा संविधान प्रगतिशील, समावेशी, परिवर्तनकारी है : राजनाथ ने कहा कि हमारा संविधान प्रगतिशील, समावेशी, परिवर्तनकारी है। हमारे संविधान ने एक ऐसे समाज के निर्माण का ब्लूप्रिंट दिया है, जिसमें समरसता और समृद्धि हो। यहां देश के शीर्ष पद को प्राप्त करने के लिए जन्म की पहचान मायने न रखती हो। जहां एक गरीब परिवार में जन्मा व्यक्ति प्रधानमंत्री बन सके। राष्ट्रपति बन सके। संविधान की मूल भावना को आजादी के बाद ही ताक पर रख दिया गया था। लेकिन हमारी सरकार ने इस सच्चे मन से स्वीकार किया है। हमारी सरकार संविधान की मूल भावना को केंद्र में रखकर आगे बढ़ रही है। हमने तीन नए आपराधिक कानूनों को पारित किया है। हमारी सरकार समाज के सभी वर्गों और विशेषकर कमजोर वर्गों के विकास को अपना लक्ष्य बनाया है। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के हमारे लक्ष्य ने भारत को आगे लाकर खड़ा कर दिया है।

हमारा संविधान किसी एक पार्टी की देन नहीं : उन्होंने कांग्रेस का नाम लिए बगैर कहा कि एक पार्टी ने संविधान निर्माण की प्रक्रिया को हाईजैक करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान किसी एक पार्टी की देन नहीं है। भारत के लोगों के द्वारा, भारत के लोगों के अनुरूप बनाया गया दस्तावेज है। पश्चिमी सभ्यता में नाइट वॉचमैन स्टेट का कॉन्सेप्ट है। इसका अर्थ है कि सरकार का दायित्व लोगों को सुरक्षा प्रदान करने तक ही सीमित रहे। हमारे देश में राजधर्म की बात कही गई है। हमारे यहां राजा भी राजधर्म से बंधा हुआ है। उसकी शक्तियां लोगों के कल्याण के लिए है। कमजोर वर्गों की रक्षा के लिए है। हमारा संविधान नागरिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा संविधान नागरिकों के समग्र विकास में रास्ते में आने वाली बाधाओं को हटाने का निर्देश देता है।

### संसद में उन्नाव...

पीड़िता की बहन ने कहा कि उन्हें बार-बार अधिकारियों से मिलना पड़ा। जब जो वादे किए गए थे वह अभी तक पूरे नहीं हुए है, न ही नौकरी दी गई और न ही आरोपियों को अभी तक सजा हुई। पीड़िता की बहन ने बताया कि जो आरोपी थे वह जमानत पर जेल से बाहर है। साथ ही कहा कि 2020 में हमारे 6 साल के भतीजे का अपहरण भी कर लिया गया था, उसका आज तक कोई पता नहीं चला है।

प्रियंका गांधी ने मुद्दा उठाया है तो अब पीड़िता की बहन : परिवार का आरोप है कि जब उन्होंने पुलिस से मदद की गुहार लगाई, तो उन्हें भी नजरअंदाज किया गया और मदद नहीं मिली। रेप पीड़िता की बहन ने कहा कि शासन प्रशासन ने जो वायदे किए गए थे उसमें केवल एक वायदा आवास के रूप में पूरा किया गया है जिसमें हम रहते है। बताया कि हमारी आर्थिक हालत भी खराब है पिता और भाई मजदूरी और खेती कर गुजर बसर कर रहे हैं और उसी पैसे से जैसे तैसे मुकदमें की पैरवी भी कर रहे हैं।

पीड़िता की बहन ने बताया कि एक मुकदमा रायबरेली कोर्ट में चल रहा है और एक उन्नाव कोर्ट में चल रहा है। यही नहीं पीड़िता की बहन ने पीएमओ से लेकर मुख्यमंत्री तक डीजीपी से लेकर मीडिया तक सबको ट्वीट किया और अपनी पीड़ा व्यक्त की लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। पीड़िता की बहन को आस है कि प्रियंका गांधी ने उनके मुद्दे को संसद में उठाया है हो सकता है कि अब न्याय मिल सकें।

संसद में क्या बोलीं प्रियंका गांधी? : कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि, 'उन्नाव में एक लड़की के साथ दरिंदगी की गई, और फिर उसे जलाकर मार डाला गया। यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हमारी बेटियां कितनी असुरक्षित हैं। उस लड़की ने न्याय के लिए संघर्ष किया, लेकिन क्या उसे न्याय मिला? नहीं, यह हमारे समाज और हमारे सिस्टम के लिए शर्म की बात है।' प्रियंका गांधी का यह बयान उस समय आया जब उन्नाव की पीड़िता की बहन ने अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि वह पिछले 5 सालों से न्याय की खोज में भटक रही है।

उनके मुताबिक, न सिर्फ वादे पूरे नहीं हुए, बल्कि परिवार को खुलेआम धमकियां भी मिल रही हैं। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ एक अपराध नहीं है, बल्कि हमारे समाज में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों का प्रतीक है। एक लड़की को जब एफआईआर दर्ज कराने के लिए पुलिस स्टेशन जाना पड़ता है, और उसे मना किया जाता है, तो यह दर्शाता है कि हमारी व्यवस्था में कितनी खामियां हैं।'

प्रियंका गांधी ने कहा, 'जब अपराधी खुलेआम जेल से बाहर आकर धमकियां देते हैं, और प्रशासन कुछ नहीं करता, तो यह हमारी न्याय व्यवस्था पर सवाल उठाता है। इस मामले में आरोपियों को जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए, ताकि अपराधी सोचें कि उन्हें कानून से बचने का कोई रास्ता नहीं मिलेगा।'

## विविध

### एनआईए ने पीएलएफआई के विस्तार मामले में दो पर दाखिल किया चार्जशीट

**रांची।** झारखंड और पड़ोसी राज्यों में पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के संगठन विस्तार से जुड़े मामले में नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी ने दो और आरोपियों के खिलाफ रांची स्थित एनआईए की विशेष अदालत में आरोप पत्र दायर किया है। इसमें खूंटी जिला के रहने वाले नीलांबर गोप उर्फ डेलगा उर्फ डिकल और शिव कुमार साहू पर आइपीसी की धारा 120 बी आर/डब्ल्यू 384 और धारा 13, 17, 18 के तहत व यूए (पी) अधिनियम की धारा 20 के तहत पूरक आरोप पत्र दाखिल किया गया है।

**दोनों धमकी भरे पर्चे भेजने का करते थे काम :** एनआईए की जांच के अनुसार, शिव कुमार साहू और नीलांबर गोप पीएलएफआई के धमकी भरे पर्चे भेजने का काम करते थे। एनआईए ने 11 अक्तूबर 2023 को स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले में आरसी-04/2023/ एनआईए/आरएनसी में पीएलएफआई के सदस्यों के रूप में पहचाने गये दोनों आरोपियों की संलिप्तता स्थापित की है।

**क्या है मामला :** यह मामला झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में विभिन्न कोयला व्यापारियों, ट्रांसपोर्टरों, रेलवे ठेकेदारों, व्यापारियों आदि से जबरन वसूली के माध्यम से धन जुटाने में पीएलएफआई कैडरों की संलिप्तता से संबंधित है। पीएलएफआई सदस्यों ने इन राज्यों में संगठन को पुनर्जीवित करने और मजबूत करने के उद्देश्य से जनता, विशेषकर व्यापारियों और ठेकेदारों के बीच आतंक पैदा करने के लिए हत्या, आगजनी व हिंसक हमलों सहित विभिन्न आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रची थी।

### मदरसे में दी जा रही ट्रेन पलटाने की ट्रेनिंग!




- एनआईए और एटीएस को मिले सुराग
- दीनी तालीम देने वाले कर रहे ब्रेनवॉश

**नई दिल्ली।** झांसी और कानपुर में ट्रेन पलटाने की साजिश के पीछे एनआईए और एटीएस को मदरसा कनेक्शन के भी सुराग मिले हैं। सुरागों के मुताबिक ऑनलाइन माध्यमों का इस्तेमाल करके युवाओं का ब्रेन वॉश किया जाता है। इसके जरिये कट्टरपंथी बने युवाओं का देश विरोधी कार्यों में इस्तेमाल होता है। इनका मदरसों से भी कनेक्शन है। इसी की कड़ियां जोड़ने के लिए जांच एजेंसियां कई जगह छापा मार रही हैं। इसके साथ ही विदेशी फंडिंग के सूत्र भी खंगाल रही हैं। इसी वजह से दोनों एजेंसियां बृहस्पतिवार को झांसी पहुंचीं थीं।

यहां मदरसा शिक्षक मुफ्ती खालिद नदवी से 18 घंटे पूछताछ की गई थी। पुलिस लाइन लाते समय भीड़ ने पुलिस और जांच टीम से धक्का-मुक्की कर मुफ्ती को छुड़ा लिया था। बाद में पुलिस उन्हें लेकर गई थी। पूछताछ के बाद देर रात उन्हें छोड़ दिया था। धक्का-मुक्की करने और सरकारी काम में बाधा डालने पर पुलिस ने 11 नामजद सहित 100 लोगों पर केस दर्ज किया है। आरोपियों को पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है। तीन माह के दौरान झांसी और कानपुर के आसपास साबरमती एक्सप्रेस, कांलिदी एक्सप्रेस जैसी अहम ट्रेनों को पलटाने की कोशिश हुई। वंदे भारत पर भी पथराव हुआ। इसकी जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और उप्र आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) के साथ आईबी कर रही है। एनआईए टीम कई जगह छापा मार चुकी है।

**वीडियो से ब्रेन वॉश कर उकसा रहे :** जांच में पता चला कि ऑनलाइन माध्यम से दीनी तालीम देने वाले कई लोगों के ऐसे वीडियो भी सामने आए, जिसमें फॉलोअरों को ट्रेन को पटरी से उतारने के लिए उकसाया गया। जांच एजेंसियां इनको तलाश रही हैं। मदरसे चलाने के अलावा यह ऑनलाइन वीडियो के जरिये युवाओं का ब्रेनवॉश करके उनको कट्टरपंथी बना देते हैं। झांसी एवं कानपुर की साजिश में स्थानीय कनेक्शन की आशंका जताई जा रही है। सूत्रों का कहना है दोबारा भी एनआईए टीम यहां जांच के लिए आ सकती है।

## 24 घंटे इस्तांबुल एयरपोर्ट पर भूखे-प्यासे फंसे रहे 400 यात्री

नई दिल्ली । नई दिल्ली से मुंबई और तुर्किये के बीच यात्रा करने वाले 400 यात्री भूखे-प्यासे 24 घंटे इस्तांबुल एयरपोर्ट पर फंसे रहे। उड़ान में देरी की वजह से यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। वहीं एयरलाइन का कहना था कि परिचालन संबंधी दिक्कत की वजह से यात्रियों को दिक्कत हुई। परेशान यात्रियों ने सोशल मीडिया पर बताया कि बिना ठहरने की उचित व्यवस्था और खाना के वे ठंड में एयरपोर्ट पर ही इंतजार करते रहे। एक यात्री ने कहा, हमारी इस्तांबुल से दिल्ली के लिए फ्लाइट थी। करीब 500 यात्री एयरपोर्ट पर ही फंस गए। उड़ान का समय रात का 8 बजकर 10 मिनट था। लेकिन यह फ्लाइट अगले दिन दोपहर 1 बजकर 30 मिनट के लिए शेड्यूल कर दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक यात्री ने कहा कि दिल्ली के लिए फ्लाइट कैंसल कर दी गई। आने-जाने की सुविधा और ठहरने की सुविधा के बिना यात्रियों को सात डिग्री के तापमान में एयरपोर्ट पर ही ठिठुरना पड़ा। एक अन्य यात्री ने कहा कि इंडिगो की फ्लाइट डिजास्टस साबित हुई। यह फ्लाइट करीब 20 घंटे लेट हो गई। यात्रियों ने बताया कि पहले उड़ान को दो घंटे देरी से बताया गया। इसके बाद अचानक विमान को रद्द कर दिया गया। इसके बाद बताया गया कि अब उड़ान 12 घंटे बाद के लिए शेड्यूल कर दी गई है। इसके बाद सारे यात्री फंस गए। कुछ लोग बीमार भी थे। ना यात्रियों को भोजन दिया गया और ना ही रुकने की जगह। इंडिगो के किसी कर्मचारी ने यात्रियों से संपर्क भी नहीं किया।

## विजय दिवस समारोह में शामिल हो सकता है बांग्लादेश का प्रतिनिधिमंडल

कोलकाता । बांग्लादेश के एक प्रतिनिधिमंडल के 16 दिसंबर को कोलकाता में आयोजित होने वाले विजय दिवस समारोह में शामिल होने की संभावना है। रक्षा सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सोलह दिसंबर, 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारतीय सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक जीत की याद में हर साल 'विजय दिवस' मनाया जाता है। पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी शासन का विरोध करने वाले गुरिल्ला प्रतिरोध बल का हिस्सा रहे 'मुक्ति योद्धा' और बांग्लादेश सशस्त्र बलों के सेवारत अधिकारियों का एक बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल हर साल कोलकाता में भारतीय सेना की पूर्वी कमान द्वारा आयोजित 'विजय दिवस' समारोह में शामिल होता है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि 16 दिसंबर के समारोह में बांग्लादेश का एक प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हो सकता है, हालांकि उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की संख्या के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। सेना की पूर्वी कमान 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में विजय दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित करेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पूर्वी कमान मुख्यालय के मेजर जनरल-जनरल स्टॉफ (एमजीजीएस) मेजर जनरल मोहित सेठ ने हाल में कहा था कि 16 दिसंबर को फोर्ट विलियम में विजय स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। उन्होंने कहा था कि 1971 के युद्ध में भाग लेने वाले पूर्व सैनिक भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

## टॉफी के रैपर में छिपाकर रखा था 17 लाख रुपये का सोना

नई दिल्ली । दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने चेकिंग के दौरान यात्री के कब्जे से टॉफी के रैपर में छिपाकर रखा 17 लाख रुपये से ज्यादा का सोना जब्त किया है। इसकी जानकारी कस्टम विभाग ने आधिकारिक बयान में दी। सीमा शुल्क विभाग की ओर से बताया गया कि राजस्थान के 22 वर्षीय भारतीय पुरुष यात्री दोहा से दिल्ली पहुंचा। जहां एयरपोर्ट पर शख्स ने यात्रा के बाद कस्टम अधिकारियों को चकमा देने की कोशिश की। लेकिन अधिकारियों के सामने उसकी चालाकी नहीं चली। अधिकारियों ने उसके सामान से बहुत सारी टॉफी बरामग की। लेकिन जांच में पता चला कि उस शख्स ने टॉफी के रैपर में 240 ग्राम (करीब) सोने की चेन छिपाकर रखी थी। अधिकारियों ने फौरन उस सोने को जब्त किया। जब्त किए गए सोने की कीमत 17.47 लाख रुपये है। सीमा शुल्क विभाग ने बताया तेज निगाह वाले अधिकारियों ने बैगेज एक्स-रे के दौरान संदिग्ध तस्वीरें देखीं, जिससे यह मीठी खोज हुई! जीवन भले ही चॉकलेट के डिब्बे जैसा हो, लेकिन सीमा शुल्क विभाग हमेशा आखिरी चीज चुनता है!

## श्वान पालने वालों के लिए बड़ी खबर एक जनवरी से अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन कराना हो जायेगा अनिवार्य

अहमदाबाद। शहर में श्वान पालने के शौकीनों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। शहर में आवारा पशुओं पर अंकुश के बाद अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने पालतु श्वान को लेकर बड़ा फैसला किया है। जिसके मुताबिक घर में श्वान रखने वालों को अब उसका पंजीकरण कराना होगा और यह नियम 1 जनवरी 2025 से लागू हो जाएगा। जानकारी के मुताबिक एएमसी ने घर में पालतु श्वान रखने के लिए पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। 1 जनवरी से पालतु श्वान का पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा। इतना ही नहीं पालतु श्वान और उसके रखने की जगह की तस्वीर भी एएमसी को उपलब्ध करानी होगी। पालतु श्वान रखने के लिए रु. 200 का भुगतान कर पंजीकरण कराना होगा और श्वान की तस्वीर एएमसी की वेबसाइट पर अपलोड करनी होगी। पालतु श्वान के पंजीकरण के लिए आवेदक को अपनी तस्वीर के अलावा अपना आधार या चुनाव कार्ड, बिजली बिल, पालतु श्वान की फोटो और उसे रखने की जगह की तस्वीर देनी होगी। इतना ही नहीं पालतु श्वान का अनिवार्य रूप से टीकाकरण भी करवाना होगा। अहमदाबाद शहर में जिन नागरिकों को अपने घर में श्वान पाल रखा है उन्हें 1 जनवरी 2025 से 90 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। ताकि एएमसी के पास आपके पालतु श्वान का संपूर्ण ब्यौरा उपलब्ध रहेगा।

# सड़क हादसों में भारत का रिकॉर्ड ऐसा कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में छिपाना पड़ता है चेहरा : नितिन गडकरी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सत्ता पक्ष से विपक्षी दलों में सर्वाधिक लोकप्रिय मंत्री के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी संसद में अपनी साफगोई और स्पष्टवादिता के लिए जाने जाते हैं। मुद्दा चाहे किसी भी दल के जनप्रतिनिधि का हो, गडकरी की कार्यशैली से प्रभावित हुए बिना कोई रह नहीं सकता।

गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान लोकसभा में केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के एक वक्तव्य से हर कोई दंग रह गया। जिसमें उन्होंने देश में लगातार बढ़ती जा रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर अपनी गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि 'सड़क दुर्घटनाओं में कमी तो भूल जाइए, मुझे ये कहने में कोई झिझक नहीं है कि विश्व स्तर पर इस मामले में भारत का सबसे गंदा रिकॉर्ड है। मैं सड़क दुर्घटनाओं पर चर्चा के लिए होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुंह छिपाने की कोशिश करता हूं'। स्वीडन ने हालांकि दुनिया में जीरो दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है।

सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा बताते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि देश में सालाना होने वाली सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा 1.78 लाख है। उत्तर प्रदेश इस मामले में शीर्ष पर है। वहां सड़क दुर्घटनाओं के 23 हजार 652 मामले सामने आए हैं। यह कुल दुर्घटनाओं का करीब 13.7 फीसदी होता है। इसके बाद तमिलनाडु में 18 हजार 347 मामले सामने आए। जो कि 10.6 फीसदी होता है। तीसरे स्थान पर 15 हजार 366 मामलों के साथ महाराष्ट्र (9 फीसदी) है। चौथे स्थान पर 13 हजार 798 मामलों के साथ मध्य प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा 8 फीसदी पर रहा। इन चारों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मुलाकात कर मामले में सुधार की कोशिश का तर्क गडकरी ने सदन के समक्ष दिया। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के शहरों में सामने आए मामलों के बारे में बताते हुए कहा कि दिल्ली में 1 हजार 457 मामले, बेंगलुरु में 915 और जयपुर में 850 सड़क दुर्घटना के मामले सामने आ चुके हैं।

### 50 फीसदी के लक्ष्य तक पहुंचने से कोसो दूर

गडकरी ने कहा कि मंत्रालय ने मौजूदा साल के अंत तक देश में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े में 50 फीसदी की कटौती का लक्ष्य रखा था। इसे हम हासिल नहीं कर सके। बल्कि यह बढ़ गए हैं। यह हमारे लिए बड़ी चिंता का विषय है कि दुर्घटनाओं में 60 फीसदी मौतें 18 से 34 साल के युवाओं की हो रही है। केंद्रीय मंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सभी सांसदों से सहयोग करने का आह्वान किया। गडकरी ने कहा कि इस मामले में समाज के सहयोग की बेहद आवश्यकता है। लोग कानून का सम्मान नहीं करते जिसकी वजह से

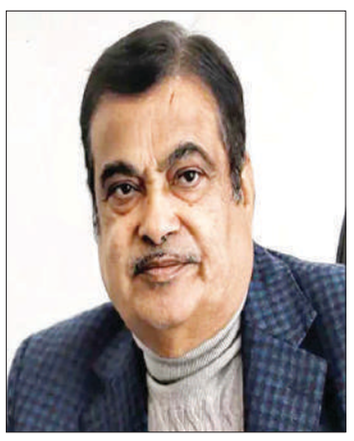

सड़क हादसों की संख्या बढ़ती जा रही है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी केंद्रीय मंत्री को मामले पर सदन के सभी सदस्यों को पुनः पत्र लिखकर सहयोग करने की अपील की। जिसे उन्होंने स्वीकार किया।

## मुझे उम्मीद है कि अमेरिका की आने वाली सरकार भी भारत से बेहतर संबंध बनाएगी : जॉन किर्बी

- भारत को लेकर देश के दोनों दलों का पूरा सहयोग

**वाशिंगटनः** अमेरिकी निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन को उम्मीद है कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के दौरान भी भारत-अमेरिका संबंधों के लिए द्विदलीय समर्थन जारी रहेगा। व्हाइट हाउस ने इसकी जानकारी दी। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने कहा, ''इस द्विपक्षीय संबंध को बढ़ाने के लिए दोनों दलों का मजबूत समर्थन रहा है। मैं उम्मीद करता हूं कि यह आने वाली सरकार के दौरान भी जारी रहेगा।''

उन्होंने कहा कि निवर्तमान राष्ट्रपति बाइडन को इस पर बहुत गर्व है कि उनके प्रशासन के दौरान भारत के साथ अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में कितना बदलाव आया है। किर्बी ने कहा, 'मेरा मतलब है, हमने हिंद-प्रशांत क्वाड को ऊपर उठाया है। मुझे नहीं पता कि क्वाड के अंदर और प्रधानमंत्री (भारत के नरेन्द्र मोदी) के साथ द्विपक्षीय रूप से अब तक उनकी कितनी बैठकें हुई हैं।''

किर्बी ने कहा, ''हमारे संबंधों में बहुत कुछ ऐसा है जिससे सैन्य से सैन्य, संचार... लोगों के बीच संबंध, आर्थिक संबंध बेहतर हुए हैं।'' क्वाड एवं भारत पश्चिम एशिया यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) पर आगामी प्रशासन से बाइडन की क्या अपेक्षाएं हैं ? इस पर किर्बी ने कहा, ''यह निर्धारित करना उनके ऊपर होगा कि वे हिंद-प्रशांत क्वाड का लाभ कैसे उठाते हैं।

## अखिलेश का केंद्र पर हमला कहा देश की सीमा आज खतरे में, सुरक्षा में लगी है सेंध

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लोकसभा में संविधान पर चल रही चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सरकार पर संविधान के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का हनन करने और अल्पसंख्यकों को हाशियों पर धकेलने का आरोप लगाया। यादव ने कहा कि देश की सीमाएं आज खतरे में हैं। उन्होंने कहा, सीमाओं की रक्षा करना किसी भी सरकार का प्राथमिक कर्तव्य है, लेकिन वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सीमाएं सिकुड़ रही हैं और सीमा सुरक्षा में सेंध लगने की घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने देश में बढ़ती आर्थिक विषमता पर चिंता जताकर कहा, आज 82 करोड़ लोग सरकारी अन्न पर निर्भर हैं, जबकि मोदी सरकार अर्थव्यवस्था को ऊंचाई पर बताती है। उन्होंने सवाल उठाया कि देश की 60 प्रतिशत आबादी की प्रति व्यक्ति आय क्या है?

अल्पसंख्यकों के अधिकार और सुरक्षा

सपा प्रमुख अखिलेश ने आरोप लगाया कि अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुसलमानों, को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उनके खिलाफ हिंसा और संपत्ति नुकसान की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। अखिलेश यादव ने संविधान को लोकतंत्र की प्राणवायु और 90 प्रतिशत जनता का सुरक्षा कवच बताया। उन्होंने कहा, संविधान की प्रस्तावना इसकी आत्मा है और यही हमें समानता और न्याय की दिशा में ले जाती है।

# ट्रंप ने बुलाया इसके बाद भी शपथ ग्रहण में नहीं जाएंगे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग

एजासया

**बीजिंग।** अमेरिका में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से शी जिनपिंग इस कदर चिढ़े हैं कि वह इस कार्यक्रम से किनारा ही करना चाहते हैं। टैरिफ बढ़ाने की धमकी के बीच रिपोर्ट में कहा गया है कि शी जिनपिंग के इस कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना ना के के बराबर है। सूत्रों के हवाले से बताया गया कि अमेरिका में चीन के राजदूत अपनी पत्नी के साथ समारोह में शामिल हो सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के लिए 20 जनवरी को शपथ ग्रहण होना है। इस कार्यक्रम में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भी आमंत्रित किया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के बाद शी जिनपिंग की तरफ से भी कड़ी प्रतिक्रिया आई थी। उन्होंने कहा था कि टैरिफ और टेक्नॉलजी को लेकर लड़ाई में

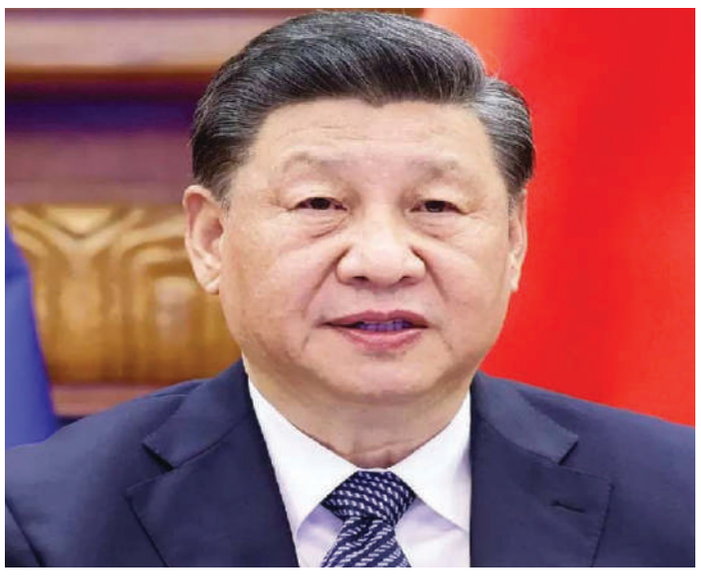

जीत किसी की नहीं होने वाली है। उन्होंने कहा कि चीन अपने हितों की रक्षा करने में पीछे नहीं रहेगा। अमेरिका और चीन के बीच रिश्ते पिछले कुछ साला स अच्छ नहा ह। डानाल्ड ट्रप न चीन पर 60 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी।इसके अलावा ट्रंप ने यह भी कहा था कि अगर चीन फेंटेनाइल पर लगाम नहीं लगाता तो 10 फीसदी अतिरिक्त शुल्क भी लगा दिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक कार्यक्रम के जिम्मेदार अधिकारियों ने अपने साथियों को डिप्लोमैटिक प्रोटोकॉल का काम सौंप दिया है। वहीं गुरुवार को डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, चीन के साथ हमारे संबंध अच्छे हैं। राष्ट्रपति शी जिनपिंग से हमारी कुछ मुद्दों को लेकर बातचीत होती रहती है। बता दें कि हाल ही में अमेरिकी एजेंसियों ने चीन पर आरोप लगाया था कि वह टेलीकॉम कंपनियों को हैक करने की कोशिश कर रहा है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स के फोन हैकिंग की भी कोशिश की गई थी।

## केंद्रीय नेतृत्व ने फडणवीस को दी खुली छूट, मंत्रिमंडल का गठन अपने हिसाब से करें

मुंबई । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कथित तौर पर महाराष्ट्र मंत्रिमंडल के गठन के संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को खुली छूट दे दी है। प्रोफाइल और विभाग आवंटित करने की जिम्मेदारी सीएम फडणवीस की ही होगी। राज्य के लिए महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार 14 दिसंबर को होगा। रिपोर्ट के अनुसार, बीजेपी को 20 मंत्री पद मिलने की उम्मीद है, जबकि शिवसेना और एनसीपी को 10-10 विभाग मिलने की उम्मीद है। महाराष्ट्र के नवनियुक्त मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना चुका है। महाराष्ट्र भी विकास की कहानी का हिस्सा बनने की इच्छा रखता है। सीएम फडणवीस ने कहा कि उनके मंत्रिमंडल में भाजपा के संभावित मंत्रियों के नाम शॉर्टलिस्ट कर लिए गए हैं और अंतिम निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा। पिछले माह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने भारी जीत दर्ज की थी। भाजपा-शिवसेना-राकांपा गठबंधन ने 230 सीटें जीतीं, जबकि गठबंधन का हिस्सा छोटे दल पांच सीटों पर विजयी रहे। फडणवीस के अलावा, शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजनीति, उद्योग और मनोरंजन क्षेत्र के कई नेताओं की उपस्थिति में उपमुख्यमंत्रियों के रूप में शपथ ली। फडणवीस ने सत्ता-साझाकरण समझौते पर सत्तारूढ़ गठबंधन के बीच मतभेदों की रिपोर्टों को भी खारिज कर दिया।

## भाजपा ने 5000 पन्नों के सबूतों के साथ अवैध रोहिंग्या, बांग्लादेशी डुप्लीकेट और फर्जी पते वाले मतदाताओं के खिलाफ दर्ज की आपत्ति

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आज मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य दो चुनाव आयुक्तों से मुलाकात कर दिल्ली की मतदाता सूची में लाखों अवैध घुसपैठियों (रोहिंग्या और बांग्लादेशी मूल के), डुप्लीकेट, फर्जी पते वाले और मृत लोगों के नाम शामिल होने का विरोध दर्ज कराया। उन्होंने मांग की कि चुनाव आयोग इन शिकायतों को प्राथमिकता से कानूनी आधार पर हल करे ताकि दिल्ली विधानसभा चुनाव पारदर्शी और निष्पक्ष हों।

वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व वाले इस प्रतिनिधिमंडल में बीजेपी की चुनाव समन्वय समिति के राष्ट्रीय संयोजक ओम पाठक, केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता सुबांसुरी स्वराज, दिल्ली बीजेपी मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर और दिल्ली बीजेपी चुनाव समिति के संयोजक अधिवक्ता संकेत गुप्ता शामिल थे।

वीरेंद्र सचदेवा ने ECI को 5000 पन्नों के प्राथमिक सबूतों के साथ विस्तृत प्रस्तुति दी। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष ने चुनाव आयोग को

बताया कि यह हैरानी की बात है कि हर बार लोकसभा चुनाव समाप्त होने और विधानसभा चुनाव शुरू होने के बीच लाखों नए मतदाता पंजीकृत होते हैं। यह संख्या वार्षिक मतदाता सारांश संशोधन की सामान्य प्रक्रिया से काफी अधिक होती है।

सचदेवा ने कहा कि अगस्त 2024 के चुनाव आयोग के एक सर्कुलर के आधार पर, बीजेपी कार्यकर्ता दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों में जांच कर रहे हैं और पाया है कि बड़ी संख्या में अवैध रोहिंग्या और बांग्लादेशी मतदाता पंजीकृत हैं। इसके अलावा, डुप्लीकेट, फर्जी पते और मृत मतदाता भी बड़ी संख्या में सूची में शामिल हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से अपील की कि अवैध मतदाताओं के पंजीकरण और नकली मतदान के खिलाफ अभियान चलाया जाए। उन्होंने मीडिया और रेडियो अभियानों के जरिए ऐसे मतदाताओं को सख्त चेतावनी देने की भी मांग की।

### बांसुरी स्वराज ने दिए कानूनी सबूत

सुबांसुरी स्वराज ने 18 मजबूत सबूतों की सूची प्रस्तुत की, जिनमें रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के पंजीकरण का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि कैसे कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों में एक ही परिवार के व्यक्ति अलग-अलग EPIC नंबरों के साथ बार-बार पंजीकृत हैं। उन्होंने ऐसे मामलों का जिक्र किया जहां एक ही समुदाय के मतदाता गैर-मौजूद पते पर पंजीकृत हैं या एक ही परिवार के सदस्य एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में पंजीकृत हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बीएलओ अपने पवित्र कर्तव्य को निभाने में विफल हो रहे हैं। हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी के गलत प्रचार पर चुनाव आयोग को विरोध से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बीजेपी केवल घुसपैठियों और फर्जी पते वाले मतदाताओं का विरोध कर रही है, न कि भारतीय मूल के मतदाताओं का। उन्होंने चुनाव आयोग से मीडिया के माध्यम से इस मामले पर स्पष्टता देने का अनुरोध किया।

# पुरुषों के खिलाफ दहेज कानून के दुरुपयोग को रोकने की मांग

### बेंगलुरु इंजीनियर अतुल सुभाष आत्महत्या के बाद सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बेंगलुरु स्थित एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की आत्महत्या के बाद दहेज कानूनों के दुरुपयोग और दुरुपयोग के लिए दिशानिर्देश पेश करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। उत्तर प्रदेश के 34 वर्षीय तकनीकी विशेषज्ञ अतुल सुभाष की मंगलवार को बेंगलुरु में उनके आवास पर आत्महत्या से मृत्यु हो गई। सुभाष ने 24 पन्नों का एक नोट और 1.5 घंटे लंबा एक वीडियो छोड़ा, जिसमें अपनी अलग रह रही पत्नी और उसके परिवार पर उत्पीड़न और उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने का आरोप लगाया गया।

वकील विशाल तिवारी द्वारा दायर याचिका में अदालत से केंद्र को अपने पहले के फैसले में की गई टिप्पणियों को

लागू करने का निर्देश देने की मांग की गई। अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 498 ए के दुरुपयोग को चिह्नित किया था, जहां पति और उसके रिश्तेदारों को पत्नी के खिलाफ घरेलू क्रूरता का आरोप लगाते हुए अनावश्यक रूप से आपराधिक मामलों में घसीटा जाता है। इसने अदालत से मौजूदा दहेज और घरेलू हिंसा कानूनों की समीक्षा और सुधार करने और उनके दुरुपयोग को रोकने के उपाय सुझाने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों, वकीलों और कानूनी न्यायविदों की एक विशेषज्ञ समिति बनाने के निर्देश जारी करने की भी मांग की। याचिका में यह भी मांग की गई है कि विवाह पंजीकरण में विवाह के दौरान दिए गए सामान और उपहारों को भी दर्ज किया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा था कि अदालतों को दहेज उत्पीड़न के मामलों में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि कानून का दुरुपयोग रोका जा सके और पति के रिश्तेदारों को फंसाने की प्रवृत्ति को देखते हुए परिवार के निर्दोष सदस्यों को अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सके।

# अमेरिका ने क्यों नहीं सौंपा खालिस्तानी आतंकी पन्नू का बैंक डिटेल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को से जुड़ा बड़ा अपडेट सामने आया है। भारत ने एक मामले में अमेरिका से आतंकी पन्नू के बैंक खातों और मोबाइल नंबर्स की डिटेल मांगी थी। वॉशिंगटन ने जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया। भारत और अमेरिका के बीच आतंकवाद के खिलाफ सहयोग करने का करार है, इसके बावजूद भारतीय जांच एजेंसी की मांग को ठुकरा दिया। बता दें कि खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को भारत ने यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया हुआ है। उस पर कई संगीन धाराओं में मामला दर्ज है। बता दें कि पन्नू ने पंजाब और हरियाणा में स्वतंत्रता दिवस से पहले इमारतों पर तिरंगे की जगह खालिस्तान का झंडा फहराने वाले को 2,500 डॉलर देने की घोषणा की थी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने एक गंभीर मामले की छानबीन के दौरान अमेरिका से खालिस्तानी आतंकी पन्नू के बैंक खातों की डिटेल और मोबाइल फोन नंबर्स का ब्योरा मांगा। रिपोर्ट की मानें तो अमेरिका ने भारत के इस आग्रह को ठुकराते हुए इनसे जुड़ी जानकारियां साझा करने से इनकार कर दिया। अमेरिकी अधिकारियों ने अपने घरेलू कानूनी प्रावधानों का हवाला देते हुए बैंक अकाउंट डिटेल और मोबाइल फोन नंबर्स का ब्योरा साझा करने से इनकार कर दिया।

अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि जिस अपराध के लिए एनआईए की ओर से जानकारी मांगी गई थी, उसके लिए अमेरिका में सिर्फ 1 साल जेल का प्रावधान है। ऐसे में संबंधित अपराध के लिए इस तरह की जानकारियां उपलब्ध नहीं कराई जा सकती हैं।एनआईए ने चार साल से भी ज्यादा पुराने मामले में पन्नू से जुड़ी डिटेल अमेरिका से मांगी थी. दरअसल, 14 अगस्त 2020 को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर दो लोगों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर मोगा के जिला प्रशासनिक परिसर में प्रवेश किया. उन्होंने छत पर खालिस्तान का झंडा फहराया और तिरंगे का अपमान किया। तत्कालीन मोगा एसएसपी हरमनबीर सिंह गिल ने कहा था कि दोनों लोगों की तस्वीरें सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थीं. इस मामले में फरार पन्नू के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया था। एनआईए इस मामले की जांच कर रही है.

# गाबा में तीसरे टेस्ट को लेकर ऑस्ट्रेलिया टेंशन में, भारत दे चुका है करारी शिकस्त

## रोहित ब्रिगेड के हौसले बुलंद, उस हार को भुलाना चाहेंगे कंगारू

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत-आस्ट्रेलिया का तीसरा टेस्ट गाबा में होने वाला है जिसको लेकर आस्ट्रेलिया ने टीम का ऐलान भी कर दिया है। गाबा वह मैदान है जहां आस्ट्रेलिया को हराना मुश्किल होता है लेकिन 2021 में गाबा में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराया था। यह बात रोहित ब्रिगेड का हौसला बुदंल कर रही है। ऑस्ट्रेलिया भी उस हार को भुलाना चाहेगा।

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिचेल मार्श ने कहा कि यह वक्त उस हार के बारे में सोचने का नहीं है। इसकी बजाय टीम को एडिलेड की तरह वापसी करने की अपनी क्षमता पर ध्यान देना होगा। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 2021 में गाबा टेस्ट मैच में ऋषभ पंत और शुभमन गिल की शानदार पारियों के दम पर हार का मजा चखाया था। यह ऑस्ट्रेलिया की इस मैदान पर 1988 के बाद पहली हार थी।

अब दोनों टीमें 14 दिसंबर से फिर आमने-सामने आने वाली हैं। यह पांच मैचों की सीरीज का तीसरा टेस्ट है। दोनों टीमें अभी 1-1 मैच जीत कर बराबर हैं। ऐसे में तीसरा टेस्ट बहुत अहम माना जा रहा है। मिचेल मार्श ने तीसरे टेस्ट मैच से पहले प्रैक्टिस सेशन में कहा कि पहले क्या हुआ अभी हमारे पास उसके बारे में सोचने का समय नहीं है। अभी हम केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो वर्तमान में अहम हैं।

पर्थ में पहले टेस्ट मैच में हार के बाद हमने जिस तरह से वापसी की यह उसका एक उदाहरण है। इसलिए हम अपनी शैली की क्रिकेट खेलने पर ध्यान दे रहे हैं। मार्श ने अपनी फिटनेस के बारे में कहा कि मेरी पीठ में दर्द था लेकिन अब मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मार्श ने पहले दो टेस्ट मैच में बहुत अधिक गेंदबाजी नहीं की लेकिन उन्होंने कहा कि यह टीम की रणनीति का हिस्सा है।

मिचेल मार्श ने तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड की फिटनेस की स्थिति का स्पष्ट ब्यौरा नहीं दिया जो मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेले थे। उन्होंने गुरुवार को अभ्यास सत्र में गेंदबाजी भी नहीं की। उन्होंने कहा कि अब तक जोस का सवाल है तो वह ऐसा खिलाड़ी है जो परेशान नहीं होता और मैच में खेलने के लिए जो कुछ संभव है वह करेगा।

### टीम

**भारत:** यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रोहित शर्मा (कप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा/रविचंद्रन अश्विन/वॉशिंगटन सुंदर , आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज.

**ऑस्ट्रेलिया :** उस्मान ख्वाजा, नाथन मैकस्वीनी, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर) पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, नाथन लायन, जोश हेजलवुड

## डेरिल कलिनन ने रोहित शर्मा के फिटनेस पर उठाये सवाल

**जोहांसबर्ग (एजेंसी)।** दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेरिल कलिनन ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा की फिटनेस पर सवाल उठाये हैं। कलिनन ने कहा है कि रोहत का वजन जरुरत से कहीं ज्यादा है जो उन्हें कम करना होगा। रोहित हाल में धरेलू धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली करारी हार के बाद से ही आलोचकों के निशाने पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड टेस्ट में मिली हार के बाद से ही उनपर दबावा भी बढ़ गया है। रोहित पिछले काफी समय से रन भी नहीं बना पा रहे। वह एडिलेड की दोनों पारियों में असफल रे। रोहित इस मैच में छठे नंबर पर उतरे लेकिन फिर भी रन नहीं बना पाये।

कलिनन ने रोहित फिटनेस स्तर की आलोचना की और उन्हें बड़ी टेस्ट सीरीज के लिए अयोग्य बताया है। कलिन ने कहा कि, रोहित को देखिए, फिर विराट को। दोनो में ही साफ अंतर दिखेगा। रोहित का वजन ज्यादा है और वह लंबे समय तक नहीं खेल पायेंगे। रोहित चार या पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने के लिए अच्छी शारीरिक स्थिति में नहीं हैं। रोहित ने साल 2024 की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद से केवल एक टेस्ट में अर्धशतक लगाया है। वह पिछली 12 पारियों में से 8 में दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये हैं।

## ट्रेविड हेड महान बल्लेबाज बनने की राह पर, रिकी पोंटिंग ने इस दिग्गज से की तुलना

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रैविस हेड आधुनिक समय के महान बल्लेबाजों में से एक बनने की राह पर हैं। एडिलेड ओवल में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर मेजबान टीम को पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर करने में मदद की जिसके लिए हेड को 141 गेंदों पर 140 रनों की शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

हेड पिछले 18 महीनों में भारत के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं, उन्होंने 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में शानदार 163 रन बनाए और उसी साल के अंत में वनडे विश्व कप के फाइनल में मैच जीतने वाली 137 रन की पारी खेली। पोंटिंग ने कहा, 'वह उन (महान) खिलाड़ियों में से एक बनने की राह पर हैं। मुझे नहीं लगता कि आप उन्हें अभी महान कह सकते हैं। वह जो कर रहे हैं, उस पर कोई सवाल नहीं है क्योंकि वह जो कर रहे हैं, वह शानदार है। और कई बार ऐसा तब होता है जब उनकी टीम को उनकी सबसे ज़्यादा जरूरत होती है। विश्व कप सेमीफाइनल, विश्व कप फाइनल, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप, ऑस्ट्रेलिया में कुछ साल पहले हुई एशेज के बारे में सोचिए। बड़े पल तब होते हैं जब ट्रैविस ने खड़े होने का तरीका ढूंढ़ लिया है।'

## बुमराह की गेंदबाजी में कई दिग्गज तेज गेंदबाजों का मिश्रण: चैपल

**सिडनी (एजेंसी)।** भारत के पूर्व कोच ग्रेग चैपल का मानना है कि जसप्रीत बुमराह में डेनिस लिली, एंडी रॉबर्ट्स और रिचर्ड हैडली जैसे तेज गेंदबाज के गुण मौजूद हैं लेकिन वह अपनी खुद की ऐसी विरासत तैयार कर रहे हैं जो तेज गेंदबाजों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि बुमराह 'बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी' और ऑस्ट्रेलिया के बीच खड़े एकमात्र खिलाड़ी हैं।

चैपल ने लिखा, 'बुमराह का कौशल का संयोजन उन्हें अलग कतार में खड़ा करता है। उनके पास (मैल्कम) मार्शल की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने की क्षमता, लिली की आक्रामकता, रिचर्ड हैडली का नियंत्रण, रॉबर्ट्स की रणनीति, वसीम (अकरम) और वकार (यूनिस) की रिवर्स स्विंग, (ग्लेन) मैक्ग्रा की सटीकता, (डेल) स्टेन की विस्फोटकता , और (कैगिसो) रबाडा की आधुनिक बहुमुखी प्रतिभा का मिश्रण है।'

उन्होंने कहा, 'जैसा की नासिर हुसैन ने कहा, 'वह एक पूर्ण गेंदबाज है'। उसकी पीठ की सर्जरी हुई है और यह पता नहीं है कि उसका करियर कितना लंबा चलेगा लेकिन अगर उसने इसी तरह से गेंदबाजी जारी रखी तो उसका नाम भी इन चैम्पियन गेंदबाजों की तरह लिया जाएगा।'

बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों की

श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट में मौजूदा दौर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज की अपनी साख को मजबूत करते हुए भारत को 295 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इस मैच में टीम की कप्तानी भी की थी। उन्होंने कहा, 'गुजरे जमाने के दिग्गजों ने नींव स्थापित की तो वहीं बुमराह अपनी खुद की विरासत बना रहा है। एक ऐसी विरासत जो तेज गेंदबाजों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने का माद्दा रखती है।'

ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि बुमराह की घातक यॉर्कर और अस्थिर उछाल ने मैदान पर लिली की आक्रामकता की यादें ताजा कर दीं। उन्होंने कहा, 'लिली किसी योद्धा की तरह थे। उनके पास आक्रमकता और मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाने का शानदार संयोजन था। मैंने घरेलू क्रिकेट में कई बार उनका सामना किया और अपने युग के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के खिलाफ उन्हें करीब से परखा है।'

चैपल ने कहा, 'लिली के पास लंबे समय तक बल्लेबाज को परेशान करने वाली एक लाइन-लेंथ में गेंदबाजी करने की क्षमता थी। बुमराह इस मामले में थोड़े पीछे है लेकिन अलग तरह की गेंदबाजी एक्शन से वह कारगर यॉर्कर और और बाउंसर से बल्लेबाज को परेशान कर लिली की बराबरी करते हैं।' उन्होंने कहा, 'बुमराह रॉबर्ट्स के दिमागी चपलता को साझा करते हैं। दोनों गेंदबाज बल्लेबाजों को चकमा देने के लिए विविधताओं का उपयोग करते हैं। रॉबर्ट्स की तरह बुमराह भी ताकत के बजाय रणनीति पर भरोसा करते हैं।'

उन्होंने कहा, 'बुमराह ने सिर्फ 30 टेस्ट में 21.03 की औसत से 151 विकेट लिए है। विभिन्न परिस्थितियों में उत्कृष्टता हासिल करने की उनकी क्षमता मार्शल के प्रभुत्व की याद दिलाती है। बुमराह के पास पुरानी गेंद से रिवर्स स्विंग के साथ गेंद को सिम और स्विंग करने की कमाल की क्षमता है। मार्शल के विरुद्ध बल्लेबाजों को इसी तरह की अनिश्चितता का सामना करना पड़ता था।' चैपल ने कहा, 'जैसा कि इयान बॉथम ने मार्शल के बारे में प्रसिद्ध टिप्पणी की थी कि वह आपको कोई राहत नहीं देते है। आज बल्लेबाज भी बुमराह के बारे में ऐसी ही भावनाएं व्यक्त करते हैं।'

## पीसीबी से नाराज गिलेस्पी कोच पद छोड़ेंगे

लाहौर ।पाकिस्तान की टेस्ट टीम के कोच जैसन गिलेस्पी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पीसीबी से नाराज चल रहे हैं और माना जा रहा है कि वह शीघ्र ही अपना पद छोड़ देंगे। पीसीबी ने जिस प्रकार पिछले कुछ महीनों में उनकी भूमिका और अधिकारों को सीमित किया है उससे वह उपेक्षित अनुभव कर रहे हैं। अक्टूबर में उन्हें टेस्ट टीम के चयन पैनल से हटा दिया गया। उन्हें कहा गया कि अब वे केवल मैच के लिए रणनीतकार हैं। कोच गैरी कर्स्टन के जाने के बाद गिलेस्पी ने अंतरिम आधार पर टीम को कोचिंग दी थी। वहीं गिलेस्पी के कहने पर टिम नीलसन की इस साल अगस्त में हाई-परफॉर्मेंस रेड-बॉल कोच बनाया गया था। उनके अनुबंध को पाकिस्तान के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद रिन्यू करना था पर ऐसा नहीं किया गया है। नीलसन के अनुसार टीम अच्छी तहर से आगे बढ़ रही थी और वह दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज क तैयारी कर रहे थे पर पीसीबी ने उन्हें बताया कि उनकी सेवाओं की अब आवश्यकता नहीं है। गिलेस्पी को लगता है कि नीलसन ने खिलाड़ियों के साथ बहुत अच्छा तालमेल बनाया है। ये बात उन्होंने सार्वजनिक रूप से कई बार कही है। यही शायद उनके गुस्सा होने की वजह भी है।

## मोहम्मद नबी 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पहले अफगान क्रिकेटर बने

स्पोर्ट्स डेस्क ।अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पहले अफगान खिलाड़ी बन गए हैं। अफगानिस्तान के क्रिकेट सफर के आधार रहे 39 वर्षीय नबी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ

टी20 सीरीज के पहले मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। नबी ने इस अवसर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 27 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 44 रन बनाए। अपनी उपलब्धि पर विचार करते हुए नबी ने अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) द्वारा जारी एक वीडियो में कहा, 'मुझे खुशी है कि मैंने अपने देश के लिए 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। मुझे इस पर गर्व है।' ' इसी पारी के दौरान नबी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 150 चौके पूरे करके एक और उपलब्धि हासिल की जिससे अफगानिस्तान के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति और मजबूत हो गई। नबी का अंतरराष्ट्रीय करियर अप्रैल 2009 में शुरू हुआ जब उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया। तब से उन्होंने 167 वनडे मैचों में हिस्सा लिया है, जिसमें उन्होंने 27.48 की औसत से 3,600 रन बनाए हैं और 32.47 की औसत से 172 विकेट लिए हैं। उनका टी20 करियर फरवरी 2010 में आयरलैंड के खिलाफ शुरू हुआ था। 130 से ज़्यादा मैचों में नबी ने 22.54 की औसत से 2,209 रन बनाए हैं और 7.33 की इकॉनमी से 97 विकेट लिए हैं। टेस्ट क्रिकेट में नबी ने तीन मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 33 रन बनाए हैं और आठ विकेट लिए हैं।

## गाबा टेस्ट को लेकर रवि शास्त्री ने दी रोहित शर्मा को सलाह कहा : ओपनिंग करें, ताकि टीम को शुरुआत से मिले मजबूती

**ब्रिस्बेन (एजेंसी)।** भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही टेस्ट सीरीज में निर्णायक मोड़ आ चुका है। इस पर पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने कप्तान रोहित शर्मा को ओपनिंग की सलाह दी है। एडिलेड में दूसरे टेस्ट में भारत को 10 विकेट से मिली हार के बाद सीरीज 1-1 से बराबर है, और गाबा में शनिवार से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में विजेता टीम के लिए सीरीज जीतने की संभावना प्रबल हो सकती है।

दरअसल शास्त्री ने कहा कि रोहित ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बतौर सलामी बल्लेबाज किया है। उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ अपनी तकनीक और क्षमता का बार-बार प्रदर्शन किया है। शास्त्री ने कहा, अगर रोहित को ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाना है, तब उन्हें पारी का आगाज करना चाहिए। रोहित ने अपनी पिछली 10 पारियों में केवल एक अर्धशतक लगाया है, और मध्यक्रम में उनके प्रदर्शन ने टीम को नुकसान पहुंचाया है। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी शास्त्री की राय का समर्थन कर कहा कि ओपनिंग रोहित के लिए सबसे उपयुक्त पोजीशन है।

यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की मौजूदा सलामी जोड़ी के प्रदर्शन ने प्रभावित किया है। इसके बावजूद शास्त्री का मानना है कि रोहित को ओपनिंग करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। टीम को मौजूदा जोड़ी के प्रदर्शन और रणनीतिक फैसलों के बीच संतुलन साधना होगा।

शास्त्री ने टेस्ट को सीरीज का निर्णायक मुकाबला बताया। उन्होंने कहा, जो भी टीम मैच को जीतेगी, वह सीरीज जीत सकती है। ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में जीत के बाद आत्मविश्वास पा लिया है। इसके बाद अब भारत को सही संतुलन और रणनीति के साथ उतरना होगा। रोहित की ओपनिंग के फैसले से भारत को एक मजबूत शुरुआत मिलेगी, जिससे बाकी बल्लेबाज दबाव मुक्त होकर खेल सकें। वहीं, गेंदबाजी आक्रमण

और स्पिन विभाग में सही चयन भी टीम की सफलता के लिए अहम होगा।

## सबसे युवा विश्व चैम्पियन बनना बहुत बड़ी बात : शुभमन गिल ने गुकेश की तारीफ की

ब्रिसबेन । सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से डी गुकेश को बधाई दी जो सबसे युवा शतरंज विश्व चैम्पियन बने हैं। गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को सिंगापुर में हुए मुकाबले में 7.5 .6.5 से हराकर खिताब जीता। गिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पूर्व मीडिया से कहा, 'मैं डी गुकेश को पूरी भारतीय टीम की ओर से बधाई देना चाहता हूं। सबसे युवा विश्व शतरंज चैम्पियन बनना ही अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है।' गुकेश से पहले रूस के गैरी कास्पारोव सबसे युवा विश्व चैम्पियन थे जिन्होंने 1985 में 22 वर्ष की उम्र में अनातोली कारपोव को हराकर खिताब जीता था। वह विश्वनाथन आनंद के बाद खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं।

## संन्यास के बाद भी करोड़ों की कमाई कर रहे युवराज

चंडीगढ़ ।भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह को संन्यास लिए काफी समय हो गया है। इसके बाद भी युवराज विज्ञापनों से जमकर कमाई कर रहे है। वह विज्ञापनों से ही हर माह करीब एक करोड़ की कमाई कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार युवराज की नेट वर्थ करीब 291 करोड़ रुपये है। 2011 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले युवराज ने साल 2019 में क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद भी आज वह कई बड़े ब्रांड से जुड़े है। युवराज ने कई स्टार्टअप्स शुरू किए हैं जिससे भी उन्हें अच्छी खासी कमाई हो रही है। संपत्ति करीब 50 करोड़ से ज्यादा है. युवराज सिंह के पास मुंबई में करोड़ों रुपये की कीमत वाले दो आलीशान अपार्टमेंट हैं। उन्होंने साल 2013 में वर्ली में लग्जरी आवासीय टॉवर में दो अपार्टमेंट खरीदने के लिए 64 करोड़ खर्च किए थे। उनके पास गोवा में भी एक घर है जबकि चंडीगढ़ में के हवेली है। युवराज सिंह के पास कई लक्जरी कारें हैं। उनके पास बेंटले कॉन्टिनेंटल जीटी, लॉम्बिरिगनी मरसिएलागोए बीएमडब्ल्यू एम5 ई60, बीएमडब्ल्यू एक्सएम 6रूऔर ऑडी क्यू 5 गाड़ियां है। युवराज के करियर की बात करें तो 40 टेस्ट में 1900 रन बनाए जबकि 304 वनडे में उन्होंने 8701 रन बनाए। वहीं 58 टी20 इंटरनेशनल मैचों में उनके नाम 1177 रन हैं। उन्होंने टेस्ट में 3 शतक और 11 अर्धशतक जबकि एकदिवसीय में 14 शतक और 52 अर्धशतक लगाये हैं। टी 20 में उन्होंने 1177 रन बनाए हैं। इसके साथ हीन्होंने गेंदबाजी करते हुए टेस्ट में 9 एकदिवसीय में 111 और टी20 में 28 विकेट लिए हैं। 2007 टी20 विश्वकप में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में लगातार छह छक्के लगाये थे। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण वह दर्शकों के पसंदीदा बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं।

## ऋषभ पंत के लिए पागल थे पार्थ, गोयनका ने बताया 27 करोड़ की बोली लगाने की वजह

नई दिल्ली। आईपीएल नीलामी 2025 में सिर्फ 20 मिनट में श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 2015 में कोई भी भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह के 16 करोड़ से ज्यादा में नहीं बिका था, लेकिन जेद्दा-सऊदी अरब में मेगा नीलामी के कुछ ही मिनटों में श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत पहली बार 25 करोड़ का आंकड़ा पार कर गए। अय्यर पहले इंसान थे जिन्हें 26 करोड़ की भारी कीमत पर पंजाब किंग्स ने खरीदा था। उन्होंने

पिछले साल केकेआर द्वारा 24.75 करोड़ में खरीदे गए मिशेल स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा। श्रेयस के नाम यह रिकॉर्ड केवल 11 मिनट रहा क्योंकि लखनऊ सुपर जाइंट्स ने ऋषभ पंत को बोर्ड पर लाने के लिए 27 करोड़ खर्च कर दिए। रिकॉर्ड-तोड़ आईपीएल नीलामी के तीन सप्ताह बाद अब एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने पंत पर बोली लगाने के पीछे की बात उजागर की है। गोयनका ने कहा कि वह जानते थे कि डीसी के सह-मालिक पार्थ जिंदल पंत के लिए पागल थे और उन्हें वापस लाने के लिए कुछ भी करने को तैयार थे, इसलिए उन्हें इतनी राशि लगानी पड़ी कि डीसी उनके राइट टू मैच विकल्प का उपयोग करने के बावजूद मैच नहीं कर सके। गोयनका ने बताया कि पंत के लिए 27 करोड़ की बोली लगाने के पीछे विज्ञान था। दिल्ली ने श्रेयस अय्यर के लिए 26.5 करोड़ की बोली लगाई। मुझे लगा था कि पार्थ जिंदल ऋषभ पंत के लिए इतने पागल हैं कि वह आईपीएल नीलामी में एक पायदान ऊपर जाएंगे। मैंने विचार किया जहां पर वह रुकेगा हम वहां से ऊपर जाएंगे। गोयनका ने कहा कि पंत को अपनी टीम के साथ जोड़ने का मुख्य मकसद एक भारतीय एंकर को अपने साथ जोड़ना था। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लिए जो भी परिस्थितियां रहीं, उन्होंने उसे रिटेन नहीं किया वह ऋषभ को रिटेन करने के इच्छुक नहीं थे। मेरे लिए उस पर चर्चा करना या उस पर टिप्पणी करना सही नहीं है।

## वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को हरा सीरीज में किया क्लीन स्वीप

**बासटेयर (एजेंसी)** । आमिर जंगू (नाबाद 104), केसी कार्टी (95) तथा गुडाकेश मोती (नाबाद 44 और एक विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज ने तीसरे एक दिवसीय मुकाबले में बांग्लादेश को चार विकेट से हराया। इसी के साथ वेस्टइंडीज ने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में बांग्लादेश का सूपड़ा साफ कर दिया। 104 रनों की बेहतरीन पारी खेलने वाले आमिर जंगू 'प्लेयर ऑफ दि मैच' से और शरफेन रदरफोर्ड को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया। बांग्लादेश के 321 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 36 रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये।

ब्रैंडन किंग (15), ऐलेक ऐथनेज (सात)और कप्तान शे होप (तीन) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद 15वें ओवर में वेस्टइंडीज ने शरफेन रदरफोर्ड (15) के रूप में अपना चौथा विकेट 86 के स्कोर पर गवां दिए। ऐसे संकट के समय केसी कार्टी के साथ आमिर जंगू ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट लिये 132 रनों की साझेदारी हुई। इस साझेदारी ने वेस्टइंडीज के जीत की नींव रखी। 34वें ओवर में रिशाद हुसैन ने केसी कार्टी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। केसी कार्टी ने 88 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हए (95) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए रॉस्टन चेज (12) को भी रिशाद हुसैन ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर पवेलियन भेज दिया। बल्लेबाजी करने आये गुडाकेश मोती ने आमिर जंगू का बखूबी साथ निभाया। दोनों बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिए मैच विजयी साझेदारी की। आमिर जंगू ने 83 गेंदों में छह चौके और चार छक्के लगाते हुये (नाबाद 104) रनों की पारी खेली। वहीं गुडाकेश मोटी ने 31 गेंदों में तीन चौक और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 44) रन बनाये। इन दोनों बल्लेबाजों ने 45.5 ओवर में छह विकेट पर 325 रन बनाकर कर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। बंगलादेश की ओर से रिशाद हुसैन ने दो विकेट लिये। तसकीन अहमद, नासुम अहमद और हसन महमूद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र नौ रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिऐ। तंजिद हसन और लिटन कुमार दास बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। इन दोनों बल्लेबाजों को अल्जारी जोसेफ ने आउट किया। इसके बाद सौम्य सरकार और कप्तान मेहदी हसन मिराज ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिए 136 रनों की साझेदारी हुई। 24वें ओवर में गुडाकेश मोटी ने सौम्य सरकार (73) को पगबाधा कर इस साझेदारी को तोड़ा। 30वें ओवर में शरफेन रदरफोर्ड ने मेहदी हसन मिराज (77) को

रनआउट कर बंगलादेश को चौथा झटका दिया। अफिफ हुसैन धुबो (15) को शरफेन रदरफोर्ड ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये महमुदउल्लाह और जाकेर अली की जोड़ी ने पारी को संभालते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। महमुदउल्लाह ने 63 गेंदों में सात चौके और चार छक्के लगाते हुए (नाबाद 84) रनों की पारी खेली। वहीं जाकेर अली ने 57 गेंदों में पांच चौके और दो छक्को की मदद से (नाबाद 62) रन बनाये। बंगलादेश की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट पर 321रनों का स्कोर खड़ा किया। वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ ने दो विकेट लिये। शरफेन रदरफोर्ड और गुडाकेश मोटी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

# अब दो दिन में बंद हो जाएगी एसआईपी, नहीं लगेगा जुर्माना

## - सेबी ने म्यूचुअल फंड कंपनियों को दिए सख्त निर्देश

**नई दिल्ली ।**

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है, भारतीय प्रतिभूति और विनियमक बोर्ड (सेबी) ने नया नियम लागू कर दिया है जिसके अनुसार अब आपको एसआईपी बंद करने के लिए सिर्फ दो दिन का इंतजार करना होगा। यह नियम 1 दिसंबर, 2024 से लागू हो चुका है। पहले सिपाहियों को 10 वर्किंग डेज़ का इंतजार करना पड़ता था, जिससे कई लोग अपनी सिप बंद करने में समय परेशान होते थे। इस नए नियम से निवेशकों को बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि अब वे अपने एसआईपी को दो दिन पहले ही बंद कर सकेंगे। यह न केवल जुर्माने से बचाएगा, बल्कि उन्हें अपने निवेश पर अधिक नियंत्रण भी मिलेगा। सेबी ने इस नए नियम को पारदर्शिता और निवेशकों के हितों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। वरिष्ठ आर्थिक सलाहकारों का कहना है कि इस नए नियम से निवेशकों को वित्तीय योजनाओं में अधिक सावधानी बरतने में मदद मिलेगी। यह भी निवेशकों को आत्मविश्वास देगा की उनके निवेशों पर पूरी निगरानी हो रही है। इस नए नियम के लागू होने से बाजार में भी एक नया जोश आया है, क्योंकि लोग अब अपने निवेशों पर अधिक नियंत्रण बनाए रख सकेंगे। यह नियम आम लोगों के वित्तीय सुरक्षा को भी मजबूत करेगा और उन्हें बेहतर वित्तीय योजनाओं में निवेश करने का साहस देगा। इस तरह सेबी द्वारा नए नियमों की घोषणा से म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक बड़ी सुविधा प्रदान की गई है और वित्तीय योजनाओं में निवेश करने के लिए उन्हें अधिक आत्मविश्वास मिलेगा।

# रिलायंस को 5,00,000 बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल देगी रूस की तेल कंपनी

## 10 वर्षीय समझौता वैश्विक आपूर्ति का 0.5 प्रतिशत है

**मुंबई ।**

रूस की सरकारी तेल कंपनी रोसनेफ्ट ने भारतीय निजी रिफाइनर रिलायंस को लगभग 500,000 बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) कच्चे तेल की आपूर्ति करने पर सहमत हुई है, जो दोनों देशों के बीच अब तक का सबसे बड़ा ऊर्जा सौदा है।

10 वर्षीय समझौता वैश्विक आपूर्ति का 0.5 प्रतिशत है और आज की कीमतों पर लगभग 13 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष है याने 11 हजार 322 करोड़ रुपये से ज्यादा का होगा।

इस सौदे से जुड़े तीनों सूत्रों ने बताया कि इस सौदे के तहत, रोसनेफ्ट हर महीने विभिन्न रूसी कच्चे तेल के 20-21 अफ्रामैक्स आकार के कार्गो (80,000 से 100,000 मीट्रिक टन) और ईंधन तेल के लगभग 100,000 टन के तीन कार्गो की आपूर्ति करेगा। ये शिपमेंट पश्चिमी राज्य गुजरात के जामनगर में रिलायंस के रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स, जो दुनिया का सबसे बड़ा है, के लिए आपूर्ति की जाएगी। 2024 में रिलायंस ने रोसनेफ्ट के साथ हर महीने 3 मिलियन बैरल कच्चे तेल की खरीद का सौदा किया था। रोसनेफ्ट नियमित आधार पर बिचौलियों के माध्यम से रिलायंस को कच्चा तेल भी बेच रहा है। एक सूत्र ने बताया कि नए सौदे में रूसी बंदरगाहों से रोसनेफ्ट के समुद्री तेल निर्यात का लगभग आधा हिस्सा शामिल है, जिससे अन्य व्यापारियों और बिचौलियों के लिए बहुत अधिक आपूर्ति उपलब्ध नहीं होती है। सूत्रों के अनुसार जनवरी से अक्टूबर तक रिलायंस ने औसतन 405,000 बैरल प्रतिदिन रूसी तेल का आयात किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 388,500 बैरल प्रतिदिन से अधिक है।

# टोयोटा वेलफायर का घटा वेटिंग पीरियड

**नई दिल्ली।**

टोयोटा वेलफायर कार के लिए वेटिंग पीरियड घटकर अब 6 महीने रह गया है।पहले ग्राहकों को इसके लिए 12 महीने तक इंतजार करना पड़ता था। नवंबर 2024 में इस कार की केवल 86 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो पिछले 6 महीनों में इसका सबसे खराब प्रदर्शन है। अक्टूबर में 115 यूनिट्स बिकी थीं, और नवंबर में इसकी बिक्री में 29 यूनिट्स की कमी देखी गई। पिछले छह महीनों के बिक्री आंकड़ों के मुताबिक, जून 2024 में 142 यूनिट्स, जुलाई 2024 में 113 यूनिट्स, अगस्त 2024 में 114 यूनिट्स, सितंबर 2024 में 87 यूनिट्स, अक्टूबर 2024 में 115 यूनिट्स, और नवंबर 2024 में 86 यूनिट्स बिकीं। इस दौरान कुल 657 यूनिट्स की बिक्री हुई। टोयोटा वेलफायर का डिजाइन बेहद मॉडर्न है और इसमें शानदार डैशबोर्ड, एंबिएंट लाइटिंग और 14 इंच का बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम जैसी सुविधाएं मिलती हैं। इसके अलावा, इसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वेंटिलेटेड और हीटेड सीट्स, इलेक्ट्रिकली एडजस्ट होने वाला स्टीयरिंग व्हील, रूफ-माउंटेड एंटरटेनमेंट सिस्टम और स्प्लिट ग्लास रूफ जैसी सुविधाएं भी हैं।

सुरक्षा के लिहाज से भी वेलफायर बेहतरीन है, इसमें 360-डिग्री कैमरा और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम जैसी सुविधाएं मिलती हैं। इस कार में 2.5 लीटर का 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन है, जो स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड सिस्टम से लैस है और 193 पीएस की पावर और 240 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसके ई-सीवीटी गियरबॉक्स की वजह से ड्राइविंग अनुभव और भी स्मूथ और आरामदायक बन जाता है। बता दें कि इस कार की एक्स-शोरूम कीमत 1.20 करोड़ रुपये है और इसके बावजूद खरीददारों में कमी नहीं आई है।

# सेबी ने एसएमई कंपनियों के आईपीओ के नियमों में किया बड़ा सुधार

## - यूपीएसआई की परिभाषा को और व्यापक और सख्त बनाया जाएगा

**मुंबई ।**

भारतीय शेयर बाजार के नियामक प्राधिकरण, सेबी छोटे और मझोले उद्यमों (एसएमई) के आईपीओ के नियमों में सुधार करने की योजना बना रहा है। इसके तहत अप्रकाशित प्राइस सेंसिटिव इंफॉर्मेशन (यूपीएसआई) की परिभाषा को और व्यापक और सख्त बनाया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक ये सुधार 18 दिसंबर को होने वाली सेबी की बोर्ड बैठक में चर्चा के लिए रखा गया है। सेबी ने यह फैसला लिया है कि एसएमई लिस्टिंग नियमों को सख्त करके शेयर बाजार में धांधली और गलत प्रैक्टिस को रोका जा सके। इसके साथ ही, एसएमई आईपीओ में निवेश की न्यूनतम सीमा बढ़ाकर 2 लाख रुपये से 4 लाख रुपये करने का भी मौका दिया जा सकता है। समाचार के अनुसार इन सुधारों का मकसद है एसएमई लिस्टिंग में पारदर्शिता को बढ़ाना और निवेशकों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करना। सेबी इन कदमों के जरिए इंसाइडर ट्रेडिंग ( पिट) नियमों को भी मजबूत करने का इरादा रखता है। इसे लेकर बहस चरम पर हो रही है, जब सेबी चेयरपर्सन को संबंधित विवादों में फंसे रहने का आरोप भी उठाया जा रहा है। इस सुधार से उम्मीद है कि शेयर बाजार में नए एसएमई कंपनियों के एक पारदर्शी और सकारात्मक मिलान की ऊर्जा बढ़ेगी।

# बजाज ऑटो 20 दिसंबर को लॉन्च करेगा अपडेटेड चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर

**नई दिल्ली ।**

स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो लोकप्रिय इलेक्ट्रिक स्कूटर चेतक का अपडेटेड मॉडल लॉन्च करने जा रहा है। कंपनी 20 दिसंबर को इसे लांच करेगी। कंपनी नए वर्जन में नए बॉडी फ्रेम का इस्तेमाल करेगी, जिसमें बैटरी पैक अब स्कूटर के फ्लोरबोर्ड के नीचे फिक्स होगा। इसके अलावा, अंडर सीट स्टोरेज को बढ़ाकर 22 लीटर तक किया जाएगा, जिससे ग्राहकों को ज्यादा स्पेस मिलेगा। नए चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर के डिजाइन में कुछ मामूली बदलाव हो सकते हैं, हालांकि इसकी स्टाइल और लुक्स में बहुत बड़ा परिवर्तन नहीं होगा। स्कूटर में नए बैटरी पैक के साथ ज्यादा रेंज मिलने की उम्मीद है, जिससे ग्राहक लंबी दूरी तय करने में सक्षम होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नया मॉडल मौजूदा वर्जन के आसपास की कीमत पर लॉन्च किया जा सकता है, जो कि 96,000 रुपये से लेकर 1.29 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) के बीच है। अनुमान है कि नए मॉडल की एक्स-शोरूम कीमत लगभग 1 लाख रुपये हो सकती है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में स्टील बॉडी के साथ कुछ नई डिजाइन फीचर्स मिलेंगे, जैसे बॉडी कलर्ड रियर व्यू मिरर, सैटिन ब्लैक ग्रैब रेल, मैचिंग पिलियन फुटरेस्ट और चारकोल ब्लैक फिनिश टू हेडलाइट केसिंग। स्कूटर में डिस्क ब्रेक, अलॉय व्हील, एलईडी लाइटिंग, टेलीस्कोपिक फ्रंट सस्पेंशन और आईपी67 रेटेड वॉटरप्रूफ बैटरी जैसे महत्वपूर्ण फीचर्स भी दिए जाएंगे। इसके अलावा, एक एक्स्ट्रा 'स्पोर्ट' राइड मोड भी मिलेगा। भारत में चेतक का मुकाबला एथर रिज्टा जेड, ओला एस1 प्रो और टीवीएस आई-क्यूब जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर्स से है। ब्रेकिंग सिस्टम में सुधार करते हुए नए मॉडल में डिस्क ब्रेक सेटअप भी दिया जा सकता है। नए चेतक में हिल-होल्ड कंट्रोल, फॉलो मी होम लाइट, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, म्यूजिक कंट्रोल, कॉल अलर्ट, कस्टमाइजेबल थीम के साथ कलर्ड टीएफटी डिस्प्ले और ब्लूटूथ ऐप कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी।

# रक्षा मंत्रालय ने एचएएल से 12 सुखोई जेट खरीदने किया करार

## सरकार ने जेट्स की खरीद के सौदे पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली । रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए उन्हें और अधिक शक्तिशाली और तैयार बनाने के लिए 12 सुखोई जेट्स की खरीद के सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं। इस 13,500 करोड़ रुपये के समझौते के ज़रिए, भारतीय रक्षा उद्योग का संयम और अनुभव ताकत में वृद्धि करेगा। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ हुई इस डील के माध्यम से, एसयू-30 एमकेआई जेट्स का निर्माण अब भारत में ही होगा। यह एक महत्वपूर्ण क़दम है जो भारत के आत्मनिर्भरता की धारा को मज़बूत करेगा। विमानों में घरेलू सामग्री का 62.6 प्रतिशत शामिल होने से, भारतीय वायुसेना की योग्यता और तैयारी में सुधार होगा। इस सौदे ने भारत के सशस्त्र बलों की ताकत को बढ़ावा देने के लिए एक नया मार्ग प्रदर्शित किया है। रक्षा मंत्रालय ने इस महत्वपूर्ण खरीद के संदर्भ में सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक बयान जारी किया है, जिसमें इस सौदे की महत्वपूर्णता और फायदे पर जोर दिया गया है। इसके माध्यम से, भारत ने अपने रक्षा सेक्टर को आगे बढ़ाया है और अपनी रक्षा तंत्र को मज़बूत करने के लिए ठोस क़दम उठाए हैं।

## बेहतर निवेश का अवसर दे रही स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की अमृत वृष्टि योजना

### आम ग्राहकों को 7.25 और वरिष्ठ को 7.75 फीसदी ब्याज दर मिलेगी

**मुंबई ।** वर्तमान समय में निवेश करने के लिए मिल रहे अनगिनत ऑप्शन्स में से एक है भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की नई अमृत वृष्टि योजना। यह सावधि जमा योजना है जिसका आकर्षण है उसकी अवधि के साथ सुनहरा ब्याज दर है। इस योजना में निवेश करने पर आम ग्राहकों को 7.25 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.75 फीसदी की ब्याज दर मिलेगी। इस योजना के तहत जो आप्शन किए जा रहे हैं, वे महिलाएं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी हैं। सीमित अवधि की यह जमा योजना 444 दिनों के लिए है और उन्हें 16 जुलाई 2024 से मिलेगी। निवेश करने का अंतिम तारीख 31 मार्च 2025 है। इस योजना को किसी भी भारतीय नागरिक के लिए खोला गया है, चाहे वो निवासी हो या अनिवासी और इसमें व्यक्तिगत, संयुक्त खाते और कंपनियां भी निवेश कर सकती हैं।

# दूसरों को मनपसंद डिश खिलाने वाली जोमैटो सरकार के डकार गई 803 करोड़! अब होगी वसूली

**नई दिल्ली।** जोमैटो को लेकर सरकार ने एक खुलासा किया है। सरकार ने कहा है कि जोमैटो ने 803 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी की है और अब उसे वसूली के लिए नोटिस भेजा गया है। दूसरी ओर, जोमैटो ने इन आरोपों से इनकार किया और कहा है कि वह इससे बचने के लिए कानूनी सहारा लेगी। ऑनलाइन ऑर्डर पर खाने-पीने का सामान पहुंचाने वाले मंच जोमैटो ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया है कि महाराष्ट्र के ठाणे जिले में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग ने उसे 803.4 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड मांग नोटिस भेजा है। इसमें ब्याज और जुर्माना भी शामिल है। कंपीन का कहना है कि डिलिवरी शुल्क पर ब्याज और जुर्माना के साथ जीएसटी का भुगतान न करने के संबंध में उसे नोटिस मिला है। जोमैटो ने कहा, 'कंपनी को 12 दिसंबर, 2024 को एक आदेश प्राप्त हुआ है। यह आदेश 29 अक्टूबर, 2019 से 31 मार्च, 2022 की अवधि के लिए सीजीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क, ठाणे आयुक्तालय, महाराष्ट्र के संयुक्त आयुक्त द्वारा पारित किया गया है। इसमें लागू ब्याज के साथ 401,70,14,706 रुपये के जीएसटी की मांग और 401,70,14,706 रुपये के जुर्माने की पुष्टि की गई है।'

# शेयर बाजार में 843 अंकों की उछाल

## निफ्टी भी 219 अंक उछलकर 24,768 अंकों पर हुआ बंद

**नई दिल्ली ।**

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह के आखिरी दिन भारी उठापठक देखी जा रही है। शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में भारी गिरावट आई थी। लेकिन अब ना सिर्फ रिकवरी की है, बल्कि शानदार तेजी आई है। सेंसेक्स अभी 843 अंक चढ़कर 82,133 लेवल पर क्लोज हुआ, जबकि निफ्टी करीब 219 अंक उछलकर 24,768 पर बंद हुआ। इसके अलावा, बैंक निफ्टी में भी अच्छी तेजी देखने को मिली है। वहीं दोपहर तक शेयर बाजार में भारी गिरावट थी। सेंसेक्स 1200 अंक तक टूट चुका था और निफ्टी में 300 अंकों की गिरावट आई थी।

ऐसे में देखा जाए तो सेंसेक्स शुक्रवार के लो लेवल यानी 80,082 की तुलना में हाई लेवल 82,213.92 पर पहुंचा है, जो 2000 अंकों की उछाल है। वहीं निफ्टी दिन के लो लेवल से 600 अंकों की तेजी दिखाई है। शेयर बाजार में इतनी तेज रिकवरी की वजह हैवीवेट स्टॉक में शानदार तेजी और निवेशकों द्वारा लार्ज कैप स्टॉक में खरीदारी को माना जा रहा है।

बीएसई सेंसेक्स के टॉप 30 शेयरों में से 27 शेयर उछाल पर थे, जबकि तीन शेयर टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक और जेएसडब्लू स्टील दबाव में थे। सबसे तेज उछाल भारती एयरटे के शेयर में 4.43 फीसदी की आई। इसके बाद कोटक बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाइटन और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी रही, जबकि सुबह के दौरान इन शेयरों में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई थी।

### 79 शेयरों ने लगाया अपर सर्किट

वहीं एनएसई की बात करें तो टॉप 50 शेयरों में से 40 शेयरों में तेजी रही, जबकि 10 शेयर ही गिरावट पर थे। 79 शेयरों ने अपर सर्किट लगाया था और 73 शेयरों ने लोअर सर्किट लगाया। इसके अलावा, 83 शेयर 52 सप्ताह के हाई पर थे और 18 शेयर 52 सप्ताह के निचले स्तर पर थे।

# मुंबई में 455 करोड़ रुपये में बिका प्लॉट रजिस्ट्री पर खर्च हुए 27.30 करोड़

**मुंबई।**

मुंबई में एक साढ़े 19 हजार वर्ग फिट का प्लॉट 455 करोड़ में बिका है। इतने महंगे प्लॉट की खासियत यह है कि ये जुहू इलाके में है जहां बॉलीबुड की तमाम हस्तियां रहती हैं। स्क्वायर याड्र्स के अनुसार, अग्रवाल होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ने मुंबई के अत्यधिक मांग वाले जुहू इलाके में एक लैंड पार्सल का अधिग्रहण किया है, जिसकी कीमत 455 करोड़ रुपये है। यह प्लॉट शापूरजी पालोनजी ग्वालियर प्राइवेट लिमिटेड से हासिल किया था। स्क्वायर याड्र्स ने इस प्लॉट के रजिस्ट्रेशन डॉक्युमेंट को देखने के बाद बताया कि यह लैंड पार्सल लगभग 1,819.90 वर्ग मीटर (19,589.22 वर्ग फुट) के क्षेत्र में फैला है। इस लैंड डील को नवंबर 2024 में रजिस्ट्रेशन के बाद फाइनल किया गया। इस प्लॉट की रजिस्ट्री में 27.30 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी और 30,000 रुपये का रजिस्ट्रेश चार्ज लगा है। इससे पहले, अग्रवाल होल्डिंग्स ने सितंबर 2022 में जुहू में लगभग एक एकड़ और तीन-चौथाई एकड़ में फैले दो लैंड पार्सल का अधिग्रहण किया था, जिसका कुल मूल्य 332.8 करोड़ रुपये था। कैपिटल मार्केट एंड सर्विसेज, स्क्वायर याड्र्स के फाउंडर आनंद मूर्ति ने कहा, मुंबई देश की कमर्शियल कैपिटल है और एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र है इसलिए यहां प्रॉपर्टी की कीमतें बहुत ज्यादा हैं। बता दें कि मुंबई में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और साउथ व वेस्ट मुंबई की कई लोकेशन की मांग सबसे ज्यादा है। वहीं, जुहू और बांद्रा भी समंदर से अपनी नजदीकी और लग्जरी हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के लिए निवेश के लिए हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहा है।

# यूपी से बिहार तक सस्ता हुआ तेल, हर जिले में बदला भाव

## -ब्रेंट क्रूड का भाव नीचे आकर 73.41 डॉलर प्रति बैरल हुआ

**नई दिल्ली ।**

वैश्विक बाजार में पिछले 24 घंटे के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में खास बदलाव नहीं आया। इस वजह से शुक्रवार सुबह देश के ज्यादातर शहरों में तेल की कीमतों में नरमी देखी जा सकती है। शुक्रवार को यूपी से से बिहार तक सभी जिले में तेल के दाम में बदलाव हुआ है। ज्यादातर बड़े शहरों में तेल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 27 पैसे सस्ता होकर 94.71 रुपये लीटर, डीजल भी 32 पैसे गिरा और 87.81 रुपये लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 13 पैसे सस्ता हुआ और 105.60 रुपये लीटर हो गया, जबकि डीजल 13 पैसे गिरकर 92.43 रुपये लीटर पहुंच गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 16 पैसे चढ़कर 94.73 रुपये लीटर तो डीजल 19 पैसे चढ़कर 87.86 रुपये लीटर बिक रहा है।

कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में मामूली गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव नीचे आकर 73.41 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी गिरकर 69.90 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.71 रुपये और डीजल 87.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.60 रुपये और डीजल 92.43 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.73 रुपये और डीजल 87.86 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

# ब्रुकफील्ड इंडिया ने क्यूआईपी के जरिये 3,500 करोड़ जुटाए

## - कंपनी को कर्ज घटाने की योजना को पूरा करने में मदद मिलेगी

**नई दिल्ली।** ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट ने कर्ज घटाने के लिए क्यूआईपी निर्गम के जरिये संस्थागत निवेशकों से 3,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह घोषणा उनके शेयर बाजार में पहली बार की गई है। ब्रुकफील्ड ने शुक्रवार को शेयर बाजार को सूचित किया कि उन्होंने क्यूआईपी के माध्यम से 3,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह निवेश नौ दिसंबर को किया गया था और संस्थागत नियोजन के द्वारा किया गया था। इस निर्गम में लंबी अवधि के निवेशकों की मजबूत मांग देखी गई, जिसमें संस्थागत नियोजन, म्यूचुअल फंड और जीवन बीमा कंपनियों ने शामिल होकर निवेश किया। ब्रुकफील्ड ने दावा किया कि इस निर्गम के तहत भारत में पहली बार अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम और भारतीय जीवन बीमा निगम ने निवेश किया है। इसके साथ ही, एसबीआई म्यूचुअल फंड और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड भी मुख्य निवेशकों में शामिल हैं। इस पूंजी के माध्यम से ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट का कर्ज घटाने की योजना को पूरा करने में मदद मिलेगी और कंपनी के अगले कदमों के लिए मजबूती बढ़ेगी।

# फिक्की एफएलओ की वार्षिक बैठक में शामिल हुईं 350 महिला प्रतिनिधि

**गुवाहाटी ।**

फिक्की महिला संगठन की अंतरराज्यीय बैठक में देश भर से लगभग 350 व्यवसायी महिलाएं और उद्यमी शो मिल हुई हैं। एफएलओ के पूर्वोत्तर चैप्टर द्वारा आयोजित मिस्टिकल नॉर्थईस्ट नामक इस बैठक में भाग लेने वाली महिलाएं प्रतिनिधि हैं। यह चार दिवसीय बैठक गुवाहाटी और शिलांग में आयोजित की जा रही है। इस बैठक में भारत के 20 चैप्टर से महिला उद्यमियों और पेशेवरों को एक साथ लाने का उद्देश्य है। इसके दौरान सलाह, नेटवर्किंग, और प्रदर्शन का मौका दिया जा रहा है। बैठक के पहले दो दिन गुवाहाटी में आयोजित होंगे और बाकी दो दिन शिलांग में। एफएलओ के माध्यम से इस सम्मेलन ने महिलाओं के उद्यमिता और एकजुटता को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण कदम साबित होने की उम्मीद है।

# नौसेना कार्जस्थल में लैंगिक संबेदनसीलता आउर यौन उत्पीड़न कर रोकथाम उपरे कार्जसाला करलयं

सोनू सपवार

**नई दिल्ली।** नागरिक कार्मिक निदेशालय, नौसेना मुख्यालय समावेसिता के बढ़ावा देवेक आउर लैंगिक समानता के प्रोत्साहन देवेक कर दिसा में 12 दिसंबर 24 के नौसेना भवन सभागार में 'लैंगिक संबेदीकरन' आउर 'कार्जस्थल में यौन उत्पीड़न कर रोकथाम' उपरे एगो कार्जसाला कर आयोजन करलक।

सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा (डीजीएएफएमएस) कर महानिदेसक सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन कार्जकरम कर उद्घाटन मुध गोतियान कर रूप में करलयं। आपन मुध भासन में वाइस एडमिरल सरीन समान कार्जस्थल बनायेक में लैंगिक संबेदनसीलता कर महत उपरे जोर देलयं आउर सउब करमचारीमन कर सुरछा आउर सम्मान सुनिश्चित करेक में कार्जस्थल में यौन उत्पीड़न कर रोकथाम अधिनियम, 2013 कर महतपूर्न भूमिका के रेखांकित करलयं।

नोएडा इस्थित वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान कर बरिस्ठ फेलो डॉ. शशि बाला कर आकर्सन सत्र से कार्जसाला कर सुरुआत होलक। ऊ लैंगिक संबेदनसीलता आउर कार्जस्थल में होवेक वाला बातचीत के प्रभावित करेक वाला सामाजिक गतिसीलता कर गहन बिसलेसन करलयं। डॉ. बाला यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम, 2013 कर प्रावधान कर बारे में भी बिस्तार से जानकारी देलयं। सुरछित आउर समावेसी कार्जस्थल के प्रोत्साहन देवेक में इकर महत उपरे जोर देलयं।

रक्षा मुख्यालय प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली कर निदेसक डॉ. तनुश्री द्वारा संचालित दूसर सत्र में बास्तबिक मामला आउर बेबहारिक परिदृश्य उपरे चर्चा करल गेलक। संवादात्मक दृष्टिकोन कर माध्यम से, प्रतिभागीमन सार्थक चर्चा करलयं, लैंगिक आधारित चुनौतिमन उपरे बिचार करलयं आउर भेदभाव आउर पूर्वाग्रह के खतम करेक कर समाधान तलासयं।

रियर एडमिरल आदित्य हारा, एसीओपी (एसी) समापन भासन में लैंगिक समानता के बनाए राखेक आउर सुरछा, सम्मान आउर उत्पादकता द्वारा परिभासित कार्जस्थल बाताबरन के प्रोत्साहन देवेक ले भारतीय नौसेना कर दृढ़ प्रतिबद्धता कर पुष्टि करलयं। ऊ सउब बक्तामन के सम्मानित भी करलयं।

कार्जसाला में सउब कमांड आउर नौसेना मुख्यालयमन कर प्रतिनिधित्व करेक वाला नौसेना कर असैनिक करमीमन कर उत्साहपूर्न भागीदारी देखल गेलक। ई पहल नौसेना कर नागरिक बछर 2024 कर तहत चलेक वाला प्रयास कर भाग हेके, जे कल्यान-उन्मुख, प्रगतिसील आउर लैंगिक-संबेदनसील कार्जस्थल बनायेक ले आपन प्रतिबद्धता के ससक्त करेला।

दिन भइर चलेक वाला ई कार्जकरम में आधुनिक आउर समावेसी कार्जबल कर निरमान कर प्रति भारतीय नौसेना कर प्रतिबद्धता के परदरसित करल गेलक। ससस्त्र बल में लैंगिक समानता आउर बेबसायिकता ले एक मानक स्थापित करल गेलक।

## समस्या कर निष्पादन ले संबंधित पदाधिकारीमन के देलयं निरदेस

**रांची।** उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री जनता दरबार में सउब से 13 दिसंबर के मुलाकात करलयं। उपायुक्त जिला कर सहरी आउर ग्रामीन छेतर कर अदमीमन से मुलाकात कइर के उनकर समस्या से अवगत होलयं। एक-एक कइर के सउब कर समस्या के सुनते ऊ आश्वस्त करलयं कि संज्ञान में आवल सउब सिकायत कर जांच कराते जलदी से जलदी समाधान करल जाई।

जनता दरबार में बिभिन्न आवेदन सिकायत कर रूप में आलक, जे कि बिभिन्न बिभाग से संबंधित रहे। सउब सिकायतकर्ता कर समस्या के सुनेक बाद उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री संबंधित बिभाग कर अधिकारीमन के निरदेसित करलयं कि सउब आवेदन कर भौतिक जांच करते जलदी से जलदी समाधान करयं। इकर अलावा ऊ सउब संबंधित अधिकारीमन के निरदेसित करलयं कि सिकायत उपरे त्वरित कार्रवाई करते यथा सीघ्र प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय के समर्पित करयं।

## महिला लखपति किसान अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय कोर कमेटी कर बैठकी आयोजित

**पलामू।** उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद कर अध्यछता में समाहरणालय सभागार में महिला लखपति किसान योजना से संबंधित बैठकी सुकरवार के होलक। बैठकी में पीपीटी प्रेजेंटेसन कर माध्यम से महिला लखपति किसान कर उद्देस आउर कार्ज जोजना कर संबंध में बताल गेलक। ई जोजना कर तहत जिला कर सउब बिभाग आउर जेएसएलपीएस कर संगे सर्वे कइर के कन्वर्जेंस कर माध्यम से काम करल जायेक हय।

महिला लखपति किसान योजना कर सफल संचालन ले जिला अस्तर में जेएसएलपीएस कर नोडल बिभाग बनाल जाय हे। बिभाग कर द्वारा सर्वे काम करते अन्य बिभाग के पूरा डाटा उपलब्ध करुवायेक कर निरदेस देल गेलक। बैठकी में एसएचजी परिवारमन ले स्थायी आजीविका के बढ़ावा देवेक कर रननीति के लेइ के बिभिन्न बिंदुमन जइसे संस्थान निरमन आउर बित्तीय समावेसन उपरे चर्चा करल गेलक। निजी छेतर कर भागीदारी- स्टार्ट-अप, एफपीओ, एनजीओ, ग्रामीण उद्यम केंद्र कर संगे साझेदारी करेक। इकर अतिरिक्त माइक्रो क्रेडिट योजना, बित्तीय समावेसन, बैंक लिंकेज, महिला उद्यम त्वरण निधि, कृषि आजीविका, एकीकृत कृषि क्लस्टर कर तहत करल जायेक वाला काम उपरे चर्चा करल गेलक। मनरेगा कर तहत किसानमन ले दीदी बाड़ी योजना, जोग्य लाभुकमन के जॉब कार्ड से संतृप्त कइर के सौ दिनक रोजगार उपलब्ध करुवायेक उपरे जोर देल गेलक। आजीविका गतिबिधिमन के बढ़ावा देवेक कर दिसा में उद्योग, कृसि आउर गैर-कृसि, कौसल, उद्यम के बढ़ावा देवेक कर संबंध में चर्चा करल गेलक। ई अवसर में जिला कृषि पदाधिकारी, पशुपालन पदाधिकारी, उद्यान पदाधिकारी, भूमि संरक्षण पदाधिकारी, मत्स्य पदाधिकारी, जेएसएलपीएस कर डीपीएम संगे आउरोंमन पहुंचल रहयं।

## सीसीएल कर जन आरोग्य केंद्र लगालक निःसुल्क स्वास्थ्य सिबिर

**रांची।** राजधानी रांची कर कांके नगड़ी बस्ती में सीसीएल कर जन आरोग्य केंद्र निःसुल्क लेप्रोसी (चर्म रोग) संगे आउर बेमारीमन के लेइ के जांच सिबिर कर आयोजन करलक।

उक्त सिबिर में बिसेसग्य चिकित्सकमन कर द्वारा 175 मरीजमन कर जांच करल गेलक। उनके निःसुल्क चिकित्सीय सलाह देवल गेलक। सिबिर में बिसेस कइर के चर्म रोग, हीमोग्लोबिन, ब्लड सुगर, हाइपरटेंसन इत्यादि कर निःसुल्क जांच करल गेलक। मालूम होवी कि सीसीएल देस कर ऊर्जा जरूरत के पूरा करेक ले कोयला उत्पादन कर संगे-संगे आपन करमीमन आउर हितधारकमन कर स्वास्थ्य कर प्रति सजग आहे। ई किसिम कर निःसुल्क स्वास्थ्य सिबिर कर आयोजन बेरा-बेरा में करते रहेला।

सिबिर कर आयोजन में सीएमएस (सीसीएल) डॉ. रत्नेश जैन, सीएमओ (सीएसआर इंचार्ज) डॉ. प्रीति तिग्गा, डॉ. अनीता होरो, डॉ. अम्बरीष कुमार, डॉ. दीपाली रमेश समरीत, डॉ. प्रियंका झा, डॉ. शिल्पी झा, डॉ. अंशु आउर पारा मेडिकल स्टाफ कर जोगदान रहे।

## नज़रिया उर्दू इस्कूल में छात्र-छात्रामन नन्हें बातें नाटक कर करलयं मंचन

**जमशेदपुर।** मानगो मुंशी मोहल्ला इस्थित नज़रिया उर्दू इस्कूल में गीता थिएटर कर सौजन्य से नन्हें बातें नाव कर नुक्कड़ नाटक कर मंचन करल गेलक। कार्जकरम में बतौर मुध गोतिया बिधायक सरयू राय सम्मिलित होलयं। नाट्य में अभिनय करेक वाला छउवामन के सम्मान पत्र सह मेडल देइ के प्रोत्साहित करलयं।

ई अवसर में श्री राय कहालयं कि जमशेदपुर लौहनगरी अब कला आउर कलाकारमन ले भी गोटे हिन्दुस्तान में जानल जात हे। गीता थिएटर जइसन संस्था अगर सरकारी बिद्यालयमन में कला सांस्कृतिक कार्जकरम आयोजित करते रही तो इस्कूलमन कर छात्र-छात्रामन के मंच मिली। उनकर भितरे कर प्रतिभा बाहरे आवी। कार्जकरम में बिधायक सरयू राय कर आलावा जयालक्ष्मी नाट्य कला मंदिर से ए बाबू राव, हिन्द आईटीआई से ताहिर हुसैन, नजरिया उर्दू इस्कूल से प्रधानाचार्य सुनीसा बिंद्रा, अध्यापक मोहम्मद शाहीद, गीता थिएटर सदस्य रजनी सिंह आउर नमिता सिंह सामिल होलयं। कार्जकरम कर आखरी में गीता थिएटर कर सचिव प्रेम दीक्षित उपस्थित छात्र-छात्रामन, प्रधानाचार्य, अध्यापक-अध्यापिका आउर तमाम गोतिया कर आभार बेक्त करलयं।

# सर्वांगीन बिकास ले खेलकूद में भागीदारी जरूरी : डॉ बीके अग्रवाल

**कृषि महाविद्यालय कर दुई दिनक खेलकूद प्रतिजोगिता सुरू**

**रांची।** खेलकूद में भाग लेवेक से खली सारीरिक नई, बलकि बौद्धिक, मानसिक आउर भावनात्मक बिकास भी होवेला। ऊ जुवा जिनगी में आवेक वाला चुनौति कर बेहतर ढंग से सामना करेक में समर्थ बनायला। उक्त बात बिरसा कृषि विश्वविद्यालय कर निदेसक छात्र कल्यान डॉ बीके अग्रवाल सुकरवार के कहलयं। ऊ रांची कृषि महाविद्यालय कर दुई दिनक बारसिक खेलकूद प्रतिजोगिता कर उद्घाटन करेक कर बाद बोलत रहयं।

डॉ अग्रवाल कहलयं कि सर्वांगीन बिकास ले खेलकूद में भागीदारी जरूरी आहे। ऊ कहलयं कि छात्र-छात्रामन में जे खेल भावना, अनुसासन आउर समन्वय भाव खेलकूद कर दौरान रहेला ऊ सालों भइर आउर हर गतिबिधि में रहेक चाही। बिद्यार्थी बिहाने से मैदान में दिसबयं तो खेलकूद संबंधी सउब सुबिधा मुहैया कराल जाई। कम से कम 25-30 प्रतिसत बिद्यार्थीमन के जरूर खेलकूद में भाइग लेवेक चाही।

आयोजन समिति कर अध्यछ डॉ शंभूनाथ कर्मकार कहलयं कि कॉलेज कर प्लेग्राउंड सालों भइर साफ सुथरा आउर मेंटेंड रहेक चाही। हियां लाइट कर भी समुचित बेबस्था रहेक चाही, ताकि सांझ के भी बिद्यार्थी खेइल सकयं।

कृषि महाविद्यालय कर क्रीड़ा प्रभारी डॉ नीरज कुमार निदेसक छात्र कल्यान से आग्रह करलयं कि अनुबंध कर आधार में एगो कोच कर नियुक्ति बहुत जलदी करल जाए, जे बिद्यार्थीमन के नियमानुसार प्रैक्टिस कराय सके। संचालन डॉ अरुण कुमार तिवारी करलयं।

ई अवसर में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना कर मृदा आउर जल संरछन बिभाग कर अध्यछ आउर प्लास्टिक इंजीनियरिंग आउर टेक्नोलॉजी परियोजना कर परियोजना समन्वयक डॉ राकेश शारदा, बीएयू कर अनुसंधान निदेसक डॉ पीके सिंह, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय कर एसोसिएट डीन प्रो डीके रुसिया आउर बीएयू कर क्रीडा. समन्वयक डॉ एमके बर्णवाल भी उपस्थित रहयं।

आयोजन समिति कर डॉ मिंटू जॉब, डॉ शशि किरण तिर्की, डॉ शिवम मिश्र, राकेश कुमार महतो, हर्ष कुमार, प्रीति ज्योत्सना तिर्की, प्रीति कुमारी मुर्मू कर सक्रिय भूमिका रहे। आइज छात्र आउर छात्रामन कर बर्ग में बिभिन्न परकार कर दौड़-कूद प्रतिजोगिता होलक। सनिचर के समापन समारोह में कुलपति डॉ एससी दुबे बिजेतामन के पुरस्कार परदान करबयं।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेश प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक** : रतन लाल अग्रवाल। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com